डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 15.04.2024 से 21.04.2024 वर्ष-41 अंक-16 मूल्य ₹10.00

संक्षिप्त खबर

प्रदेश में 103 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की सामग्री जब्त

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन-2024 की आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने के बाद पुलिस एवं अन्य एन्फोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार कार्रवाई के दौरान 16 मार्च से 10 अप्रैल तक 13 करोड़ 77 लाख 63 हजार 629 रुपये नगद राशि सहित 103 करोड़ 33 लाख 19 हजार 639 रुपये मूल्य की विभिन्न सामग्री जब्त की गई है। इसमें 15 लाख 74 हजार 970 लीटर मदिरा भी शामिल है, जिसका मूल्य 24 करोड़ 64 लाख 13 हजार 47 रुपये है। इसी तरह 19 करोड़ 41 लाख 46 हजार 215 रुपये मूल्य के 14 हजार 780 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स और 9 करोड़ 40 लाख 40 हजार 623 रुपये मूल्य की 437 किलोग्राम से अधिक कीमती धातुएं भी जब्त की गई हैं। साथ ही 36 करोड़ 9 लाख 56 हजार 125 रुपये मूल्य की अन्य सामग्री भी जब्त की गई है।

बैतूल में 7 मई को होगा मतदान

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि बैतूल लोकसभा क्षेत्र क्रमांक-29 के निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 10 अप्रैल को नवीन कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-29 बैतूल (अजजा) में अब 7 मई को मतदान होगा। यहां निर्वाचन अधिसूचना 12 अप्रैल को जारी की गई। केवल बहुजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी 12 से 19 अप्रैल तक नाम निर्देशन पत्र जमा कर सकेंगे क्योंकि बसपा से निर्वाचन में भाग ले रहे अभ्यर्थी श्री अशोक भलावी का 9 अप्रैल को निधन हो गया था। 20 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा होगी और 22 अप्रैल तक नाम वापस ले सकेंगे, मतदान 7 मई को होगा।

'सी-विजिल ऐप' पर उल्लंघन की मिलीं 2852 शिकायतें

भोपाल, प्रदेश में लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए 16 मार्च से आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। नागरिकों से 'सी-विजिल ऐप' पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। आचार संहिता के 27 दिन यानी 16 मार्च से 11 अप्रैल तक सी-विजिल ऐप पर 2852 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन सभी शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है। मुख्य रूप से सागर में 286, उज्जैन 232, ग्वालियर 179, मुरैना 172, राजगढ़ 160, रीवा 155, इंदौर 130, दमोह 120, सीहोर 118 और खरगोन जिले में 106 शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

लोकसभा चुनाव- 2024

भारत निर्वाचन आयोग ने जारी किये मीडिया कव्हरेज संबंधी दिशा-निर्देश

भोपाल, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिये मीडिया कव्हरेज के परिप्रेक्ष्य में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। आयोग ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के अनुसार टेलीविजन, सिनेमेटोग्राफ या इसी तरह के अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले (विज्ञापन या प्रचार आदि) का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध किसी भी मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले तक की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति सिनेमेटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य समान उपकरण के माध्यम से किसी भी चुनावी मामले को जनता के समक्ष प्रदर्शित नहीं करेगा।

इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को दो साल तक की कैद या जुर्माना अथवा दोनों प्रकार से दंडित किया जा सकता है। आयोग के अनुसार चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने या ऐसे इरादे अथवा गणना करने जैसा कोई भी प्रयास चुनावी मामला माना जायेगा।

— मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में चुनावी तैयारियों की समीक्षा —

लोकसभा चुनाव के मतदान की प्रक्रिया में अशांति पैदा करने वाले तत्वों पर होगी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में चुनाव संबंधी तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया

भोपाल, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी निर्वाचन के लिये शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा निर्वाचन संबंधी अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई आवश्यक है। यह बात मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में चुनाव संबंधी तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही। निर्वाचन संबंधी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण हो, इसके लिये जिला निर्वाचन अधिकारियों को समय-समय पर इनकी मॉनिटरिंग करनी होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने गर्मी के मौसम को देखते हुए मतदान केंद्रों पर जरूरी व्यवस्थाएं करने तथा सेक्टर अधिकारियों के पास मेडिकल किट एवं दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये हैं। बैठक में निर्वाचन आयोग के नोडल अधिकारी पुलिस श्री अंशुमान सिंह, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री विवेक श्रोत्रिय, आयुक्त जबलपुर संभाग श्री अभय वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनिल कुशवाहा तथा संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक मौजूद थे। श्री राजन ने जबलपुर संभाग के जिलों की समीक्षा के बाद रीवा और शहडोल संभाग के जिलों में लोकसभा चुनाव तैयारियों की समीक्षा की।

कैमरे लगाने की अनुमति प्रदान की

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जबलपुर सहित ऐसे जिलों में जहां कुछ दिनों बाद चुनाव होना है चेक पोस्ट पर और सख्ती बरतने तथा वाहनों की सघन तलाशी करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने मतदान के 48 घंटे पहले की एसओपी का भी कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिये। सुचारु मतदान के लिये कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ऐसे स्थानों का स्वयं जाकर निरीक्षण करें, जहां पांच से अधिक मतदान केंद्र हैं। उन्होंने वल्नरेबल और क्रिटिकल मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े उपाय करने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री राजन ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने आवश्यकता अनुसार बेबकास्टिंग के लिये कुल मतदान केन्द्रों की संख्या के 75% के बराबर कैमरे लगाने की अनुमति दी है। बेबकास्टिंग के लिये कैमरे मतदान केंद्र के भीतर और बाहर भी लगाये जा सकेंगे।

सख्त कार्रवाई करने की हिदायत

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बैठक में आदर्श आचरण संहिता सहित निर्वाचन नियमों के उल्लंघन के मामलों में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने ऐसे प्रत्येक तत्व पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने की हिदायत दी जो चुनावी प्रक्रिया के दौरान अशांति का प्रयास कर सकते हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आपराधिक तत्वों के विरुद्ध अभी तक की गई कार्यवाही का जिलेवार ब्यौरा भी बैठक में लिया। उन्होंने संवेदनशील और वल्नरेबल क्षेत्रों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त करने तथा मतदाताओं को डराने, धमकाने या प्रलोभन देने की शिकायतों अथवा सूचनाओं पर तत्काल और सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी।

मोबाइल ऐप से करें शिकायत

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने 'सी-विजिल ऐप' का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिये, ताकि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला सामने आने पर नागरिक तत्काल मौके से ही उसकी शिकायत मोबाइल ऐप से कर सकें। श्री राजन ने बैठक में मतदान दिवस की तैयारियों की जिलेवार समीक्षा भी की। उन्होंने 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं एवं दिव्यांग मतदाताओं को मतदान की सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं के भी व्यापक प्रचार के निर्देश दिये। मतदान के दिन की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के लिए जिलों में बनाये गये कम्युनिकेशन प्लान पर भी उन्होंने चर्चा की।

हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दी जाये

उन लोकसभा क्षेत्रों में जहां उम्मीदवारों की संख्या नोटा सहित 15 से अधिक होने के कारण मतदान में दो-दो बैलेट यूनिट की आवश्यकता होगी, वहां मतदान दलों को ट्रेनिंग पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान दलों के साथ-साथ सेक्टर अधिकारियों को भी ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट मशीनों को आपस में कनेक्ट करने हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दी जाये। गर्मी के दौरान मतदाताओं को मतदान केंद्र आकर वोट डालने के लिये प्रेरित करने स्वीप की गतिविधियों को व्यापक स्वरूप देने के निर्देश दिये। श्री राजन ने मतदान केंद्रों में छाया, ठंडा पानी तथा केंद्र के समीप वाहनों की पार्किंग व्यवस्था पर जोर दिया।

लोकसभा निर्वाचन की घोषणा के बाद से सुविधा पोर्टल से जारी हुईं 1668 अनुमतियां

भोपाल, लोकसभा निर्वाचन की घोषणा और आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के बाद से अब तक सुविधा पोर्टल के जरिये राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को विभिन्न प्रकार की कुल 1668 अनुमतियां जारी की गई हैं। यह जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने दी।

उन्होंने बताया कि सुविधा पोर्टल स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कायम रखने और सभी को समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित एक तकनीकी व्यवस्था है। सुविधा पोर्टल ने चुनाव अवधि के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों से अनुमति और सुविधाओं के आवेदन प्राप्त करने और उन पर कार्रवाई करने की प्रक्रिया को बेहद सुव्यवस्थित बना दिया है। चुनाव अवधि के महत्व को देखते हुए, जहां पार्टियां और उम्मीदवार मतदाताओं तक पहुंचने के लिए निरंतर गतिविधियों में संलग्न होते हैं, वहां सुविधा पोर्टल 'फर्स्ट इन फर्स्ट आउट' सिद्धांत पर पारदर्शी रूप से विभिन्न प्रकार की अनुमति आवेदनों का त्वरित निवारण करता है। पोर्टल के जरिये रैलियों के आयोजन, अस्थायी पार्टी कार्यालय खोलने, घर-घर जाकर प्रचार करने, वीडियो वैन, हेलीकॉप्टर, वाहन परमिट देने सहित पर्चे बांटने की अनुमति भी दी जाती है।

कैसे काम करता है सुविधा पोर्टल

सुविधा पोर्टल (https://suvidha.eci.gov.in) से राजनीतिक दल और उम्मीदवार किसी भी समय, कहीं से भी अनुमति आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। सभी को समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए ऑफलाइन सबमिशन का विकल्प भी उपलब्ध है। सुविधा का एक सहयोगी ऐप भी है, जो आवेदकों को वास्तविक समय में आवेदनों की स्थिति को ट्रैक करने में सक्षम बनाता है। यह ऐप आईओएस और एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। सुविधा प्लेटफॉर्म न केवल चुनाव प्रक्रिया की दक्षता बढ़ाता है, बल्कि आवेदनों के निराकरण की समय-सीमा पर नजर रखने, स्थिति अपडेट और एसएमएस के माध्यम से संचार प्रदान करके पारदर्शिता भी सुनिश्चित करता है। इसके अलावा इस पोर्टल पर उपलब्ध अनुमतियों का डेटा, चुनाव व्यय की जांच के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में भी कार्य करता है।

6 अप्रैल

ईरान के चाबहार और रस्क में हुआ आतंकी हमला

● ईरान के दो शहर चाबहार और रस्क में आतंकी हमला हुआ है। इसमें 11 सुरक्षाकर्मियों और 16 आम लोगों की मौत

हो गई है और 10 सुरक्षा अधिकारी घायल हो गए। यह हमला जैश-अल-अदल द्वारा किया गया है। इसने सिस्तान-बलूचिस्तान में ईरानी सुरक्षा बलों पर हाल के वर्षों में किए गए कई हमलों की जिम्मेदारी ली है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने अब तक 15 आतंकियों को मार गिराया है। ईरान के उप आंतरिक मंत्री के मुताबिक आतंकियों का मकसद चाबहार में स्थित बॉर्डर गार्ड्स के मुख्यालय पर कब्जा करना था, जिसमें वह नाकामयाब रहे।

● इंडो-पैसिफिक लैंड फोर्सेज कमांडर जनरल चार्ल्स फिलन के अनुसार अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में, मध्यम दूरी की मिसाईलें तैनात करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि चीन की आधुनिक मिसाइलों का मुकाबला करने के उपायों का पता लगाने में अमेरिका की महत्वपूर्ण भूमिका है। फिलन ने बताया कि वह उस क्षेत्र को खतरनाक मानते हैं, जहां चीन आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि 2023 में फिलन ने ताइवान पर चीन को संभावित रूप से रोकने के लिए एशिया-प्रशांत क्षेत्र में मध्यम दूरी की मिसाइलें तैनात करने की अमेरिकी योजना की घोषणा की थी।

● भारत ने इजराइली अधिकारियों से भारत जी-2-जी समझौते के तहत भेजे गए भारतीयों की सुरक्षा का अनुरोध किया है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी। उन्होंने यह भी बताया कि जी-2-जी समझौते के तहत इजराइल भेजे गए भारतीयों की सुरक्षा भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बता दें कि सरकारी स्तर पर हुए समझौते के तहत भारतीयों को कौशल कार्यों के लिए इजराइल भेजा जा रहा है। यह वहां होने वाले निर्माण कार्यों में भाग लेंगे।

7 अप्रैल

सरकार ने लगाई चावल-चीनी के निर्यात पर पाबंदी

● केन्द्र सरकार ने देश में चावल, चीनी और प्याज जैसी आवश्यक वस्तुओं के दाम को काबू करने के लिए इनके निर्यात पर अभी के लिए रोक लगा दी है। परंतु सरकार ने घोषणा की है कि मालदीव को जरूरी सामान का निर्यात जारी रहेगा। मालदीव में मौजूद भारतीय हाई कमीशन ने बताया कि मालदीव की सरकार की अपील पर भारत 2024-25 के लिए देश में जरूरी चीजें भेजेगा। सामान की मात्रा अभी तय नहीं है।

● दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों में होने वाला एक सामान्य कैंसर बन गया है। लैंसेट में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार अगले 2040 तक दुनिया में प्रोस्टेट कैंसर के मरीज़ दोगुने हो जाएंगे। अगले 15 वर्षों में प्रोस्टेट कैंसर से मरने वालों की संख्या भी बढ़कर 85 प्रतिशत हो जाएगी। जानकारी के अनुसार हर घंटे 330 लोगों को प्रोस्टेट कैंसर होने का पता चलेगा और हर वर्ष 7 लाख लोगों की मौत का कारण बनेगा।

● भारत में रोबोटिक सर्जरी फर्म एसएस इनोवेशन द्वारा रिमोट टेलीसर्जरी का पहला मानव परीक्षण जल्दी ही शुरू होने वाला है। इस संबंध में फर्म एसएस को 60-80 दिन में इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी से मंजूरी मिलने की संभावना है। बता दें कि रिमोट टेलीसर्जरी के माध्यम से सर्जन उनसे शारीरिक रूप से दूर मौजूद मरीज की सर्जरी कर सकते हैं। यह सर्जरी दूर बैठे सर्जन की देख-रेख में रोबोट द्वारा की जाती है। इसमें सर्जन और रोबोट के बीच वास्तविक समय डेटा और दृश्यों का आदान-प्रदान सटीकता और सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

8 अप्रैल

चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

● चारधाम यात्रा के लिए तीर्थयात्री 8 अप्रैल से ऑनलाइन पंजीकरण करवा

सकेंगे। मैनुअल रजिस्ट्रेशन भी जल्द ही शुरू किए जाएंगे। चार धाम यात्रा के लिए पंजीकरण करवाना अनिवार्य है इसलिए इसके ऑनलाइन पंजीयन श्रद्धालुओं के लिए शुरू कर दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि केदारनाथ धाम के कपाट 10 मई और बदरीनाथ धाम के कपाट 12 मई को विधिवत खोल दिए जाएंगे। गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट भी 10 मई को अक्षय तृतीय के अवसर पर खुलेंगे।

● केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख में सेना ने बर्फबारी के बीच फंसे बच्चों और महिलाओं को बचाने का कार्य शुरू कर दिया है। इस बचाव कार्य के तहत तकरीबन 80 लोगों को बचाकर सुरक्षित जगह पहुंचा दिया है। यह लोग लेह और श्योक नदी घाटी के बीच 17 हजार 688 फीट ऊंचे चांगला में फंसे थे। इनको बचाने के लिए त्रिशूल डिवीजन के सैनिकों ने आधीरात से बचाव ऑपरेशन शुरू किया। सुबह तक वह इन लोगों को बचाने में कामयाब हो गए।

● मिस्र में अमेरिका और कतर की मध्यस्थता में हमास-इजरायल के युद्ध विराम के लिए लगातार वार्ता जारी है। इजरायली सेना ने एक ब्रिगेड को छोड़कर दक्षिणी गाजा से सभी सैनिकों को वापस बुला लिया है। इधर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि गाजा में इजराइली बंधकों की रिहाई होने तक युद्ध विराम नहीं करेंगे।

● अमेरिका और म्यांमार में भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमरीका में फिलाडेल्फिया से न्यूयॉर्क तक भूकंप से धरती कांप गयी। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.7 मापी गयी है। भूकंप का केन्द्र न्यूजर्सी में जमीन से 5 किलोमीटर नीचे था। इसके अलावा म्यांमार में भूकंप की तीव्रता 5.8 रिक्टर मापी गयी है। भूकंप के झटकों से किसी भी तरह के जान-माल की हानि नहीं हुई है।

9 अप्रैल

बोट के पचहत्तर लाख ग्राहकों का डेटा हुआ डार्क वेब पर लीक

● हेडफोन और स्मार्ट वॉच बनाने वाली कंपनी बोट पर साइबर हमले में उसके 75

लाख से ज्यादा ग्राहकों का डेटा लीक हो गया है। इस डाटा में लोगों का नाम, पता, फोन नंबर, ईमेल आईडी और कस्टमर आईडी जैसी जानकारी शामिल हैं। लीक हुई जानकारी डार्क वेब पर डाल दी गई है। इस लीक की जिम्मेदारी शोपिफाई नामक हैकर ने ली है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन लोगों के साथ ओटीपी या क्रेडिट कार्ड के जरिए फ्रॉड हो सकता है।

● बृहन्न मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने आदेश जारी किया है कि जो भी दुकानदार अपने साइन बोर्ड मराठी या देवनागरी में नहीं लिखवाएंगे, उन्हें 1 मई से दोगुना प्रॉपर्टी टैक्स देना होगा। आदेश में यह भी शामिल है कि जिनके साइन बोर्ड चमकीले या भड़कीले हैं उनके लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे और लाइसेंस नवीनीकरण की फीस 25 हजार से डेढ़ लाख रुपये ली जाएगी।

● अमेरिका की डेनवर से ह्यूटन जा रही साउथवेस्ट एयरलाइंस के प्लेन का इंजन कवर बीच उड़ान में टूट कर हवा में गिर गया। यह विमान उड़ान भरने के बाद 10,300 फीट की ऊंचाई तक पहुंच गया था लेकिन इंजन कवर टूटने के कारण इसे वापस जमीन पर लाना पड़ा। इस विमान में 135 यात्री और 6 चालक दल के सदस्य मौजूद थे। इनमें से किसी के भी घायल होने की सूचना नहीं प्राप्त हुई है। (यूएस) फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने बोइंग 737-800 का इंजन कवर गिरने और विंग फ्लैप से टकराने के मामले की जांच शुरू कर दी है।

10 अप्रैल

बैसाखी पर्व के लिए पाकिस्तान ने भारतीयों के लिए जारी किए वीजा

● पाकिस्तान उच्चायोग ने बैसाखी के पर्व में हिस्सा लेने के लिए भारत के सिख तीर्थ

यात्रियों को 2,843 वीजा जारी किए हैं। इसके जरिए तीर्थयात्री गुरुद्वारा पंजा साहिब, गुरुद्वारा ननकाना साहिब, गुरुद्वारा करतारपुर साहिब और अन्य जगह जा सकेंगे। धार्मिक स्थलों की यात्रा पर द्विपक्षीय प्रोटोकॉल प्रावधान के तहत भारत से सिख और हिंदू तीर्थ यात्री हर साल पाकिस्तान जाते हैं और पाकिस्तान तीर्थ यात्री भारत आते हैं। उल्लेखनीय है कि 1974 में दोनों देशों के बीच यह समझौता हुआ था जिसके तहत हर साल भारत और पाकिस्तान के हजारों सिख और हिंदुओं को धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए तीर्थयात्री वीजा जारी किया जाता है।

● केंद्र सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को ज़ेड सिक्योरिटी दी है। इंटेलिजेंस ब्यूरो की खुफिया रिपोर्ट के बाद गृह मंत्रालय ने यह फैसला लिया है। मंत्रालय ने केंद्रीय रिज़र्व पुलिस फोर्स (सीआरपीफ) को 40-45 कर्मियों की टुकड़ी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। यह फैसला लोकसभा चुनाव के चलते संभावित खतरों को देखते हुए लिया गया है। बता दें कि किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को केंद्रीय सुरक्षा दिए जाने का यह पहला मामला है।

● मेक्सिको, दक्षिण अमेरिका और कनाडा में साल का पहला पूर्ण सूर्य ग्रहण देखा गया। यहां ग्रहण के कारण 4 मिनट 28 सेकेंड तक दिन में अंधेरा रहा। वहीं 54 देशों में आंशिक सूर्य ग्रहण दिखाई दिया। इस सूर्य ग्रहण का भारत पर कोई असर नहीं दिखाई दिया, क्योंकि ग्रहण जब शुरू हुआ उस वक्त यहां रात थी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के चाकतो समुदाय की महिलाओं ने ग्रहण के दौरान घर से बाहर आकर बर्तन बजाए। इस समुदाय की ऐसी मान्यता है कि ग्रहण के वक्त एक बड़ी और काली गिलहरी सूरज को खा जाती है जिसको भगाने के लिए बर्तन बजाए जाते हैं।

11 अप्रैल

आंखों की जांच से किडनी की बीमारी का चलेगा पता

● किडनी की बीमारी का पता आंखों की जांच से जाना जा सकता है। यह जानकारी

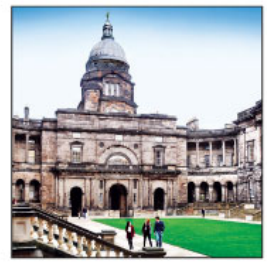

स्कॉटलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के शोध द्वारा सामने आई है। शोध से यह भी पता चला है कि आंखों की जांच से किडनी की बीमारी का पता फर्स्ट स्टेज में ही जाना जा सकता है। दरअसल जब भी किडनी की कोई बीमारी शुरू होती है तो हमारी आंखों के रेटिना में बदलाव आने लगता है और रेटिना के पीछे खून के थक्के जमने लगते हैं।

● आइसलैंड में मौजूद ग्रिंडाविक कस्बे के पास लावा उगलता ज्वालामुखी तीसरी बार फट गया है। इस विस्फोट से दरार बन गई है जिससे 200 फीट ऊंचा लावा का फव्वारा निकल रहा है। हर 20 सेकेंड में स्विमिंग पूल बराबर लावा बाहर निकल रहा है। यह लावा बहकर सड़कों तक आ गया है जिससे वहां राख फैल गई है। स्थानीय लोग और उनकी संपत्ति सुरक्षित है। बता दें कि इस ज्वालामुखी में पहला विस्फोट कई महीनों तक भूकंपीय गतिविधियों के बाद 18 दिसंबर 2023 को हुआ था।

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएससी) ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 6, 9 और 11 में क्रेडिट सिस्टम को लागू करने की तैयारी कर ली है। क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत कक्षा 9 में सालभर में 210 घंटे की पढ़ाई करने पर छात्रों को 40 क्रेडिट अंक मिलेंगे। यह क्रेडिट सभी विषयों में परीक्षा पास करने पर ही दिए जाएंगे। इसके साथ ही साल भर में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। सीबीएससी ने इसी संबंध में सभी स्कूल प्रमुखों को दिशा-निर्देश भेज दिए हैं। बोर्ड ने क्रेडिट सिस्टम की गाइडलाइंस से संबंधित कई कार्यशालाएं भी की हैं। क्रेडिट सिस्टम के जरिए अगर किसी छात्र ने वोकेशनल से सामान्य पढ़ाई की और वह इसके उलट जाना चाहता है तो अदला-बदली आसानी से हो सकेगी।

12 अप्रैल

रूस और कजाकिस्तान में आई बाढ़

● यूरोप की तीसरी सबसे लंबी नदी यूराल में पानी बढ़ने के कारण रूस और कजाकिस्तान के नौ शहरों और कस्बों में बाढ़ आ गई है। बाढ़ के कारण एक लाख से अधिक लोगों को इलाका खाली करके सुरक्षित स्थान जाना पड़ा। रूस के ओरेनबर्ग शहर में सैकड़ों घर बाढ़ में जलमग्न हैं। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव ने इस बाढ़ को पिछले 80 वर्षों की सबसे बड़ी आपदा बताया है। बता दें की यूराल नदी रूस के यूराल पर्वत से निकलकर कजाकिस्तान होते हुए कैस्पियन सागर तक जाती है। इस सप्ताह बर्फ के पिघलने से नदी में बाढ़ आ गई।

● हीट वेव को लेकर संयुक्त राष्ट्र बालकोष (यूनिसेफ) ने चेतावनी जारी की है कि ईस्ट एशिया और प्रशांत के देशों में गर्मी के कारण 24 करोड़ से अधिक बच्चों की जान खतरे में है। इन क्षेत्रों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक बना हुआ है। इसके चलते इन क्षेत्रों के बच्चे हीटवेव से ज्यादा प्रभावित हैं। यूनिसेफ के अनुसार बच्चे बड़ों की तुलना में अपने शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में कम सक्षम होते हैं इसलिए उन्हें गर्मी से संबंधित बीमारियां जैसे अस्थमा और हृदय रोग होने की संभावना ज्यादा होती है। यूनिसेफ के मुताबिक बच्चों को हीट वेव से बचने के लिए बच्चों के अभिभावक व शिक्षक बच्चों के लिए घरों और स्कूलों में खेलने के लिए ठंडी जगह सुनिश्चित करें ताकि वह बाहर जाने से बच सकें और बच्चों को ऐसे कपड़े पहनाएं जिससे उन्हें सांस लेने में आसानी रहे।

● रूस ने पहली बार अपने अंगारा-ए5 अंतरिक्ष रॉकेट का परीक्षण किया। यह टेस्ट लॉन्च सुदूर पूर्व में वोस्तोचन कोस्मोड्रोम से किया गया। यह रॉकेट 54.5 मीटर लंबा और इसका वजन लगभग 773 टन है। यह तीन चरणों वाला रॉकेट है। इसके द्वारा 24.5 टन, वजन अंतरिक्ष में ले जाया जा सकता है। बता दें की दबाव प्रणाली में खराबी और इंजन प्रक्षेपण-नियंत्रण प्रणाली में समस्या होने के कारण रॉकेट टेस्ट लॉन्च को पूर्व में दो बार रद्द कर दिया गया था। यह तीसरा परीक्षण था जो सफल हुआ।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 41, अंक 16 15.04.2024 से 21.04.2024

रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - संदीप यादव
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

वोटर आईडी के अतिरिक्त 12 दस्तावेजों से भी किया जा सकता है मतदान

देश में 18वीं लोकसभा के गठन के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग की घोषणा के साथ ही देश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। देश में चरणबद्ध ढंग से होने जा रहे चुनाव में आप अपने मतदाता कार्ड का उपयोग कर मतदान कर सकते हैं। आज लगभग सबके पास मतदाता पहचान पत्र है। ये मतदान के अलावा दूसरी जगहों पर भी पहचान पत्र और एड्रेस प्रूफ के तौर पर काम आता है। चुनाव में फर्जी मतदान रोकने के लिए मतदाता पहचान पत्र की शुरुआत 1993 में हुई, लेकिन इसे जारी करने का सुझाव पहली बार 1957 में दिया गया था। माना गया था कि इससे चुनाव के समय मतदाता की पहचान करने में मदद मिलेगी। बाद में इस पर पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया। मतदाताओं के लिए फोटो पहचान पत्र जारी करने का पायलट प्रोजेक्ट 1960 में चलाया गया। पहली बार पहचान पत्रों का उपयोग कलकत्ता (दक्षिण पश्चिम) लोकसभा के उपचुनाव में हुआ। हालांकि, यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हुआ। बड़ी संख्या में महिला मतदाताओं ने पुरुष या महिला छायाकारों से फोटो खिंचवाने से मना कर दिया था। बहुत से मतदाता मिले ही नहीं। 1958 के रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल (अमेंडमेंट) विधेयक में फोटो पहचान पत्र का प्रावधान था। इस बिल को भारत के प्रथम मुख्य चुनाव आयुक्त श्री सुकुमार सेन के भाई और तत्कालीन कानून मंत्री श्री अशोक कुमार सेन ने 27 नवंबर, 1958 को संसद के निचले सदन में पेश किया। 30 दिसंबर, 1958 को यह विधेयक कानून बन गया। वहीं चुनाव आयोग ने वर्ष 2021 में मतदाता पहचान पत्र का इलेक्ट्रॉनिक वर्जन (e-EPIC) लॉन्च किया। यह मतदाता पहचान पत्र का सुरक्षित पीडीएफ वर्जन है। कई बार यह देखने में आता है कि मतदाता कार्ड गुम हो जाने या उपलब्ध न होने की स्थिति में कई लोगों में इस बात का संशय रहता है कि वह मतदान नहीं कर सकते हैं और लोकतंत्र के इस महापर्व में शामिल होने से वह वंचित हो जाते हैं। ऐसे लोगों की परेशानी को दूर करने और लोकतंत्र के इस महापर्व में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता को सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने सराहनीय पहल की है। इसके तहत चुनाव आयोग ने वोटर कार्ड के अलावा 12 अलग-अलग तरह के दस्तावेजों को क्रमबद्ध कर सूचना जारी की है कि अब लोग वोटर कार्ड न होने की स्थिति में भी मतदान अवश्य कर सकेंगे। मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन के अनुसार वोटर आईडी कार्ड के अतिरिक्त आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र, राज्य एवं केन्द्र सरकार के अंतर्गत संचालित पब्लिक सेक्टर यूनिट द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक, डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों, एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी का उपयोग करके भी मतदान किया जा सकता है।

भारतीय वैज्ञानिकों को मिली ब्रह्मांड के सबसे बड़े थ्रीडी मैप को खोजने में सफलता

भारतीय वैज्ञानिकों को विगत दिनों एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। खगोल वैज्ञानिकों के एक समूह ने ब्रह्मांड के सबसे व्यापक थ्रीडी मैप को रिलीज किया है। टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के वैज्ञानिक इस पूरे शोध कार्य में शामिल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार थ्रीडी मैप से ब्रह्मांड के 11 अरब साल के इतिहास की जानकारी मिलती है। मैप बनाने में जिस इंस्ट्रूमेंट का इस्तेमाल किया गया, उसका नाम डार्क एनर्जी स्पेक्ट्रोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंट है। इस इंस्ट्रूमेंट की मदद से वैज्ञानिकों ने 60 लाख से ज्यादा आकाशगंगाओं के प्रकाश को मापने में सफलता प्राप्त की है। इस इंस्ट्रूमेंट में 5 हजार रोबोटिक्स आंखें हैं। रिपोर्ट के अनुसार मैप की मदद से ब्रह्मांड की आरंभिक स्थिति देखने में मदद मिलती है। वैज्ञानिकों ने इसमें कॉस्मिक वेब को भी दर्शाया है। यह आकाशगंगाओं का जटिल पैटर्न है, जिसमें फिलामेंटरी स्ट्रक्चर होते हैं। कॉस्मिक वेब हमारे ब्रह्मांड के घने इलाकों की जानकारी देता है। शोध टीम ने डॉ. शादाब आलम के नेतृत्व में इस कार्य को पूरा कर इसमें सफलता प्राप्त की है। इस इंस्ट्रूमेंट ने 5 साल तक अपना ऑब्जर्वेशन किया, इसके बाद 60 लाख से ज्यादा आकाशगंगाओं को मापा जा सका। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि एक दिन के मैप में 4 करोड़ आकाशगंगाओं का डेटा होगा।

शोधकर्ताओं ने अपने पेपर के बारे में बताया कि इतने बड़े डेटासेट से ब्रह्मांड की शुरुआत के बारे में लोगों को नई जानकारी मिल सकती है। ब्रह्मांड के विस्तार को लेकर भी खोज हो सकती है। मैप पर अभी भी काम जारी है। जैसे-जैसे सर्वे आगे बढ़ता जाएगा और जानकारियां मिलेंगी वैसे-वैसे ब्रह्मांड के डेवलपमेंट पर भी रोशनी डाली जा सकेगी। शोध टीम के अनुसार इस काम में दुनियाभर के 70 से ज्यादा संस्थानों के वैज्ञानिक शामिल हुए हैं। इंस्ट्रूमेंट अमेरिका की एक ऑब्जर्वेटरी में लगाया गया है। याद रहे कि ब्रह्मांड के अब तक के सबसे बड़े थ्रीडी मैप में लगभग 30 लाख आकाशगंगाओं को दिखाया गया था। यह मैप वर्ष 2000 तथा 2015 के बीच तैयार किया गया था।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

आत्मशक्ति जाग्रत कर आरोग्य और यूनिवर्स की एनर्जी से जुड़ने की अवधि है नवरात्र

बाह्य स्वरूप में नवरात्र के नौ दिन नौ देवियों की साधना, उपासना, आराधना और पूजा के दिन हैं। पर वास्तव में इन क्रियाओं के माध्यम से शरीर की समस्त कोशिकाओं को ऊर्जावान बनाकर अंतरिक्ष की एनर्जी से जुड़कर स्वयं को अधिक सामर्थ्यवान बनाने की प्रक्रिया है।

वर्ष में कुल चार नवरात्र आते हैं दो प्रकट और दो गुप्त। प्रकट नवरात्र चैत्र और अश्विन माह में तथा गुप्त नवरात्र आषाढ़ एवं माघ माह में आते हैं। इस प्रकार अलग-अलग समय और ऋतु आने पर वर्ष में कुल 36 दिनों तक शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक अनुशासन का निर्देश है। भारतीय वाङ्मय में कोई तीज त्योहार और उसे मनाने का विधान केवल उत्सव भर नहीं है। इसके पीछे दोनों प्रकार का शोध और अनुसंधान है। एक प्राणी देह एवं उसकी जीवन प्रक्रिया तथा दूसरा प्रकृति और सृष्टि की ऊर्जा एवं उसका प्राणियों पर प्रभाव। इसका अध्ययन करके ही तीज-त्योहार की तिथियां एवं उन्हें मनाने की विधि तैयार की गई। भारतीय परंपरा के लगभग सभी तीज-त्योहार आयोजन व्यक्ति और समाज को सशक्त बनाकर प्रकृति से तादात्म्य बिठाने की प्रक्रिया है। इनमें सर्वाधिक महत्व सभी नवरात्रों का है। प्रत्येक नवरात्र में व्यक्ति की आंतरिक एवं बाह्य ऊर्जा को सशक्त करके सृष्टि की ऊर्जा से जोड़ा जाता है। यह पूर्णतय: वैज्ञानिक शोध, विश्लेषण और निष्कर्ष पर आधारित है। उसी के आधार इनकी तिथियां ही नहीं आयोजन का तरीका भी निर्धारित किया गया है। वर्ष में पड़ने वाले इन चारों नवरात्र के विधान और महत्व को समझने के लिये हमें सृष्टि की ऊर्जा और उसका प्राणियों के जीवन से संबंध पर एक दृष्टि डालनी होगी।

संसार का प्रत्येक प्राणी सृष्टि की ऊर्जा से ही संचालित है। वह ऊर्जा अदृश्य है, अनंत है। लघुतम चींटी से विशाल हाथी तक सभी प्राणियों की एक-एक श्वांस उसी से चलती है। यह बात हम इसी बात से समझ सकते हैं कि मौसम बदलते ही हमारे मन के विचार भी बदलने लगते हैं और शरीर की आवश्यकता भी। मौसम के अनुरूप ही अनाज,फल, फूल एवं सब्जी की फसल आती है। मौसम के साथ बीमारियां भी बदल जाती हैं। अब ये मौसम बदलता कौन है? कौन संचालित कर रहा है इन चांद और सूरज को, दिन और रात को, कौन संचालित कर रहा है जीवन और मरण की प्रक्रिया को? यह सृष्टि की वही अदृश्य, अनादि अनंत ऊर्जा है जिससे कोई मुक्त नहीं। आधुनिक विज्ञान ने इसे 'यूनिवर्स की एनर्जी' नाम दिया और स्वीकारा है कि इस ऊर्जा को न नष्ट किया जा सकता है न पैदा किया जा सकता है। वह रूप बदलती है, कभी इस पदार्थ के रूप में तो कभी उस पदार्थ के रूप में। प्राणियों की देह के रूप में भी वही ऊर्जा आकार लेती है। एक पदार्थ के नष्ट होने पर वह दूसरे पदार्थ का रूप ले लेती है। विज्ञान की इस परिभाषा को प्राचीन भारत के चिंतकों ने 'परम् शक्ति' या 'आदि शक्ति' कहा। जिसका अंश जीवात्मा है। यदि हम इस रहस्य को जान गये कि हमें श्वांस लेने में, हमारे रक्त संचार में, भोजन पाचन प्रक्रिया में अथवा काम करने की सामर्थ्य के केन्द्र में कोई ऊर्जा है, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि हम उस ऊर्जा से कुछ अतिरिक्त शक्ति सामर्थ्य ले सकते हैं जिससे जीवन और सफल, सक्षम बने? क्या हम कुछ ऐसा कर सकते हैं कि जिससे न शरीर कमजोर हो और न मन-बुद्धि कमजोर हो। इस प्रश्न का समाधान और इस आवश्यकता की पूर्ति नवरात्र के आयोजन विधान में है। जो बदलते मौसम के प्रभाव से मन-बुद्धि और शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करके निर्धारित किये गये। ताकि मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा, सृष्टि की अनंत ऊर्जा से अतिरिक्त शक्ति ले सके। व्यक्ति में दो मस्तिष्क होते हैं। एक चेतन (कॉन्शियस) और दूसरा अवचेतन (सबकॉन्शियस)।

हमारा अवचेतन मष्तिष्क सृष्टि की अनंत ऊर्जा से जुड़ा होता है। जबकि चेतन मस्तिष्क संसार से। चेतन मस्तिष्क से सभी काम करते हैं उसकी क्षमता केवल पन्द्रह प्रतिशत ही है। जबकि अवचेतन की सामर्थ्य 85 प्रतिशत है। सुसुप्त अवस्था में तो दोनों का संपर्क जुड़ता है। पर यदि जाग्रत अवस्था में चेतन मस्तिष्क अपने अवचेतन से शक्ति लेने की क्षमता प्राप्त कर ले तो उसे वह अनंत ऊर्जा से भी संपन्न हो सकता है। प्राचीनकाल में ऋषियों की वचन शक्ति अवचेतन की इसी ऊर्जा के कारण रही है। नवरात्र में पूजा साधना विधि जन सामान्य को अवचेतन की इसी शक्ति को सम्पन्न करने का प्रयास है। इससे आरोग्य तो प्राप्त होगा ही साथ ही अलौकिक ऊर्जा की संपन्नता भी बढ़ती है। मौसम के परिवर्तन के अनुरूप वर्ष को कुल छह ऋतुओं में बाँटा गया है। चारों नवरात्र ऋतुओं के संधिकाल में आते हैं। ताकि शरीर को ऋतु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव से बचाने के लिये अतिरिक्त शक्ति प्राप्त हो। संयोग से ऋतुओं के संधिकाल की यह अवधि सृष्टि के पाँचों तत्वों के संतुलन की अवधि होती है। अतिरिक्त क्षमता अर्जित करने के लिये पांचों तत्वों का संतुलन आवश्यक होता है।

असंतुलन की स्थिति में उस तत्व से संबंधित प्रगति तीव्र होती है जिसका अनुपात अधिक होता है पर जिन तत्वों की गति कम रहती है वे क्षीण होने लगते हैं, जिससे असंतुलन होता है। यह असंतुलन ही बीमारी लाता है। शरीर की बीमारी भी और मन की बीमारी भी। शरीर रुग्ण होने लगता है और मन भटकने लगता है। शरीर के आंतरिक तत्वों और कोशिकाओं के संतुलित विकास से ही व्यक्ति स्वस्थ्य और सामर्थ्यवान रहता है। प्राणी देह की कोशिकाओं और तत्वों के विकास एवं उनके ह्रास की अपनी प्रक्रिया है। देह की इस आंतरिक विकास प्रक्रिया को अतिरिक्त ऊर्जा संपन्न बनाने के लिये ही है नवरात्र में यह साधना सिद्धांत। नवरात्र की दिनचर्या चित्त को शांत करती है और प्राण शक्ति को इस योग्य बनाती है कि व्यक्ति सृष्टि की अनंत ऊर्जा से जुड़ सके। इसीलिए नवरात्र में यम, नियम, संयम, आहार और प्राणायाम पर जोर दिया गया है। अब एक प्रश्न और उठता है कि नवरात्र के इस साधना विधान को देवी से और देवी के नौ रूपों से क्यों जोड़ा गया है। एक ही देवी की नौ दिन पूजा की जा सकती थी। इस प्रश्न का समाधान भी सरल है। सृष्टि में व्याप्त 'ऊर्जा' या 'एनर्जी' स्त्रीलिंग शब्द है। इसलिए भारतीय चिंतन में इस ऊर्जा की कल्पना देवी के रूप में की गई। और देवी को आदिशक्ति माना। इसीलिए नारी को 'आद्या' और पुरुष को 'पूर्णा' कहा गया। शक्ति के विभिन्न रूप हैं। शरीर की शक्ति, मन की शक्ति, बुद्धि की शक्ति, चेतना की शक्ति और प्रकृति की शक्ति। यदि शरीर सबल है किंतु मन भयभीत है, शरीर और मन ठीक हैं बुद्धि कमजोर है, शरीर मन और बुद्धि सब ठीक है, लेकिन चेतना कम है, शरीर में आलस है तो परिणाम कतई अनुकूल नहीं होंगे। सब ठीक होने पर यदि प्रकृति विपरीत हो तो भी परिणाम प्रभावित होगा। सब प्रकार की शक्ति अर्जित करने और विपरीत मौसम में भी अपनी गति बनाये रखने की ऊर्जा प्राप्त करना ही नवरात्र की अवधि का उद्देश्य है।

देवी के स्वरूप और उनका संदेश

देवी के सभी रूपों का संबंध शरीर के चक्रों, औषधियों, अलग वनस्पतियों और अलग ऊर्जा से संबंध होता है। नवरात्र के प्रथम दिन देवी के शैलपुत्री स्वरूप का पूजन होता है। इनका संबंध प्लाज्मा ऊर्जा और हरड़ वनस्पति से होता है। प्लाज्मा जहाँ पाचन शक्ति को सक्रिय करता है और हरड़ अनेक प्रकार के रोग नियंत्रण में काम आने वाली औषधि है।

देवी का द्वितीय स्वरूप देवी के ब्रह्मचारिणी स्वरूप का है। इन्हें ब्राह्मी भी कहा गया है। यह मन वचन और विचार से संयम का संदेश देती हैं। शरीर और मन की कितनी बीमारियां मन के विचारों से, खानपान में सावधानी न रखने और अनियमित दिनचर्या से उत्पन्न होती हैं। इसके अतिरिक्त ब्राह्मी एक औषधि का भी नाम है जो स्मरणशक्ति बढ़ाती है। व्यक्ति आचरणहीनता तभी करता है जब उसे यह स्मरण न रहे कि वह कौन है, उसका सम्मान क्या है। इसके साथ यह ब्राह्मी औषधि रक्तविकारों को दूर करती है। वाणी को भी मधुर बनाती है।

देवी का तृतीय स्वरूप चन्द्रघण्टा है। इन्हें चन्द्रस्वर भी कहा गया है। चन्द्रस्वर को साधारण बोलचाल में चन्द्रसूर भी कहते हैं। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है चन्द्र स्वर सौम्यता और संतुलन का प्रतीक है। चन्द्रस्वर एक पौधा भी है जो धनिए के समान होता है। यह औषधि मोटापा दूर करती है, सुस्ती दूर करती है। शरीर को सक्रिय रखती है और त्वचा रोगों में भी लाभप्रद है।

नवरात्र के चौथे दिन देवी के कूष्माण्डा स्वरूप का पूजन होता है। यह एनर्जी के पार्टिकल स्वरूप से संबंधित माना जाता है और वनस्पति में इनका प्रतीक कुम्हड़ा है। वस्तुतः कुम्हड़ा भी एक प्रकार की औषधि है जो रक्त विकार दूर करती है और रक्तचाप भी संतुलित होता है।

नवरात्र के पांचवें दिन देवी के स्कन्दमाता स्वरूप का पूजन होता है। यह एनर्जी के एंटी पार्टिकल स्वरूप से संबंधित है। एनर्जी का यह पार्ट प्राणी में जीवन शक्ति का प्रादुर्भाव करती है। इस स्वरूप का प्रतीक अलसी है।

देवी का षष्ठम् स्वरूप कात्यायनी है। इनमें एनर्जी का एटम स्वरूप माना जाता है। इन्हें मोइया भी कहा गया है। यह औषधि कफ, पित्त व गले के रोगों का नाश करती है।

नवरात्र में देवी का सप्तम् कालरात्रि है। एनर्जी के रूप में इन्हें मालीक्यूल माना जाता है। इन देवी का वास औषधि नागदौन में माना गया है। यह औषधि नागदौन सभी प्रकार के रोगों में लाभकारी होती और मनोविकारों को दूर करती है।

देवी का अष्टम् स्वरूप महागौरी है। इन्हें धरती का रूप माना गया है इनका निवास तुलसी में माना गया है। तुलसी कितनी गुणकारी होती है। हम परिचित हैं। शरीर मन और मस्तिष्क का ऐसा कोई रोग नहीं जिसमें तुलसी लाभकारी न हो।

देवी का नवम् स्वरूप सिद्धिदात्री है। इन्हें समस्त ग्रह और नक्षत्रों में व्यापक माना गया है। इनका वास औषधि शतावरी में माना गया है। इसे नारायणी शतावरी भी कहते हैं। यह बल, बुद्धि एवं विवेक के लिए उपयोगी है।

रमेश शर्मा

(लेखक- वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

वैज्ञानिक अनुसंधान

वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और समर्पण ने बनाया हमारे जीवन को सरल

दुनिया के विकास और निर्माण में वैज्ञानिकों की अभूतपूर्व भूमिका है। जीवन की विकास यात्रा के आरंभ से लेकर अब तक सभी क्षेत्रों में वैज्ञानिकों के योगदान ने हमारे जीवन को सहज, सरल और उपयोगी बनाया है। हम सभी को वैज्ञानिकों के समर्पण और परिश्रम के सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इन वैज्ञानिकों का जीवन हमारे लिए प्रेरणादायी है। "रोज़गार और निर्माण" के इस अंक में मानव के स्वस्थ जीवन के लिए विशेष खोज करने वाले सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक लुई पाश्चर और डॉ. येल्लाप्रगदा सुब्बाराव के वैज्ञानिक योगदान से परिचय करवाया जा रहा है।

उसे विज्ञान से प्रेम था, जुनूँ की हद तक प्रेम। वह आजीवन विज्ञान में डूबा रहा। विज्ञान उसकी साध था। विज्ञान ही ख्वाब। उसका दिल विज्ञान में धड़कता था। उसने विज्ञान को जिया और समय की रेत पर ऐसे निशान छोड़ गया, जो कभी मिट न सकेंगे।

उस शख्स का नाम है लुई पाश्चर। वह विज्ञान का सार्वकालिक महान नायक है,

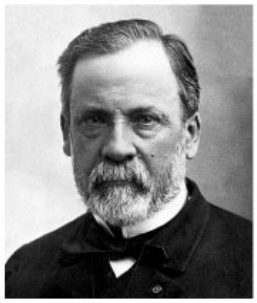

विलक्षण और अद्वितीय। पाश्चरीकरण और रैबीज के टीके की खोज उसका कालजयी उपक्रम है, अलबत्ता उसकी उपलब्धियों की फेहरिस्त लंबी है। उसका जीवन औपन्यासिक कृति सरीखा है, रोचक, रोमांचक, आरोह-अवरोह और चमकीली उपलब्धियों से भरा हुआ। लुई पाश्चर का जन्म 27 दिसंबर, 1822 को फ्रांस में डोल नामक स्थान पर हुआ।

स्कूल में लुई सामान्य विद्यार्थी थे। उनकी रुचि मछली पकड़ने में थी और चित्रकला में उनका मन रमता था। पोट्रेट में वे माहिर थे। उन्होंने रिश्तेदारों, पड़ोसियों और सहपाठियों के दर्जनों पोट्रेट बनाये। वे श्रेष्ठ पोट्रेट कलाकार के तौर पर उभरे, लेकिन उन्हें पता था कि इससे उन्हें इकोले नार्मले सुपीरियरे में दाखिला न मिलेगा। नियति अपना काम कर रही थी। स्थानीय स्कूल के प्राचार्य की पारखी नजरें लुई को समझ रही थीं। उन्होंने लुई के पिता को कहा कि लुई को इकोले में पढ़ाएं, जो विज्ञान एवं मानविकी में श्रेष्ठ शिक्षा-पीठ के तौर पर प्रतिष्ठित हो चुका था।

लुई ने 26 अगस्त, सन् 1842 को इकोले में दाखिले की परीक्षा उत्तीर्ण की। बत्तीस छात्रों में वह 15वीं पायदान पर था। असंतुष्ट लुई अगले साल पुन: प्रवेश परीक्षा में बैठे। इस बार वे चौथी पायदान पर थे। तैयारी के दरम्यान द्यूमा के रसायन विषयक व्याख्यानों ने लुई में विज्ञान की लौ जगा दी। लुई इकोले से न सिर्फ गहरे जुड़े, बल्कि अपना अधिकांश अनुसंधान उन्होंने वहीं किया। इकोले नार्मले में लुई क्या न करते थे। लिखाई, पढ़ाई, प्रयोग, सूक्ष्मदर्शी से निरीक्षण, शव परीक्षण फिर इंदराजा यह सिलसिला करीब 50 साल चला। 19वीं सदी का पूरा उत्तरार्द्ध इसी में बीता। जैसा कि सुबोध मोहंती लिखते हैं-'पाश्चर की खोजों ने रसायन विज्ञान, कृषि, उद्योग, चिकित्सा, सर्जरी और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में क्रांति ला दी। इन खोजों से मानव की स्थिति में महान सुधार हुआ।' प्रसिद्ध विज्ञान लेखक इसाक आसिमोव ने लिखा- 'जीवविज्ञान में पाश्चर के साथ एक ही सांस में केवल अरस्तू और डर्विन का ही नाम लिया जा सकता है।'

सुबोध मोहंती ने 'विज्ञान के अनन्य पथिक' में पाश्चर के कार्यों को बेहद सलीके से लिपिबद्ध किया है। मोहंती लिखते हैं- 'पाश्चर ने रैबीज, एंथ्रेक्स, हैजा व सिल्कवर्म जैसी-बीमारियों के रहस्य को सुलझाया और टीके के विकास में योगदान किया। आधुनिक विज्ञान की कई महत्वपूर्ण सैद्धांतिक धारणाओं और प्रायोगिक अनुप्रयोगों के लिए पाश्चर जिम्मेदार थे। फिजीशियन न होने के बावजूद पाश्चर को 19वीं शताब्दी का सबसे महत्वपूर्ण चिकित्सा वैज्ञानिक माना जा सकता है। उन्होंने आयुर्विज्ञान को एक नया अर्थ दिया। वह सूक्ष्म अवयवों के अध्ययन के अग्रदूतों में से एक थे। उन्होंने न केवल संक्रामक रोगों के कारणों को व्याख्यायित किया, बल्कि उनसे बचने के रास्ते भी सुझाए। पाश्चर रोगाणु-सिद्धांत के संस्थापक थे। उन्होंने विज्ञान की तीन पृथक शाखाओं की नींव रखी। प्रतिरक्षा विज्ञान (इम्यूनोलॉजी), सूक्ष्म जैविकी (माइक्रो बायोलॉजी) और त्रिविम रसायन (स्टीरियो केमिस्ट्री)। पाश्चर ही वह व्यक्ति थे, जिन्होंने स्वत: प्रसूत प्रजनन पर शताब्दियों से चल रहे विवाद को समाप्त कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से प्रमाणित किया कि स्वत: प्रसूत प्रजनन संभव नहीं है। और ऐसा करके पाश्चर ने आधुनिक जीव विज्ञान और जीव रसायन के चरण निर्धारित किए। पाश्चर ने किण्वन के वैज्ञानिक आधार का वर्णन किया। किण्वन वह प्रक्रिया है, जिसमें शराब, बीयर और सिरके का निर्माण किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट प्रमाणित किया कि किण्वन की प्रकृति कार्बनिक होती है एक निश्चित प्रकार के सजीव अवयव का एक उत्पाद न कि अकार्बनिक जैसा कि जस्टिस वॉन लाइबिग द्वारा प्रस्तावित और प्रतिवादित किया गया था। पाश्चर ने घरेलू जानवरों में होने वाले एक प्राणघातक उच्च-संक्रामक रोग एंथ्रेक्स का टीका विकसित किया।

तो यह है लुई पाश्चर के कार्यों का विशाल फलक। डेयरी उत्पादों के पाश्चरीकरण और रैबीज के टीके के कारण पाश्चर का नाम घर-घर में जाना जाता है। गौरतलब है कि अवांछित सूक्ष्म अवयवों को विनष्ट की प्रक्रिया ही पाश्चरीकरण है। इस खोज ने सिरका, शराब और बीयर उद्योग में आमूलचूल तब्दीली के साथ ही ब्रेड, दूध और पनीर उद्योग को भी बदल दिया।

लुई पाश्चर के जीवन-वृत्त में कई रोमांचक और लोमहर्षक प्रसंग हैं। पाश्चर सन् 1854 में फ्रांस के औद्योगिक कस्बे लिले में विज्ञान संकाय के डीन बने। वहां एक विद्यार्थी के पिता और आसवनी के मालिक एम, बिगॉट ने किण्वन से अल्कोहल बनाने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने में पाश्चर से मदद मांगी। यह मदद पाश्चर के पाश्चरीकरण की भूमिका बनी। सन् 1865 में उनसे दक्षिण फ्रांस में रेशम के कीड़ों में तबाही के रोग की खोज करने को कहा गया, जबकि तब तक पाश्चर ने रेशम का कीड़ा देखा तक न था। पाश्चर ने रोगकारक पेब्रिन कणिकाओं का पता लगाया और किसानों को तदनुरूप प्रशिक्षित किया, फलत: फ्रांस के रेशम उद्योग में नयी जान आ गयी। भेड़ों समेत पशुओं में व्यापक एंथ्रैक्स से उद्योग और आर्थिकी बदहाली की ओर अग्रसर थी। उन्होंने निजात का रास्ता खोज निकाला। पाश्चर को चुनौतियों से जूझने का शगल था। सन् 1884 में उन्होंने रैबीज के अध्ययन को हाथ में लिया। रैबीज के भेद में ही हाइड्रोफोबिया से बचाव का फार्मूला था। पाश्चर ने रैबीज से मृत बच्चे की लार का नमूना लिया और खरगोश पर प्रारंभिक प्रशिक्षण के बाद एंटी-रैबीज टीका खोज निकाला। सन् 1885 में उन्होंने कुत्ते के बुरी तरह काटे गये नौ वर्ष के जोसेफ मीस्टर पर 14 इंजेक्शनों का कोर्स आजमाया। टीके के चमत्कार से बच्चा बच गया। यही जोसेफ मीस्टर पाश्चर संस्थान का प्रभारी बना। बरसों बाद सन् 1940 में फ्रांस पर कब्जे के दरम्यान जर्मन सेना ने मीस्टर से पाश्चर-स्मारक का दरवाजा खोलने को कहा, लेकिन मीस्टर ने नात्सी-आदेश के पालन के विपरीत आत्महत्या करना श्रेयस्कर समझा।

1 मार्च, 1886 को एकेडमी ऑफ साइंस में पाश्चर ने रैबीज टीका केंद्र के निर्माण का आह्वान किया। एकेडमी ने कोष के लिए व्यापक अभियान छेड़ा। लोगों ने मुक्त हस्त सहयोग किया। 25 लाख से अधिक फ्रैंक एकत्र हुए। रु-द्यूर्रो में 11,000 वर्गमीटर जमीन ली गयी। 14 नवंबर, 1888 को फ्रांस के राष्ट्रपति सैडी कारनॉट की मौजूदगी में पाश्चर संस्थान उद्घाटित हुआ। संस्थान के प्रत्येक पत्थर को मानवीय उदारता का भौतिक प्रतीत बताते हुए पाश्चर ने लोगों से विवेचनात्मक मस्तिष्क को अपनाने की अपील की। पाश्चर संस्थान विश्व का प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय जैविक अनुसंधान केंद्र हो गया। वह फ्रांस के गौरव का प्रतीक हो गया। सन् 1891 में वियतनाम में सैगान (अब हो ची मिन्ह सिटी) में पाश्चर संस्थान की स्थापना से वैश्विक नेटवर्क का पथ प्रशस्त हुआ।

पाश्चर प्रयोगों की महत्ता में यकीन रखते थे। वे महान राष्ट्रवादी थे, लेकिन उनकी दृढ़ मान्यता थी कि विज्ञान का कोई देश नहीं होता। वे प्रकृति की जांच-गहन जांच के हिमायती थे। उनका कहना था कि मस्तिष्क की सबसे बड़ी बुराई किसी निश्चित चीज पर विश्वास कर लेना है। वे चाहते थे कि लोग प्रयोगशाला जैसी पवित्र जगहों में रुचि लें। अपने बारे में उन्होंने कहा था-'विज्ञान मेरे जीवन का प्रमुख अनुराग है। मेरा पूरा जीवन इसके प्रति समर्पित है... मैं अपनी मातृभूमि की उत्कर्षता को विज्ञान की उत्कर्षता से जोड़ता हूं।'

28 सितंबर, 1895 को लुई पाश्चर का देहांत हुआ। राष्ट्रीय सम्मान के साथ उनकी अंत्येष्टि हुई। 5 अक्टूबर को उनकी अंतिम यात्रा में जनमेदिनी उमड़ पड़ी। लोगों को जार-जार रोते देखा गया। उन्हें नोत्रदम की कब्रगाह में दफनाया गया, किन्तु बाद में उनके अवशेष पाश्चर संस्थान में निर्मित भव्य मोजैक स्मारक में ले जाये गये।

लुई पाश्चर जैसे महान-व्यक्ति मरा नहीं करते। हां, उनकी भौतिक देह हमारे बीच से चली जाती है। विज्ञान और मानवता को हर लम्हा जीने वाले पाश्चर सदृश्य महान व्यक्ति हमारे बीच सतत जीवित व जीवन्त रहते हैं।

येल्लाप्रगद सुब्बाराव
विश्व स्वास्थ्य के लिए चिंतित वैज्ञानिक

महान लोगों के जीवन-सार में वह तत्व निहित होता है, जिसमें मूल्यवत्ता होने के साथ-साथ ऐसा करने की शक्ति निहित होती है। येल्लाप्रगद सुब्बाराव ऐसी ही शख्सियत हैं।

डॉ. महंती बताते हैं : 'उन्होंने फॉलिक एसिड विटामिन, टेट्रासाइक्लीन, एंटी बायोटिक्स, फाइलेरियारोधी दवा, मलेरियारोधी दवा समेत अनेक औषधियों का विकास किया। उन्होंने जैव-रसायन की कुछ मूलभूत अवधारणाओं पर कार्य किया। उनकी रुचि अनुसंधान तक ही सीमित नहीं थी। उन्होंने बॉक्सिंग, बॉलिंग, टेनिस, गोल्फ, तीरंदाजी, तैराकी और घुड़सवारी में भी हाथ आजमाए। मृत्यु से कुछ माह पूर्व 15 अक्टूबर, 1947 को उन्हें निजी पायलट का लाइसेंस मिला था। उनका सबसे बड़ा गुण था उनकी नेतृत्व क्षमता। किसी चीज को पाने का उनका 'उत्साह' उन्माद का रूप लेता था।

आंध्रप्रदेश में पश्चिमी गोदावरी में एक स्थान है भीमावरम। यहीं 12 जनवरी, 1895 को येल्लाप्रगद का जन्म हुआ था। पिता जगन्नाथम स्टेट रेवेन्यू सर्विस में थे, किन्तु समय पूर्व आकस्मिक सेवानिवृत्ति से उनकी पेंशन अत्यल्प थी। वे विटामिन की कमी से उत्पन्न रोग बेरीबेरी से भी ग्रस्त थे। परिवार को ऐसी आर्थिक बदहाली ने घेरा कि येल्लाप्रगद को विधवा मौसी के मोदेकुर्रू स्थित घर में आसरा लेना पड़ा। मैट्रिक के बाद इंटरमीडिएट के लिए मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश मिल गया। उनके विषय थे गणित, भौतिकी और रसायन। साथ में अंग्रेजी और तेलुगु। उत्तीर्ण होकर उन्होंने मद्रास मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया। रामकृष्ण मिशन के आदर्शों ने उन्हें प्रभावित किया। संभवत: मिशन के अनुरोध पर ही उन्होंने औषधि क्षेत्र को बतौर कैरियर चुना। चिकित्सा अनुसंधान के प्रति उनका अनुराग भविष्य में कम नहीं हुआ। पहले बी. नारायण मूर्ति ने उनकी मदद की, फिर कस्तूरी सूर्यनारायण मूर्ति ने तंगहाली में उन्हें उधारी दी। किसी तरह समय के पहिये घिसटते रहे। बाद में दुर्दिनों में मददगार कस्तूरी अम्मा की बिटिया उनकी जीवनसंगिनी बनी। चिकित्सा की पढ़ाई के दरम्यान सुब्बाराव पर महात्मा गांधी का गहरा असर पड़ा। उन्होंने विलायती चीजों का त्याग कर दिया। गांधी का रंग इतना गाढ़ा था कि वे स्त्री क्रिया के दौरान भी खादी का गाउन पहन लेते थे। इससे उनके सर्जरी के प्रोफेसर एमसी ब्रैडफील्ड नाराज हो गये। उनकी नाराजगी से सर्जरी में प्राप्तांक कम रहे, फलत: उन्हें एमबीबीएस के बजाय एलएमएस की डिग्री मिली। दोबारा परीक्षा देकर वे एमबीबीएस हो सकते थे अथवा प्रैक्टिस भी कर सकते थे, लेकिन उन्होंने अमेरिका जाकर ट्रॉपिकल मेडीसिन्स की पढ़ाई का निश्चय किया। सन् 1921 में हार्वर्ड स्कूल में पीजी के लिए उन्हें दाखिला भी मिल गया, लेकिन अर्थाभाव ने उनके पांवों में जंजीर डाल दी। भाई पुरुषोत्तम उन्हें काकीनाडा के नायकर चैरिटी से छात्रवृत्ति नहीं दिला सके। उलटे पुरुषोत्तम और फिर छोटे भाई कृष्णमूर्ति का पेट की बीमारियों से निधन हो गया। मद्रास मेडिकल सेवा में प्रवेश का यत्न भी बेकार गया तो वे मद्रास आयुर्वेदिक कॉलेज में फिजियोलॉजी और एनाटोमी के लेक्चरर हो गये। डॉ. लक्ष्मीपति का यह उपक्रम आयुर्वेद को समर्पित था। पश्चिमी पद्धति के मुकाबले आयुर्वेद को प्रतिष्ठित करने की आकांक्षा ने वैद्यकी के प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की। असफलताओं और आघातों के बावजूद येल्लाप्रगद अपनी साध नहीं भूले थे। आयुर्वेद में उन्हें राह दिखी। उन्होंने असंख्या जड़ी-बूटियों को मानकीकृत आधार पर संजोने का प्रयास किया। छात्रों के सक्रिय सहयोग से उन्होंने उत्तर भारत की भेषज-वनस्पतियों पर प्रामाणिक पुस्तक लिखी। चरक, सुश्रुत, दृढ़बल, वृंद और वाग्भट की कृतियां उनकी पुस्तक का आधार बनीं। खाते में इन उपलब्धियों के दर्ज होने के बाद उन्होंने अमेरिका जाने का पुन: निश्चय किया। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडीसिन के डीन रिचर्ड स्ट्रांग को उन्होंने अपना बायोडाटा भेजा। उसमें आयुर्वेद का उल्लेख देख उन्होंने उत्तर दिया : 'हमें नहीं लगता कि हम आपकी कोई मदद कर सकते हैं। आप भारत में ही अपना अध्ययन जारी रखें।' डॉ. सुब्बाराव हताश न हुए। उन्होंने कैफियत देते हुए स्ट्रांग को पुन: पत्र लिखा। अप्रैल, 1923 को उन्हें संदेश मिला : 'सितंबर में आपका दाखिला होगा। कोई वजीफा नहीं मिलेगा।' साध पूरी हो रही थी, लेकिन पैसों की किल्लत थी। गाढ़े समय में श्वसुर फिर काम आये। उन्होंने दामाद की हथेली पर 2500 रुपये रखे। तब न्यूयार्क तक का किराया था 1300 रुपये। 26 अक्टूबर, 1923 की रात डॉ. राव बोस्टन पहुंच गये।

1 जून, 1924 को उन्हें डिप्लोमा प्रमाणपत्र मिल गया। जैव रसायन में जागृत रुचि के तहत वे साइरस हार्ट वेल फिस्के के साथ काम करने लगे। दोनों ने रक्त और मूत्र में मौजूद कार्बनिक फास्फोरस, अकार्बनिक फास्फोरस, कार्बनिक फास्फेट तथा लाइपॉइड फास्फोरस के कैलोरी आकलन का उपाय खोजा। फास्फोक्रिटीन और एटीपी पर उनके कार्यों उनके उक्त विधियों को चौथे दशक में जीव रसायन के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। दोनों ने मांस-पेशियों के कई रहस्यों को भी उद्घाटित किया।

- डॉ. सुधीर सक्सेना, (वरिष्ठ लेखक एवं स्तंभकार)

18 अप्रैल : विश्व विरासत दिवस

विश्व धरोहरों की सूची में आगे बढ़ता भारत दुनियाभर में हम छठवें स्थान पर

मानव विरासत को संरक्षित करने और प्रासंगिक संगठनों के सभी प्रयासों को मान्यता देने के लिए हर वर्ष 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस या स्मारकों और स्थलों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस (International Day for Monuments and Sites) मनाया जाता है। 2023 में 45वीं विश्व धरोहर समिति की बैठक सऊदी अरब के रियाद में आयोजित की गई थी जिसमें भारत के शांति-निकेतन और होयसला मंदिरों (होयसला के पवित्र समूह) को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया था। इन दो स्थलों के जुड़ते ही भारत के विश्व धरोहर स्थलों की संख्या 42 (सांस्कृतिक-34, प्राकृतिक-7, मिश्रित-1) हो गई है, जिससे भारत यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सर्वाधिक स्थलों की संख्या के मामले में 6वें स्थान पर आ गया है। किसी व्यक्ति का अपनी धरोहर से जुड़ाव ठीक उसी प्रकार से होता है जैसे कि एक बच्चे का अपनी मां से, हमारी धरोहर हमारा गौरव है और ये हमारे इतिहास-बोध को मज़बूत करती है। हमारी कला और संस्कृति की आधार शिला हमारे विरासत स्थल ही हैं। हमारी विरासतें हमें विज्ञान और तकनीक से भी रूबरू कराती हैं, ये मनुष्यों तथा प्रकृति के मध्य जटिल संबंधों को दर्शाती हैं और मानव सभ्यता की विकास गाथा की कहानी भी दर्शाती हैं। किसी भी देश की पहचान उस देश के सांस्कृतिक और पुरातात्विक विकास से होती है। भारत में भी प्राचीन काल से लेकर आधुनिक दौर तक अनेक शहरों, मंदिरों और स्थलों इत्यादि की खोज की जा चुकी है, जिन्होंने इस देश के महत्व को विश्वस्तर पर बढ़ाया है।

मध्यप्रदेश का बढ़ा मान

मार्च 2024 में मध्यप्रदेश के 6 नए स्थलों को विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी यूनेस्को सूची में जगह मिली है। इस नई सूची में जिन स्थलों को शामिल किया है, उसमें ग्वालियर का किला, धमनार का ऐतिहासिक समूह भोजेश्वर महादेव मंदिर, चंबल घाटी के रॉक कला स्थल, खूनी भंडारा, बुरहानपुर और रामनगर, मंडला के गोंड स्मारक शामिल हैं। वहीं मध्यप्रदेश के 3 स्थल पहले से ही यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में शामिल हैं। इनमें खजुराहो स्मारक समूह (1986), सांची का बौद्ध स्मारक (1989) तथा भीमबेटका के रॉक शेल्टर (2003) शामिल हैं।

इस दिवस से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य

- 18 अप्रैल 1982 को ट्यूनीशिया में पहला विश्व विरासत दिवस इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ मान्युमेंट्स एंड साइट्स के द्वारा मनाया गया था।
- 1983 में संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को द्वारा इसे मान्यता प्रदान की गई, तबसे हर साल इस 18 अप्रैल को वर्ल्ड हेरिटेज-डे पूरी दुनिया में मनाया जाता है।
- यूनेस्को (UNESCO) 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन का संक्षिप्त रूप या शॉर्ट फॉर्म है। इस संस्था का गठन 16 नवम्बर 1945 को हुआ था। यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो कि शिक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से शांति स्थापित करने का प्रयास करती है। इसका मुख्यालय पेरिस (फ्रांस) में है। यूनेस्को के 194 सदस्य देश हैं और 12 एसोसिएट सदस्य हैं।
- भारत 1946 में इस संस्था का सदस्य बना था।

कौन प्रदान करता है विश्व धरोहरों की मान्यता?

सांस्कृतिक और प्राकृतिक महत्व के स्थलों को विश्व धरोहर या विरासत कहते हैं। ये स्थल ऐतिहासिक और पर्यावरण के लिहाज़ से भी महत्वपूर्ण होते हैं। इनका अंतर्राष्ट्रीय महत्व भी होता है, इनके संरक्षण हेतु विशेष प्रयास किये जाते हैं। ऐसे स्थलों को आधिकारिक तौर पर संयुक्त राष्ट्र की संस्था संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को UNESCO), विश्व धरोहर की मान्यता प्रदान करती है। प्रत्येक विरासत स्थल उस देश विशेष की संपत्ति होती है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का हित भी इसी में होता है कि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए इनका संरक्षण करें। यूनेस्को विश्व विरासत स्थल ऐसे खास स्थानों (जैसे वन क्षेत्र, पर्वत, झील, मरुस्थल, स्मारक, भवन, या शहर इत्यादि) को कहा जाता है, जो विश्व विरासत स्थल समिति द्वारा चयनित होते हैं। यह समिति इन स्थलों की देख-रेख यूनेस्को के तत्वावधान में करती है। इसका उद्देश्य विश्व के ऐसे स्थलों को चयनित एवं संरक्षित करना होता है, जो विश्व संस्कृति की दृष्टि से मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं। कुछ खास परिस्थितियों में ऐसे स्थलों को इस समिति द्वारा आर्थिक सहायता भी दी जाती है।

विश्व धरोहर स्थलों की संख्या

दुनियाभर में यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व विरासत स्थलों की संख्या 1199 है। इनमें से 933 सांस्कृतिक स्थल हैं, 227 प्राकृतिक स्थल हैं और 39 मिश्रित स्थल हैं। कई विरासतों पर खतरा भी मंडरा रहा है, इस श्रेणी यानी खतरे में आने वाले धरोहर स्थलों की सूची में 56 नाम हैं। सर्वाधिक विश्व धरोहरों वाले देश इटली (59), चीन (57), जर्मनी (52), फ्रांस (52), स्पेन (50) हैं, इस मामले में भारत छठवें स्थान पर है।

भारत में मौजूद यूनेस्को विरासत स्थल

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए (एफ) में स्पष्ट कहा गया है कि अपनी समग्र संस्कृति की समृद्ध धरोहर का सम्मान करना और इसे संरक्षित रखना प्रत्येक भारतीय नागरिक का कर्तव्य है। देश में ऐसे तमाम ऐतिहासिक स्थल हैं जो देखने में काफी खूबसूरत और अद्भुत हैं, लेकिन हर किसी को विश्व विरासत स्थल की संज्ञा नहीं मिली है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था द्वारा चयनित स्थलों को ही विश्व विरासत स्थल की श्रेणी में रखा जाता है। भारत में इस समय यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त 42 विरासत स्थल हैं। इसमें सांस्कृतिक विरासत के 34, प्राकृतिक विरासत के 7 और मिश्रित विरासत से एक स्थल शामिल हैं।

1. **आगरा का किला :** इस किला को "आगरा का लाल किला" भी कहते हैं, यह उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में स्थित है। वर्ष 1983 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
2. **अजंता की गुफाएं :** महाराष्ट्र राज्य के औरंगाबाद जिले में पड़ने वाली अजंता की गुफाएं वर्ष 1983 से यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में हैं।
3. **एलोरा की गुफाएं :** एलोरा महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। एलोरा की गुफाओं को वर्ष 1983 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
4. **ताज महल :** उत्तर प्रदेश के आगरा शहर में बना ताज महल यमुना नदी के किनारे स्थित है। वर्ष 1983 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
5. **महाबलीपुरम् के स्मारकों का समूह :** अभयारण्यों का यह समूह, पल्लव राजाओं द्वारा बनाया गया था। वर्ष 1984 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
6. **सूर्य मंदिर, कोणार्क :** कोणार्क का सूर्य मंदिर, आमतौर पर जिसे कोणार्क नाम से जाना जाता है, भारत के पूर्वी राज्य उड़ीसा में स्थित है। वर्ष 1984 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
7. **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान :** यहां एक-सींग वाले गैंडे की आबादी पाई जाती है। इसे 2006 में टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया था और वर्ष 1985 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
8. **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान :** भरतपुर पक्षी अभयारण्य के नाम से जाना जाने वाला केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान भारत के दो सबसे ऐतिहासिक शहरों आगरा और जयपुर के बीच स्थित है। वर्ष 1985 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
9. **मानस वन्यजीव अभयारण्य :** असम स्थित यह अभयारण्य अनूठे जैवविविधता और परिदृश्य के लिए प्रसिद्ध है। वर्ष 1985 में यूनेस्को ने इसे धरोहर स्थल घोषित किया था।
10. **गोवा के चर्च और आश्रम (कॉन्वेंट) :** गोवा के चर्च और आश्रम पुर्तगाली शासन के युग से ही हैं। वर्ष 1986 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
11. **फतेहपुर सीकरी :** फतेहपुर सीकरी का निर्माण बादशाह अकबर ने करवाया था। वर्ष 1986 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
12. **हंपी में स्मारकों का समूह :** हंपी की सादगी और भव्यता में मुख्य रूप से अंतिम महान हिन्दू साम्राज्य विजयनगर साम्राज्य की राजधानी के अवशेष मिलते हैं। वर्ष 1986 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
13. **खजुराहो के स्मारकों का समूह :** मध्यप्रदेश स्थित खजुराहो के मंदिर देश के सबसे खूबसूरत मध्ययुगीन स्मारकों में से एक हैं। इन मंदिरों का निर्माण चंदेल शासकों ने करवाया था। वर्ष 1986 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
14. **एलिफेंटा की गुफाएं :** एलिफेंटा की गुफाएं महाराष्ट्र के मुंबई में एलिफेंटा द्वीप या घरापुरी पर स्थित मूर्तियों की गुफाओं की श्रृंखला है। वर्ष 1987 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
15. **चोल मंदिर :** महान चोल मंदिरों का निर्माण चोल साम्राज्य के राजाओं द्वारा करवाया गया था। वर्ष 1987 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
16. **पत्तदकल के स्मारकों का समूह :** कर्नाटक में पत्तदकल उद्धारक कला का उत्कृष्ट नमूना है। इनका निर्माण चालुक्य वंश द्वारा कराया गया था। वर्ष 1987 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
17. **सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान :** विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा, सुन्दरबन, भारत और बांग्लादेश में फैला सदाबहार वन है। भारत की सीमा में पड़ने वाला वन का हिस्सा सुन्दरबन राष्ट्रीय उद्यान कहलाता है। वर्ष 1987 में यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
18. **नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान :** यह उत्तर भारत के उत्तराखंड राज्य में नंदा देवी की पहाड़ी पर स्थित है। वर्ष 1988 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया था।
19. **सांची का बौद्ध स्तूप :** भारत में बौद्ध पर्यटकों के लिए सांची काफी लोकप्रिय स्थान है। यह मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के सांची में स्थित है। यूनेस्को ने 1989 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
20. **हुमायूं का मकबरा :** दिल्ली स्थित हुमायूं का मकबरा शाही मकबरा है, जो मुगल वास्तुकला और स्थापत्य शैली का उत्कृष्ट उदाहरण है। यूनेस्को ने 1993 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
21. **कुतुब मीनार, दिल्ली :** कुतुबमीनार दिल्ली में 13वीं सदी में बना था। यूनेस्को ने 1993 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
22. **भारत के पहाड़ी रेलवे :** भारत के पहाड़ी रेलवे में तीन रेलवे हैं। दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, नीलगिरि माउंटेन रेलवे और कालका शिमला रेलवे। यूनेस्को ने 1999 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
23. **बोध गया का महाबोधी मंदिर परिसर :** महाबोधी मंदिर परिसर सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया पहला मंदिर है। यूनेस्को ने 2002 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
24. **भीमबेटका पाषाण आश्रय :** यह पांच पाषाण आश्रयों का समूह है। 2003 में इसे विश्व धरोहर स्थल का दर्जा मिला था।
25. **चंपानेर-पावागढ़ पुरातत्व उद्यान :** पावागढ़ पहाड़ी के शीर्ष पर बना कालिकामाता मंदिर को महत्वपूर्ण मंदिर माना जाता है और यहां पूरे वर्ष श्रद्धालु आते रहते हैं। यूनेस्को ने 2004 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
26. **छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (विक्टोरिया टर्मिनस) :** यह मुंबई में स्थित है। छत्रपति शिवाजी टर्मिनस जिसे पहले विक्टोरिया टर्मिनस कहते थे। यूनेस्को ने 2004 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
27. **लाल किला परिसर :** वर्ष 1638 में शाहजहां ने अपनी राजधानी दिल्ली

शेष अगले पृष्ठ पर...

परीक्षा उपयोगी महत्वपूर्ण प्रश्न

तर्कशक्ति

प्र. 1 आनंद की परीक्षा में पाँच विषय थे। जिनके पूर्णांक प्रति विषय 100 हैं। यदि 4 विषयों में आनंद को 80 प्रतिशत अंक प्राप्त होते हैं और पाँचवे विषय में उसे 65 अंक मिले तो 5 विषयों में उसका प्रतिशत होगा -
(अ) 75 (ब) 77
(स) 78 (द) 80

उत्तर - (ब) 77

व्याख्या - चार विषयों में 80 प्रतिशत अर्थात 400 में से 320 अंक तथा पाँचवे विषय में 100 में से 65 अंक तो सभी 5 विषयों में प्राप्तांक होंगे 320 + 65 = 385 और पूर्णांक हैं 500
प्रतिशत निकालने हेतु सूत्र

$$\frac{385}{500}\times 100 = 77\%$$

प्र. 2 यदि डेकामीटर : किलोमीटर :: ? : रुपये -
(अ) पैसा
(ब) सिक्के
(स) डॉलर
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (अ) पैसा

व्याख्या - चूँकि 100 डेकामीटर = 1 किलोमीटर होता है उसी प्रकार 100 पैसा = 1 रुपया होता है।

प्र. 3 Z माता है X और Y की। यदि P पति है Y का तो Z, P की कौन है -
(अ) माता (ब) सास
(स) ननद (द) साली

उत्तर - (ब) सास

व्याख्या -

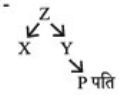

प्र. 4 यदि किसी महीने की 5 तारीख मंगलवार से 2 दिन बाद आती है तो उस महीने की 19 तारीख से एक दिन पहले दिन कौनसा दिन होगा -
(अ) बुधवार (ब) गुरुवार
(स) शुक्रवार (द) शनिवार

उत्तर - (अ) बुधवार

व्याख्या - 5 तारीख मंगलवार से दो दिन बाद यानी गुरुवार को होगी

शुक्र	शनि	रवि	सोम	मं.	बु.
6	7	8	9	10	11
गु.	शु.	शनि	रवि	सो.	मं.
12	13	14	15	16	17
(बुध)	गुरु				
18	19				

प्र. 5 संदेश के परिवार में उनकी पत्नी सीमा, 3 बेटे और 2 बेटियाँ हैं। एक बेटी अभी अविवाहित है और दूसरी बेटी का एक बेटा है। दो बेटों के 2-2 बच्चे हैं। तीसरे बेटे के 3 बच्चे हैं। उनके साथ एक बड़ी चाची और एक दामाद भी रहते हैं, संदेश के परिवार में कुल कितने सदस्य हैं -
(अ) 15 (ब) 18
(स) 20 (द) 29

उत्तर - (स) 20

व्याख्या - संदेश 1 + पत्नी 1 + 3 बेटे + 3 बहु + 2 बेटियाँ + 1 दामाद + 1 चाची + (2 + 2 + 3) बेटों के बच्चे + 1 लड़की का बेटा = 20

प्र. 6 यदि ÷ का अर्थ ×, − का अर्थ +, × का अर्थ − और + का अर्थ ÷ तो निम्नलिखित समीकरण का मान होगा - 20+4×6−5÷7 = ?
(अ) 34 (ब) 32
(स) 28 (द) 36

उत्तर - (अ) 34

व्याख्या - समीकरण परिवर्तित मानों के अनुसार निम्नानुसार होगी -
20 ÷ 4 − 6 + 5 × 7 = 34

प्र. 7 अनुज ने अपने घर से शुरुआत की और 5 किमी सीधे पश्चिम में चला। फिर वह दाईं तरफ मुड़ा और 3 किमी चला। फिर वह दाईं ओर मुड़ कर 3 किमी चला। इसके बाद वह बाईं ओर गया और 2 किमी चला। दोबारा वह बाईं और मुड़ा और 3 किमी चला और फिर 5 किमी बाईं ओर मुड़ने के बाद चला। अब वह अपने घर से किस दिशा में है -
(अ) उत्तर (ब) दक्षिण
(स) पूर्व (द) पश्चिम

उत्तर - (द) पश्चिम

प्र. 8 61 बच्चे एक पंक्ति में उत्तर के सम्मुख मुँह करके बैठे हैं। नीता, रीता के दाएं चौथे स्थान पर बैठी है, जो बाएं से सत्ताइसवें स्थान पर है। दाएं से नीता का स्थान क्या है -
(अ) 27 (ब) 31
(स) 28 (द) 30

उत्तर - (ब) 31

व्याख्या - बाएं से नीता का स्थान 31 है, बाएं से रीता का स्थान - बाएं से नीता 27 है और नीता उसमें दाएं चौथे स्थान पर है अतः 27 + 4 = 31

प्र. 9 निम्न में से क्या भिन्न है -
(अ) क्लोरीन (ब) लोहा
(स) अभ्रक (द) जिंक

उत्तर - (अ) क्लोरीन

व्याख्या - क्लोरीन गैस है, जबकि अन्य ठोस हैं।

प्र. 10 कमल के फोटो की ओर इशारा करते हुये राजेश कहता है कि उसकी बहन का पिता मेरी पत्नी की माँ का पति है। राजेश का कमल से क्या रिश्ता है -
(अ) जीजा-साला
(ब) भाई
(स) साढ़ू भाई
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर - (अ) जीजा-साला

व्याख्या - कमल की बहन का पिता यानी कमल का पिता राजेश की पत्नी की माँ यानी राजेश की सास का पति है। यानी कमल के पिता राजेश की सास के पिता हैं यानी राजेश के ससुर हैं। अर्थात कमल के पिता राजेश का साला है।

प्र. 11 यदि P का अर्थ ×, Q का अर्थ ÷, R का अर्थ + और S का अर्थ − है तो 154Q14S7P3R25 का मान है -
(अ) 50 (ब) 35
(स) 40 (द) 15

उत्तर - (द) 15

व्याख्या - समीकरण होगा
154÷14−7×3+25 = 15
11−21+25 = 15

प्र. 12 यदि परसों मंगलवार था, तो आगामी परसों के बाद तीसरा दिन क्या होगा -
(अ) शुक्रवार (ब) मंगलवार
(स) सोमवार (द) शनिवार

उत्तर - (ब) मंगलवार

व्याख्या - परसों मंगलवार था तो आज गुरुवार है और अगला परसों शनिवार होगा। शनिवार के बाद तीसरा दिन मंगलवार आयेगा।

प्र. 13 UTB अंग्रेजी के इन अक्षरों से प्रत्येक अक्षर का एक बार प्रयोग करते हुये कितने अर्थपूर्ण शब्द बन सकते हैं -
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) अनगिनत

उत्तर - (ब) दो

व्याख्या - TUB, BUT

प्र. 14 उक्त 1, 6, 13, 22, 33 की श्रृंखला में अगली संख्या हो -
(अ) 48 (ब) 50
(स) 46 (द) 40

उत्तर - (स) 46

व्याख्या - 1 + 5 = 6, 6 + 7 = 13, 13 + 9 = 22, 22 + 11 = 33, 33 + 13 = 46

प्र. 15 उक्त 34, 45, 56, 67, 78 की श्रृंखला में अगला अंक होगा -
(अ) 89 (ब) 82
(स) 83 (द) 83

उत्तर - (अ) 89

व्याख्या - हर अंक में महज 11 का अंतर है अतः 78 + 11 = 89 होगा।

प्र. 16 ज्ञान की उम्र अयान की उम्र से दोगुना है और वियान की उम्र से तीन गुना है यदि अयान की उम्र 24 वर्ष है तो 5 वर्षों के पश्चात विमान की उम्र होगी -
(अ) 20 वर्ष (ब) 21 वर्ष
(स) 22 वर्ष (द) 23 वर्ष

उत्तर - (ब) 21 वर्ष

व्याख्या - अयान की उम्र 24 वर्ष है तो ज्ञान की उम्र होगी 48 वर्ष। ज्ञान की उम्र वियान की उम्र से तीन गुना है अर्थात 48/3 = 16 वर्ष होगी। वियान की आज की उम्र पाँच वर्ष बाद उसकी उम्र होगी 21 वर्ष।

प्र. 17 यदि घड़ी की दो सुईयां 5 मिनट के अंतराल पर हैं तो दोनों के बीच का कोण होगा -
(अ) 18^o (ब) 25^o
(स) 30^o (द) 90^o

उत्तर - (स) 30^o

व्याख्या - किसी घड़ी में प्रत्येक भिन्न का कोण 6^o का कोण बनता है तो 5 मिनट में 6 × 5 = 30^o का कोण बनेगा।

प्र. 18 यदि + का अर्थ ÷, × का अर्थ −, − का अर्थ × तथा ÷ का अर्थ + हो तो 38+19−16×17÷3 = होगा -
(अ) 16 (ब) 19
(स) 18 (द) 12

उत्तर - (स) 18

व्याख्या - समीकरण होगा
38÷19×16−17+3 = 18

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

पिछले पृष्ठ का शेष...

को बनाया और शाहजहांबाद शहर की नींव रखी। यूनेस्को ने 2007 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।

28. **जंतर-मंतर :** जयपुर का जंतर-मंतर खगोलीय प्रेक्षण स्थल है, जिसका निर्माण 18वीं सदी के आरंभ में किया गया था। यूनेस्को ने 2010 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
29. **पश्चिमी घाट :** पश्चिमी घाट तापी नदी की चोटी से निकलकर कन्याकुमारी केव तक 1600 किमी की दूरी तक फैला है इसकी औसत उंचाई 1200 मीटर है। यूनेस्को ने 2012 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
30. **राजस्थान के पहाड़ी किले :** राजस्थान में स्थित छह आलीशान किले-चितौड़गढ़, कुंभलगढ़, सवाई माधोपुर, झालवार, जयपुर और जैसलमेर हैं। यूनेस्को ने 2013 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
31. **रानी की वाव (रानी की बावड़ी):** गुजरात स्थित रानी की वाव को यूनेस्को ने 2014 में विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
32. **ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान :** यह हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित है। ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान को 1999 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। यूनेस्को ने 2014 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
33. **नालंदा महाविहार (नालंदा विश्वविद्यालय) :** बिहार में नालंदा पुरातत्व साइट सीखने का एक केंद्र और एक बौद्ध मठ था। यूनेस्को ने 2016 में इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
34. **कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान :** कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान या कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान सिक्किम, भारत में स्थित एक राष्ट्रीय उद्यान और एक बायोस्फीयर रिजर्व है। इस मिश्रित धरोहर को 2016 में मान्यता प्रदान की गई थी।
35. **कैपिटल कॉम्प्लेक्स :** चंडीगढ़ की राजधानी परिसर सहित कई देशों भर ली कार्बुजिए के वास्तुशिल्प काम आधुनिक आंदोलन के लिए उत्कृष्ट योगदान के हिस्से के रूप में एक विश्व विरासत स्थल के रूप में इसे 2016 में मान्यता दी गई थी।
36. **ऐतिहासिक शहर अहमदाबाद :** गुजरात का अहमदाबाद शहर 2017 से विश्व धरोहर सिटी के नाम से जाना जाने लगा है।
37. **मुंबई की 'विक्टोरियन गोथिक' और 'आर्ट डेको' :** मुंबई की 'विक्टोरियन गोथिक' और 'आर्ट डेको' यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया है।
38. **जयपुर शहर :** 'गुलाबी शहर' के नाम से मशहूर राजस्थान के जयपुर को 2019 में विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया है। जयपुर की कई इमारतें 1727 में इसकी स्थापना के वक्त की हैं, जो आज भी बेहद खूबसूरत नज़र आती हैं।
39. **काकतीय रुद्रेश्वर मंदिर रामप्पा मंदिर :** तेलंगाना राज्य में वारंगल के पास स्थित मुलुगु जिले के पालमपेट में मौजूद काकतीय रुद्रेश्वर मंदिर जिसे रामप्पा मंदिर के रूप में भी जाना जाता है। रामप्पा मंदिर 13वीं शताब्दी के स्थापत्य कला का प्रतीक है, जिसका नाम इसके वास्तुकार, रामप्पा के नाम पर रखा गया था।
40. **धोलावीरा :** गुजरात स्थित हड़प्पा कालीन स्थल धोलावीरा को यूनेस्को ने 2021 में विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल किया है। हड़प्पाकालीन नगर धोलावीरा दक्षिण एशिया में संरक्षित प्रमुख नगर जीवन स्थलों में एक है और जिसका इतिहास तीसरी शताब्दी ईसा-पूर्व से लेकर दूसरी शताब्दी ईसा-पूर्व के मध्य तक का है।
41. **शांतिनिकेतन :** पश्चिम बंगाल में स्थित शांतिनिकेतन को 2023 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। यह भारत का 41वां विश्व धरोहर स्थल है, ये जगह विश्व प्रसिद्ध कवि, कलाकार, संगीतकार और दार्शनिक तथा साहित्य में नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्ता रवींद्रनाथ टैगोर के काम और दर्शन से जुड़ा हुआ है।
42. **होयसला :** वर्ष 2023 में शांतिनिकेतन के अलावा, होयसला के पवित्र समूहों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है। यह भारत का 42वां यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। इस समूह के तीन शानदार मंदिर (होयसलेश्वर मंदिर, हेलेबिदु, चन्नाकेशव मंदिर, बेलूर, और केशव मंदिर) कर्नाटक के सोमनाथपुर में हैं जो अद्भुत वास्तुकला और कलात्मक रचनात्मकता को दर्शाते हैं।

वर्ष 2024-25 के लिए भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य को विश्व धरोहर बनाने का प्रयास होगा।

"भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य' को वर्ष 2024-25 के लिए यूनेस्को की विश्व विरासत सूची के रूप में मान्यता दिलाने के लिए नामांकन किया गया। इस नामांकन के बारह घटक भाग हैं- महाराष्ट्र में सालहेर किला, शिवनेरी किला, लोहागढ़, खंडेरी किला, रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला किला, विजय दुर्ग, सिंधुदुर्ग और तमिलनाडु में जिंजी किला। विविध भौगोलिक परिस्थितियों एवं क्षेत्रों में फैले हुए ये घटक मराठा शासन की रणनीतिक सैन्य शक्तियों को प्रदर्शित करते हैं।

- रश्मि रंजन
लेखिका, समसामियक मुद्दों पर लेखन करती हैं।

कॅरियर की राहें

डिजिटल अर्थव्यवस्था में तेजी से बढ़ते कॅरियर के नये अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

सचमुच यह कोई छोटी बात नहीं है कि डिजिटलीकरण के नए दौर में डिजिटल इकोनॉमी में भारत की नई पीढ़ी के लिए देश और दुनिया में कॅरियर के चमकीले अवसर तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। विश्व प्रसिद्ध मैकिंजी ग्लोबल इंस्टीट्यूट के द्वारा वैश्विक रोज़गार रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था में ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के चलते करीब छह से साढ़े छह करोड़ रोज़गार के अवसर पैदा हो सकते हैं।

डिजिटलीकरण बढ़ने के साथ बढ़े मौके

दुनिया के साथ-साथ भारत में भी डिजिटलीकरण तेजी से आगे बढ़ा है। खास बात यह भी है कि भारत में डिजिटलीकरण के लिए तेजी से विदेशी निवेश आने का सुकूनभरा परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि जैसे क्षेत्रों में डिजिटल मौकों के साथ-साथ रिटेल सेक्टर के ई-कॉमर्स बाजार की चमकीली संभावनाओं को मुट्ठियों में करने के लिए वैश्विक डिजिटल कंपनियां भारत की ओर तेजी से कदम आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रही हैं। ऐसे में भारत की डिजिटल होती हुई अर्थव्यवस्था में कॅरियर के चमकीले अवसर बढ़ रहे हैं।

कोविड-19 के कारण डिजिटल हुई दुनिया में ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग सहित विभिन्न डिजिटल सेक्टर में रोज़गार और नौकरियां ऊंचाई पर पहुंचती हुई दिखाई दे रही हैं। देश की डिजिटल इकोनॉमी में ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है। लॉकडाउन और कोविड-19 के बाद जिंदगी में आए बदलाव के बारे में जारी वैश्विक अध्ययन रिपोर्टों में सामने आया है कि अब बड़ी संख्या में लोग भीड़भाड़ में नहीं जा रहे हैं। विश्व प्रसिद्ध बर्नस्टीन रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक कोरोनाकाल में लोगों ने तेजी से डिजिटल का रुख किया है और यह बदलाव स्थाई हो गया है। ऐसे में भारत में भी उपभोक्ताओं की आदत और व्यवहार में भारी बदलाव के मद्देनजर ऑनलाइन खरीददारी छलांगें लगाकर बढ़ती हुई दिखाई दे रही है और इससे ई-कॉमर्स में रोज़गार बढ़ रहे हैं। विश्व प्रसिद्ध मॉर्गन स्टैनली के आकलन के मुताबिक ऑनलाइन बाजार से जुड़े एफडीआई कानून और ऑफलाइन व्यवसायों के तेजी से ऑनलाइन होने के कारण 2027 तक भारत का ई-कॉमर्स व्यापार अत्यधिक बढ़ेगा।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था में नए अवसर

इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि दुनिया में तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रही भारतीय अर्थव्यवस्था की नई शक्ति भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था है। इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटर-नेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस (इक्रियर) और वैश्विक उपभोक्ता इंटरनेट समूह प्रोसेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की वैश्विक रैंकिंग में अब भारत, अमेरिका और चीन के बाद दुनिया के तीसरे नंबर का सबसे बड़ा देश बन गया है। रिजर्व बैंक गवर्नर श्री शक्तिकांत दास ने कहा कि डिजिटल भुगतान में भारत विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर है। बीते वर्ष 2023 में देश में कुल डिजिटल भुगतान यूनिफाइड पेमेंटस इंटरफेस (यूपीआई) की हिस्सेदारी बढ़कर 80 फीसदी के करीब पहुंच गई है। यूपीआई लेनदेन की संख्या महज छह साल में कई गुना बढ़ी है। वर्ष 2017 में 43 करोड़ यूपीआई लेनदेन हुए थे वर्ष 2023 में इनकी संख्या बढ़कर 11761 करोड़ हो गई। निःसंदेह भारत में यूपीआई ने भुगतान क्षेत्र में क्रांति ला दी है। इक्रियर के द्वारा डिजिटल अर्थव्यवस्था पर हुई यह स्टडी कनेक्ट, हार्नेस, इनोवेट, प्रोटेक्ट और सस्टेन जैसे पांच महत्वपूर्ण पैरामीटर्स पर आधारित है। इन पैरामीटर्स पर भारत ने 39.1 स्कोर किया है, जबकि पहले क्रम पर स्थित अमेरिका ने 65.1 और दूसरे क्रम पर स्थित चीन ने 62.3 स्कोर किया है। भारत के बाद ब्रिटेन चौथे और जर्मनी पांचवें क्रम पर है। इस रिपोर्ट को जारी करते हुए नैसकॉम के अध्यक्ष देबजानी घोष ने कहा कि दुनिया अभी भी वास्तव में नहीं समझ पाई है कि प्रौद्योगिकी ने भारतीयों के दैनिक जीवन में खुद को कैसे शामिल कर लिया है, जो वास्तविक डिजिटल अर्थव्यवस्था है। एक उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत ने डिजिटल युग में छलांग लगा दी है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इंटरनेट नेटवर्क वाला देश है।

समाज के हर वर्ग को डिजिटल दुनिया से जुड़ने के बड़े मौके

यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारत में डिजिटल प्रौद्योगिकी को न केवल युवा अपना रहे हैं, बल्कि शिक्षित बुजुर्ग भी इसमें पीछे नहीं हैं। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान, भारत को सार्वजनिक सेवाओं की बड़े पैमाने पर डिलीवरी के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के चैंपियन के रूप में मान्यता दी गई थी। इन्फोसिस के सह संस्थापक और चेयरमैन नंदन नीलेकणी का भी कहना है कि भारत ने अपने अनोखे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नई डिजिटल पूंजी के सहारे पिछले 10 साल में वह कर दिखाया, जो पारंपरिक तरीके से काम करने में पांच दशक लग जाते। ऐसे में अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बना भारत तेज विकास की नई इबारत लिखते हुए दिखाई देगा। भारत वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में वैश्विक मंच पर चमक रहा है। 50 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को जनधन खातों के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है। डिजिटलीकरण ने भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में और आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर-डीबीटी) में मदद की। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट विश्व आर्थिक परिदृश्य में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद डिजिटलीकरण भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। भारत में डीबीटी योजना एक वरदान की तरह दिखाई दे रही है। भारत ने पिछले एक दशक में मजबूत डिजिटल ढांचे से डिजिटलीकरण में एक लंबा सफर तय कर लिया है। सरकारी योजनाओं के तहत बिचौलियों के भ्रष्टाचार को रोकने, काम के भौतिक रूपों व सरकारी कार्यालयों में लम्बी कतारों से राहत और घरों में आराम से मोबाइल स्क्रीन पर कुछ क्लिक करके विभिन्न सेवाओं, सुविधाओं और मनोरंजन की सुविधाएं सहज उपलब्ध हैं।

डिजिटल मिशन से कॅरियर के नये आयाम

यह कोई छोटी बात नहीं है कि छोटे उद्योग-कारोबार के लिए सरल ऋण और रोज़गार सृजन हेतु विभिन्न योजनाओं से समाज के करोड़ों लोग लाभांवित हो रहे हैं। डिजिटल पैमेंट के मामले में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है और भारत ने अमेरिका, यूके और जर्मनी जैसे बड़े देशों को पीछे कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा वर्ष 2022 से प्रायोगिक स्तर पर खुदरा क्षेत्र में ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) एक सीमित उपयोगकर्ता समूह (सीयूजी) के बीच जारी की गई थी। प्रायोगिक तौर पर जारी यह डिजिटल मुद्रा फिलहाल लोगों के बीच आपसी लेनदेन तथा लोगों और व्यापारियों के बीच के लेनदेन की सुविधा देती है जिसमें डिजिटल रुपये वाले वॉलेट का इस्तेमाल किया जाता है। अब रिजर्व बैंक ने प्रस्ताव रखा है कि इस मुद्रा की प्रोग्रामेबिलिटी को ऑफलाइन आजमाया जाए जिससे न केवल डिजिटल मुद्रा को अपनाने के मामले बढ़ेंगे, बल्कि सार्वजनिक नीति संबंधी लक्ष्य हासिल करने में भी मदद मिलेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि पैसा सही ढंग से खर्च हो। इससे धोखाधड़ी का जोखिम भी कम हो जाएगा। खासतौर पर भुगतान के क्षेत्र में, उसमें सीबीडीसी के इस्तेमाल की काफी संभावना है।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि डिजिटल के विस्तार के साथ ही, धोखाधड़ी की आशंकाएं भी बढ़ी हैं। धोखाधड़ी में साइबर लुटेरे ही नहीं, बल्कि कई बड़ी संस्थाएं भी लगी हुई हैं। डिजिटल बैंकिंग क्षेत्र का पिछले पांच वर्षों में बहुत विस्तार हुआ है, अनेक कंपनियां बैंकों की तरह व्यवहार या कारोबार करने लगी हैं, पर उन्हें पूरी तरह से जिम्मेदार बनाए रखने के इंतजाम पर्याप्त नहीं हैं। वित्तीय वर्ष 2023 में बैंकिंग प्रणाली में कुल 13,530 धोखाधड़ी के मामले दर्ज किए गए हैं। धोखाधड़ी के इन मामलों में से लगभग 49 प्रतिशत डिजिटल भुगतान-कार्ड या फिर इंटरनेट श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। अतः डिजिटल आधारित बैंकिंग की दुनिया में सौ फीसदी विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु रणनीतिक प्रयत्न जरूरी है। ऐसे में अब यह माना जा रहा है कि भारत के आम आदमी की डिजिटल सहभागिता बढ़ाने के लिए गांवों व पिछड़े क्षेत्रों तक डिजिटल साक्षरता, स्टूडेंट्स के लिए स्कूलों-कॉलेजों में अच्छा डिजिटल कौशल, प्रशिक्षण, सस्ते स्मार्टफोन, इंटरनेट की निर्बाध कनेक्टिविटी और बिजली की सरल आपूर्ति जैसी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाने से भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था तथा वर्ष 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा। ऐसे में सरकार नई शिक्षा प्रणाली के तहत भारत में डिजिटलीकरण को अधिक गतिशील बनाने के लिए नई पीढ़ी को नए दौर की डिजिटल स्किल्स और उन्नत प्रौद्योगिकियों से शिक्षित प्रशिक्षित करने की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगी।

डिजिटल इकोनॉमी में कॅरियर के लिए जरूरी स्किल्स

डिजिटल इकोनॉमी में कॅरियर के लिए कुछ विशेष स्किल्स जरूरी हैं। इनमें अच्छी अंग्रेजी, कम्प्यूटर-आईटी दक्षता, कम्युनिकेशन स्किल्स, जनसंचार, वेब डिजाइन, वेब संबंधित सॉफ्टवेयर का अच्छा ज्ञान, विश्लेषणात्मक कौशल, बाजार अनुसंधान, ईमेल, यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, वेबसाइट्स, गूगल एड, सर्च रिजल्ट आदि के बारे में अच्छी जानकारी शामिल है। शहरों के ही नहीं गाँवों के युवा भी सरलता से लक्ष्य बनाकर डिजिटल इकोनॉमी में कॅरियर के लिए जरूरी स्किल्स को सरलतापूर्वक प्राप्त कर सकते हैं।

ऐसे प्रवेश करें डिजिटल इकोनॉमी में कॅरियर की राह पर

यह बात महत्वपूर्ण है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में कॅरियर बनाना कोई कठिन काम नहीं है। डिजिटल इकोनॉमी में अच्छा कॅरियर बनाने के लिए इकोनॉमिक्स, मैनेजमेंट, कॉमर्स, मार्केटिंग, कम्प्यूटर एवं आईटी क्षेत्र की डिग्रियां लाभप्रद होती हैं। देश के ज्यादातर विश्वविद्यालयों और कई निजी संस्थानों में डिजिटल इकोनॉमी के विभिन्न सेक्टरों से संबंधित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएशन के कोर्स संचालित हैं। यदि आप डिजिटल इकोनॉमी में कॅरियर बनाना चाहते हैं तो अपनी उपयुक्तता के अनुसार डिजिटल इकोनॉमी से सम्बद्ध किसी कोर्स के लिए अच्छे संस्थान का चयन करके डिजिटल कॅरियर की डगर पर आगे बढ़ सकते हैं और ऊंचाइयों पर पहुंच सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

मध्यप्रदेश के मेले

उत्सव, आयोजन, मनोरंजन और उल्लास के साथ आनंद का बड़ा केन्द्र हैं मेले

भारतीय जनजीवन में मेलों का विशेष स्थान है। ज्यादातर मेले किसी विशेष तिथि और तीज-त्योहार के अवसर पर आयोजित किये जाते हैं। इसीलिए मेलों का हमारी जीवन शैली से गहरा नाता है। मेलों से जन-जन का जुड़ाव होता है। इसमें आम लोगों की बड़ी संख्या में भागीदारी होती है। मेलों में उत्सव, आयोजन और मनोरंजन तो होता ही है साथ में व्यापार के भी भरपूर अवसर उपलब्ध होते हैं। मेले उत्सव, आयोजन, उल्लास, आनंद के साथ आकांक्षाओं का भी अवसर हैं। मध्यप्रदेश के मेलों का राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्व के साथ स्थानीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण स्थान है।

सिंहस्थ

मध्यप्रदेश के उज्जैन में बारह वर्ष के अंतराल में सिंहस्थ कुंभ का मेला लगता है। शिप्रा नदी के किनारे लगने वाले इस मेले में साधु-संतों और अखाड़ों के साथ ही करोड़ों

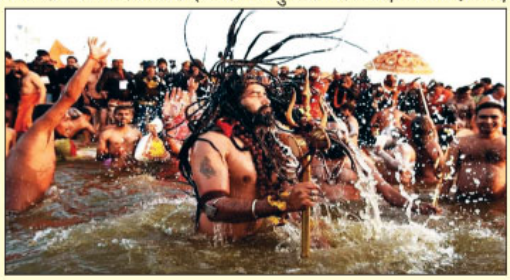

लोग भाग लेते हैं। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान और प्रवचन भी होते हैं और बड़े स्तर पर व्यापारिक गतिविधियां भी होती हैं। सिंहस्थ में देश-दुनिया के लोग शामिल होते हैं। यह प्रदेश का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ को लेकर पौराणिक मान्यता है कि 'एक बार देवताओं और दानवों ने मिल-जुलकर समुद्र मंथन किया। समुद्र मंथन से अन्य चीजों के साथ अमृत निकला। देवताओं और दानवों दोनों में अमृत प्राप्ति को लेकर लालसा आ गयी। इसके चलते भगवान इन्द्र ने अपने पुत्र जयंत को अमृत कलश लेकर जाने के लिए कहा। पिता का इशारा मिलते ही जयंत भागा तो दानव भी उनके पीछे लग गये। इस भाग-दौड़ में कलश से अमृत की कुछ बूंद छलककर गिर गईं। पृथ्वी के जिन चार स्थानों प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में यह बूंदें गिरीं। वहां बारह वर्ष के बाद कुंभ आयोजित होता है।

ग्वालियर मेला

ग्वालियर का व्यापारिक मेला प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा मेला है। इस मेले की शुरुआत सिंधिया राजवंश ने पशु मेले

के रूप में की थी। इस मेले का प्राथमिक उद्देश्य क्षेत्र में गतिविधियों का विकास और विस्तार रहा है। मेले में व्यापारिक गतिविधियों के अलावा मनोरंजन भी होता है। दिसंबर से जनवरी के बीच लगने वाला यह मेला राज्य के साथ ही आसपास के प्रांतों राजस्थान तथा उत्तरप्रदेश के लोगों के लिए मुख्य आकर्षण है।

जागेश्वरी देवी का मेला

अशोकनगर जिले के चंदेरी नामक स्थान में यह मेला लगता है। इस मेले के बारे में किंवदंती है कि चंदेरी के शासक जागेश्वरी देवी के भक्त थे। वे कुष्ठ रोग से पीड़ित थे। देवी ने राजा से स्वप्न में कहा कि वे 15 दिन बाद देवी स्थान पर आएं, राजा वहां गये तो राजा का कोढ़ ठीक हो गया। उसी दिन से उस स्थान पर मेला लगना शुरू हो गया। किंवदंती के अनुरूप इस मेले में आने वाले लोग कोढ़ तथा अन्य रोगों के ठीक होने की उम्मीद लेकर आते हैं।

कालूजी महाराज का मेला

खरगोन जिले के पिपल्या खुर्द में एक महीने तक यह मेला लगता है। कहा जाता है कि लगभग 200 से 250 वर्ष पूर्व कालूजी महाराज अपनी शक्ति से मनुष्यों तथा उनके पशुधन के रोग दूर कर देते थे।

गढ़ाकोटा का रहस मेला

गढ़ाकोटा का रहस मेला गदेरी और सोनार नदी के संगम पर बसे गढ़ाकोटा में प्रतिवर्ष फरवरी में बसंत पंचमी से एक माह से अधिक समय तक आयोजित होता है। यह मेला यहां के प्राचीन मेलों में से एक है। इस मेले में पशुओं की खरीदी-बिक्री भी होती है। यह मेला राजा मर्दन सिंह के कार्यकाल में शुरू हुआ था।

महाराजा मर्दन सिंह जूदेव ने गढ़ाकोटा और इसके आसपास और भी किले बनवाए। किले के अवशेष अभी भी मौजूद हैं। किले के समीप उन्होंने बावड़ी का निर्माण भी करवाया। महाराजा मर्दनसिंह जूदेव ने अपने राज्यारोहण के अवसर पर फरवरी माह में बसंत पंचमी से यहां पशु मेले की भी शुरुआत की थी। यह मेला बसंत पंचमी से प्रारंभ होकर होली तक चलता है। तब से लगातार इस मेले का आयोजन किया जाता है। अंग्रेजों के शासनकाल में यह मेला क्रांतिकारियों की गतिविधियों का केन्द्र बन गया था। गढ़ाकोटा में पशुओं की खरीद-फरोख्त के बहाने यहां पर क्रांतिकारी एकत्र हुआ करते थे तथा अंग्रेजों के विरुद्ध क्रांति करने के लिए गुप्त एवं गंभीर मंत्रणाएँ कर ब्यूह रचना करते थे।

सिंगाजी का मेला

सिंगाजी का मेला पश्चिमी निमाड़ के पिपल्या गांव में प्रसिद्ध संत सिंगाजी की

स्मृति में प्रति वर्ष अश्विन शुक्ल पूर्णिमा को लगता है। एक सप्ताह तक चलने वाले इस मेले में भाग लेने के लिए दूर-दूर के गांवों से लोग नृत्य-गान करते हुए आते हैं। इस मेले में स्थानीय व्यापारियों के साथ पशु और हस्तशिप के व्यवसायी भी भाग लेते हैं।

उल्दन का मेला

सागर जिले में स्थित ग्राम उल्दन के निकट शिव-पार्वती का मंदिर है, वहां मकर संक्रांति पर भव्य मेला लगता है। इस स्थल को लेकर ऐसी मान्यता है कि यहां शिव पाषाण में प्रकट हुए। कालांतर में एक मंदिर का निर्माण कर इस चमत्कारिक पाषाण को विधिवत रूप से स्थापित किया गया। इस मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

बनेनी घाट मेला

सागर जिले के राहतगढ़ में बीना नदी के तट पर भगवान शंकरजी का एक प्राचीन मंदिर है। इसी के पास बनेनी घाट पर प्रतिवर्ष शिवरात्रि मेला भरता है। यहां पहुंचकर श्रद्धालु भगवान शिव का अभिषेक करते हैं।

देवरी का मेला

यह मेला सागर जिले के देवरी में अगहन के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को खांडेराव मंदिर में भरता है। इस मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग तथा पार्वती की प्रतिमा है। माना जाता है कि यह मंदिर पांच-छह सौ वर्ष प्राचीन है। इस मंदिर का नामकरण पार्वती जी की प्रतिमा के हाथ में खड्ग होने के कारण खांडेराव मंदिर पड़ा। इस मंदिर में शिव-पार्वती की प्रतिमाओं के अतिरिक्त अन्य कई प्रतिमाएं भी हैं।

अबार माता का मेला

अबार माता का मेला छतरपुर जिले का सबसे बड़ा मेला है। यह एक माह तक लगता है, मई माह में भरने वाले इन मेले में सागर, छतरपुर और ललितपुर जिले के लाखों ग्रामीण पहुंचते हैं और देवी दर्शन का लाभ लेते हैं।

नांदचांद का मेला

पन्ना जिले में नांदचांद का मेला लगता है। मकर संक्रांति पर भरने वाले इस मेले में भगवान शंकर के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहाँ पहुंचते हैं। सात दिनों तक भरे जाने वाले मेले का यह स्थान पत्थरों की शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध है। मेले में भावपूर्ण भजन गायन तथा अन्य आयोजन संपन्न होते हैं।

चरण पादुका का मेला

छतरपुर जिले के चरण पादुका में मकर संक्रांति के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता है। मकर संक्रांति के इस मेले को लोग शहीद मेला भी कहते हैं। दरअसल चरण पादुका का स्वतंत्रता संग्राम में विशेष स्थान है। 14 जनवरी, 1931 को यहां अंग्रेजी शासन के विरोध में एक बड़ी सभा आयोजित की गई थी। तब यहां स्वतंत्रता सेनानियों पर अंग्रेजों ने गोलियां बरसाई थीं।

इसमें कई लोग शहीद हो गए थे और कई घायल हो गए। तब से इस स्थान पर मकर संक्रांति को आयोजित होने वाला यह मेला शहीदों की याद के लिए प्रसिद्ध हुआ। चरण पादुका को लेकर एक मान्यता यह भी है कि उर्मिल नदी के किनारे एक बड़ी शिला पर पैरों के चिन्ह अंकित हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान राम वनवास के समय इस स्थान पर आए थे और यह चरणचिन्ह उन्हीं के हैं। इसलिए इसे चरणपादुका कहा जाता है।

बड़े बाबा का मेला

दमोह से करीब 35 किलोमीटर दूर जैन धर्मावलम्बियों का प्रमुख तीर्थ स्थल है कुण्डलपुर। यह स्थल कुण्डलपुर पर्वत श्रेणियों से घिरा है। इसीलिए इसका नाम

कुण्डलगिरी पड़ा। वर्धमान सागर नामक एक विशाल सरोवर ने इस स्थान की गरिमा को और बढ़ा दिया है। यहां 60 मंदिर हैं। इनमें से 40 पर्वत श्रेणियों पर और 20 अधि पत्थर पर स्थित हैं। कुण्डलपुर में मुख्य मंदिर बड़े बाबा का है। जो यहां आस्था और श्रद्धा के साथ आकर्षण का केन्द्र है, करीब 12 फुट, 6 इंच लम्बे और 11 फुट चौड़े बड़े बाबा की भव्य प्रतिमा प्रथम तीर्थंकर ऋषभनाथ की है। प्रतिमा के पाद पीठ के प्रथम तीर्थंकर यक्ष, यक्षी गोमु और चक्रेश्वरी के स्पष्ट मूर्त्यूंकन हैं। पिछले दिनों बड़ेबाबा की मूर्ति को नये मंदिर में स्थापित कर दिया गया है।

बड़े बाबा का मेला प्रतिवर्ष माघ शुक्ल पर कुंडलपुर में आयोजित किया जाता है। इस मेले में दूर-दूर से श्रद्धालु बाबा के दर्शनार्थ यहां पहुंचते हैं। मेले के समापन पर पाण्डुक शिला वाले स्थान तक भव्य शोभायात्रा निकलती है। इसके अतिरिक्त यहां प्रतिवर्ष निर्वाण महोत्सव (चैत्र कृष्ण निकवस्या) और महावीर जयंती (चैत्र शुक्ल त्रयोदशी) पर भी मेले भरते हैं। इन तीनों मेलों के अवसर पर भगवान महावीर का महामस्तकाभिषेक होता है।

राज्य में जो अन्य मेले भरते हैं वे हैं जटाशंकर का मेला (दमोह), लक्ष्मण कुट मेला (दमोह), जागेश्वरी नाथ धाम का मेला (दमोह), कुंडेश्वर का मेला (टीकमगढ़), ओरछा का मेला (टीकमगढ़), जनकपुर का मेला (पन्ना), कलेही देवी का मेला (कुआंताल), राम जानकी मेला (छतरपुर), जल विहार मेला (छतरपुर), मऊसहानिया का मकर संक्रांति मेला (छतरपुर), जटाशंकर का मेला (छतरपुर), भापेल का मेला (सागर), मनोधा का मेला (सागर), बरमान घाट का मेला (नरसिंहपुर), मठ घोघरा का मेला (सिवनी), घमोनी का उर्स मेला (सागर), काका बाबा का मेला (नर्मदापुरम), महामृत्युंजय का मेला (रीवा), तेजाजी का मेला (गुना) और नागाजी का मेला (मुरैना) प्रमुख हैं।

अमरकंटक का शिवरात्रि मेला

नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक में शिवरात्रि पर भव्य मेला लगता है। अमरकंटक नर्मदा का उद्गम स्थल होने के साथ ही राज्य का प्रमुख आध्यात्मिक केन्द्र भी है। यहां भगवान शिव मंदिर के साथ ही अनेक देवी-देवताओं के मंदिर हैं। इस मेले में मध्यप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

- शशांक मणि पांडे
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

मध्यप्रदेश : हमारा जिला भोपाल

प्राचीन और युगीन संस्कृतियों का केन्द्र है राजा भोज की नगरी भोपाल

भोपाल, भारत के हृदय स्थल मध्यप्रदेश की राजधानी है। यह जिले के रूप में वर्ष 1972 में अस्तित्व में आया। भोपाल का जिला स्वरूप बनने के बाद की भौगोलिक स्थिति देखें तो इसमें उत्तर में गुना, उत्तर पूर्व में विदिशा, पूर्व एवं दक्षिण-पूर्व में रायसेन, दक्षिण एवं दक्षिण-पश्चिम में सीहोर तथा उत्तर पश्चिम में राजगढ़ जिला स्थित है। भोपाल की अपनी गंगा-यमुनी संस्कृति है। आपस में भाईचारा और विश्वास इस जिले की विशेषता है। वर्तमान जिले में ग्रामीण तथा नगरीय दोनों संस्कृतियां सम्मिलित हैं।

भोपाल क्षेत्र अति प्राचीन और युगीन संस्कृतियों का केन्द्र है। सुप्रसिद्ध लेखक एवं इतिहासकार श्याम सुंदर सक्सेना के अनुसार "भोपाल के चारों ओर पहाड़ी एवं वन क्षेत्र है। यहां की भूमि अधिक उपजाऊ होने के कारण ताम्राश्मीय मानवों ने अपनी बस्तियां बसाईं उसी समय नवीन जनपद की स्थापना हुई। जैन सूत्र प्रागपपण के अनुसार भोपाल क्षेत्र शाडिल अथवा सांघल्य जनपद के नाम से प्रख्यात था। जिसकी राजधानी नन्दीपुर (वर्तमान नांदूर ग्राम, जिला रायसेन, मंडीदीप के पास बेतवा नदी के उद्गम स्थल) थी। ऐसे प्रमाण मिलते हैं। गौहरगंज तहसील के उस क्षेत्र के जिसमें मंडीदीप, हिरणियां (आबेदुल्लागंज, भीम बैटका, मिसरोद, भोपाल, नान्दूर) आदि महाद्वादशक मंडल के नाम से प्रसिद्ध हुए" भोपाल नगर से गयारह किलोमीटर पश्चिम में महर्षि पतंजलि की जन्म स्थली गौन्दरमऊ तुम्बवन (बैरसिया भोपाल से 20 किलोमीटर मधुवन जनपद) है।

विकसित जिला होने के गौरव के साथ इसका पौराणिक विशेष संदर्भ है। यह शैलों और तालों की नगरी है। भोपाल जिला जल, तथा पुरातात्विक संपदा से समृद्ध है। भोपाल की पहाड़ियों में दुर्लभ जड़ी-बूटियां हैं। यहां अनेक कालखण्डों का इतिहास और अवशेष हैं। भोपाल को विश्व शैलाश्रयी कला की राजधानी भी कहते हैं। पुरातत्व की दृष्टि से यह विश्व के लिए शोध तथा अनुसंधान का केन्द्र है। लम्बे समय तक यहां नवाबों और बेगमों ने शासन किया, इसलिए यहां मस्जिदों की लम्बी श्रृंखला है। जिसमें जामा मस्जिद और मोती मस्जिद, ताजुल मस्जिद प्रसिद्ध हैं। मंदिरों में यहां का लक्ष्मीनारायण मंदिर, काली मंदिर, स्वर्णकारों का मंदिर, रेतघाट का मंदिर, काली बाड़ी का मंदिर आदि प्रमुख हैं। यहां गुरुद्वारे भी हैं और गिरिजाघर भी। यहां का बिड़ला संग्रहालय, राज्य पुरातत्व संग्रहालय, जनजातीय संग्रहालय, कला का मंदिर भारत भवन विख्यात है। यहां का मानव संग्रहालय, महान धरोहर है तो भीम बेटका तथा भोजपुर का विशाल मंदिर अक्षय निधि हैं।

इतिहास

भोपाल जिले का मुख्यालय भोपाल में ही स्थित है। भोपाल का नाम राजा भोज द्वारा स्थापित भोजपाल से लिया गया है। धार के परमार शासक, राजा भोज द्वारा विशाल बांध का निर्माण किया गया था, यही अब भोपाल शहर की झीलें हैं। प्रारंभ में बड़ी झील बहुत बड़े क्षेत्र में व्याप्त थी, समय के साथ इसका क्षेत्र छोटा होता गया। राजा भोज ने यहां लंबे समय तक शासन किया। 14वीं शताब्दी में गोंडवाना क्षेत्र में गोंड वंश का शासन था। यह मुगलकालीन शासन का दौर था लेकिन गोंड वंशीय राजाओं ने लंबे समय तक स्वतंत्र राजपाट संभाला। भोपाल राज्य के बड़े क्षेत्र में गोंडवंशीय शासन था। इस क्षेत्र में गोंड रानी कमलापति ने लम्बा संघर्ष किया। ऐतिहासिक जानकारी के अनुसार अंततः रानी कमलापति ने अपने महल में छोटे तालाब का पानी खुलवाकर जल समाधि ले ली। दोस्त मोहम्मद खाँ ने पहले किला गिन्नौर और फिर भोपाल पर अधिकार कर लिया। तत्पश्चात् भोपाल में नवाबी शासन की शुरूआत हुई। वर्ष 1947 में भारत के स्वतंत्र हो जाने के उपरांत भी भोपाल स्वतंत्र नहीं हुआ था। लौह पुरुष सरदार पटेल के निर्देशन में विलिनीकरण आंदोलन चला, उसके उपरांत 1 जून 1949 को भोपाल रियासत का भारत में विलय हुआ।

भीम बेटका-प्रगैतिहासिक कला विथिका

मध्यप्रदेश के विंध्य क्षेत्र में पाये जाने वाले शैलाश्रयों में से एक है भीम बेटका। यह विश्व धरोहर स्थल है। भोपाल से 46 किलोमीटर दूर स्थित यह स्थान घने जंगल से घिरा है। यहां 600 से अधिक शैलाश्रय हैं। लगभग 500 से अधिक गुफाओं में प्रगैतिहासिक कला उकेरी गयी है। भोपाल-नर्मदापुरम मार्ग में पाये गये शैलाश्रयों की खोज विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के पुरातत्व संयोजक स्व. पद्मश्री डॉ. विष्णु वाकणकर जी ने 1957 में की थी। यह 15 लाख वर्ष पूर्व से 15वीं सदी तक के सांस्कृतिक क्रम की खोज थी। यह करीब ढ़ाई लाख वर्ष पूर्व अशूलीय काल के वस्तु अवशेष प्राप्त हुए।

इस खोज के बाद यह प्रमाणित हो गया कि शैल चित्रों का प्रारंभ आज से 25 हजार वर्ष पूर्व हुआ है। उत्खनन में लगभग 10 हजार वर्ष पूर्व तक के अस्थि उपकरण तथा अस्थि अलंकार मिले हैं। लगभग 20 से 25 हजार वर्ष पूर्व के भीम बेटका प्राइमानव (होमोसेपियंस) के अस्थि पंजरों की जानकारी प्राप्त होने की उपलब्धि है। इसी खोज के दौरान ऐतिहासिक युग के स्तूप और विहार, अभिलेख, उपकरण आदि पाये गये हैं। भीम बेटका की खोज से पुरातत्वीय संपदा की दृष्टि से भोपाल क्षेत्र को विशेष स्थान प्राप्त हुआ है। यहां उकेरी गयी कलाकृतियों में शिकार के दृश्य, नृत्य की मुद्राएं, घोड़े, हाथी, घर के विभिन्न दृश्य, शहद संग्रह तथा पशुओं के आखेट आदि शामिल हैं।

मनुआभान की टेकरी के शैलाश्रय

लालघाटी से आगे सिंगार चोली ग्राम पर भोपाल से लगभग 7 किलोमीटर दूर

मनुआभान की पहाड़ी है। जिसकी चोटी पर मंदिर दिखाई देता है। सिकताश्म की चट्टानों से बनी यह टेकरी विंध्याचल पर्वत की श्रृंखला है। इतिहासविद् डॉ. श्याम सुंदर सक्सेना के अनुसार "हिमालय के जन्म के पूर्व मनुआभान टेकरा बूढ़ा हो गया था और हिमालय के पसरने से जो दबाव पड़ा उससे दरारें पड़ गईं और परिणामस्वरूप उसमें से ज्वालामुखी का पिघला हुआ लावा वहां और इस पहाड की जड़ में सिंगार चोली के निकट बहते-बहते ठंडा हो गया। लावे के जमाव के ऊपर के पहाड़ी कगार पर शैलाश्रय बन गये, जिन्हें आदिमानव ने अपना निवास स्थान बनाया। इनके द्वारा की गई चित्रकारी आज भी अपने मूल अस्तित्व में है। यहां शैलाश्रयों की संख्या तो बहुत है। लेकिन 12 शैलाश्रयों में चित्रकारी मौजूद है। मनुआभान की टेकरी जैन श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र है। इस टेकरी पर जैन संत महाराजश्री विजय सूरि जी, श्री जिंदुट्ठा सुरेश्वर जी आचार्य मनतुंग के चरण रखे हुए हैं। यहां श्रीमान भदरजी की मूर्ति भी स्थापित है। मंदिर के द्वार पर एक पुरानी पांडुलिपि है, जो पत्थर पर उकेरी गई है। यह स्थल ओसवाल राजवंश की साधना स्थली रही है। इस टेकरी पर हर वर्ष कार्तिक पर्णिमा पर आयोजन होता है।

लालघाटी के शैलाश्रय

भोपाल बस स्टैण्ड से बैरागढ़ जाते समय पुराने सचिवालय से आगे स्थित है लालघाटी, यहां गुफा मंदिर है। गुफा मंदिर में बहुत से शैलाश्रय हैं, जिनमें शैलाचित्र बने हुए हैं। इस क्षेत्र में लगभग 14 शैलाश्रयों की खोज की जा चुकी है।

गांधी चिकित्सालय महाविद्यालय छात्रावास शैलाश्रय

बड़े तालाब के किनारे किला फतेहगढ़ की दीवार की चट्टानें शैलाश्रय का निर्माण करती हैं। इनमें किसी समय आदि मानव रहते थे। उनके द्वारा बनाए गए लघु पाषाण प्राप्त हुए हैं। इन चट्टानों पर अब पश्चिमी बुर्ज तथा मेडिकल कॉलेज के होस्टल का निर्माण कर दिया गया है।

शहद कराड़ समूह

केरवा बांध के रास्ते पर भदभदा से दो किलोमीटर दक्षिण में स्थित है शहद कराड़। यहां सात शैलाश्रय प्राप्त हुए हैं। इन शैलाश्रयों की 1952 में डॉ. वाकणकर ने खोज की थी।

डिम-डिगा समूह

शहद कराड से दो किलोमीटर की दूरी पर भदभदा-केरवा रोड पर बाईं तरफ की पहाड़ी पर कुछ शैलाश्रय है। इन शैलाश्रयों में प्रगैतिहासिक युगीन मानव की लालरंग की चित्रकारी की गई है।

भोजपुर मंदिर

राजा भोज द्वारा लगभग एक हजार वर्ष पूर्व इस मंदिर का निर्माण किया गया था।

इसे भोजेश्वर मंदिर भी कहा जाता है। इसकी विशेषता विशाल शिव लिंग। इसका निर्माण एक पत्थर से हुआ है। जिसकी परिधि 17.8 फीट है तथा ऊंचाई 7.5 फीट है। यह 21.5 फीट के विशाल क्षेत्र में स्थापित है। यह मंदिर वास्तुकला का श्रेष्ठ और अनुपम उदाहरण है।

जगदीशपुर

जगदीशपुर की भोपाल से दूरी 22 किलोमीटर है। इस नगर को एक जैनमुनि द्वारा खोजा गया था, यहां जैन तीर्थंकरों की सैकड़ों मूर्तियां हैं।

समसगढ़

70 वर्ष पहले एक जैन मुनि द्वारा खोजा गया यह क्षेत्र भोपाल से 22 किलोमीटर की

दूरी पर स्थित है।

ताज-उल मस्जिद

ताज-उल मस्जिद भारत ही नहीं एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण भोपाल की शाहजहां बेगम के शासनकाल में किया गया था।

शौर्य स्मारक

शौर्य स्मारक देश के रक्षक फौजियों को समर्पित है। इस स्मारक का लोकार्पण

14 अक्टूबर 2016 में किया गया था। यह स्मारक 12 एकड़ के क्षेत्र में विस्तारित है।

भारत भवन

देश के सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों में से एक भारत भवन को चार्ल्स मार्क

कोरिया नामक वास्तुकार द्वारा डिजाइन किया गया था। इस बहुकला केंद्र की स्थापना मौखिक, शारीरिक और दृश्य कलाओं के बीच एक संवादात्मक संपर्क स्थापित करने के लिए की गई थी। भारत भवन में एक आर्ट गैलरी, एक रंगमंच मण्डली, एक अभ्यास कक्ष, पुस्तकालय, शास्त्रीय और लोक संगीत तथा ललित कला के लिए कार्यशाला, तथा आंतरिक एवं बहिरंग सभागार स्थित हैं। भारत भवन में लगातार प्रदर्शनियों, फिल्म शो, काव्यपाठ और संगीत समारोहों सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है, जिसमें विश्व कविता महोत्सव, समकालीन भारतीय कला द्विवार्षिक, राष्ट्रीय नाट्य समारोह, सारंगी मेला, जयपुर घराना संगीत समारोह, पुरुष नृत्य समारोह, कवि भारती, महिलाओं की रचनात्मकता पर केंद्रित कार्यक्रम स्वयंसिद्ध तथा राष्ट्रमंडल देशों की रंगमंच कार्यशाला शामिल हैं।

जनजातीय संग्रहालय

जनजातीय संग्रहालय मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित है। इस जनजातीय

संग्रहालय में जनजातीय कला और संस्कृति की अनोखी झलक देखने को मिलती है, जहां हर साल देश-विदेश से लाखों लोग जनजातीय संस्कृति को देखने आते हैं। संग्रहालय में जनजातीय कला और संस्कृति की एक अमिट छाप देखने को मिलती है। यहां जनजातियों के उपयोग की हर छोटी बड़ी चीज मौजूद हैं। उनके घर, घर में उपयोग के बर्तन, खेती किसानी में उपयोग होने वाले औजार, कपड़े, खान-पान सब कुछ एक ही छत के नीचे मौजूद हैं। जनजातीय जीवन शैली को करीब से देखने की चाह रखने वालों के लिए यह म्यूजियम एक खुली किताब की तरह है, जहां जनजातीय कला - संस्कृति से रूबरू हुआ जा सकता है। भोपाल के श्यामला हिल्स में 6 जून 2013 को प्रारंभ किये गये करीब 2 एकड़ में फैले इस संग्रहालय में अलग-अलग 6 कला दीर्घाएं बनी हैं, जहां जनजातीय जीवन शैली के अलग-अलग हिस्सों को चित्रों और वस्तुओं के माध्यम से दर्शाया गया है।

मानव संग्रहालय

भारतीय संस्कृति और विरासत की अपार विविधता को समेटे हुए, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय

मानव संग्रहालय, भोपाल एक ऐसा स्थान है जहाँ भारत की जीवंत परंपराएं और उसके अतीत की गाथाएँ सजीव रूप में प्रस्तुत की जाती हैं। इस संग्रहालय की स्थापना न केवल मानव जाति के काल और स्थान की गाथा को दर्शाने के लिए की गई है, बल्कि यह मानवीय संस्कृति की अति संवेदी और कलात्मक चैतन्य को खोजने का एक अवसर भी प्रदान करता है। यह संग्रहालय 200 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान

भोपाल का वन विहार घने वन क्षेत्र से आच्छादित है। इस उद्यान में वन्य प्राणी खुले

उद्यान में निवास करते हैं। इस क्षेत्र में बाघ, शेर, पैंथर, भालू, लकड़बग्घा, चीतल और ब्लैकबक हैं, वहीं पक्षियों की एक विस्तृत श्रृंखला है। मगरमच्छ, कछुओं का अपना एरिया है। इस उद्यान में सांप कोबरा, रसेल वाइपर, अजगर स्वतंत्र रेंगते हैं। यहां तितलियों और कीड़ों की प्रचुरता है और प्रवासी पक्षियों का आवागमन चलता रहता है। इस उद्यान में बायोडायवर्सिटी का समावेश है।

- देवेन्द्र गोरे

(लेखक, समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

जैकब जुमा

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति के चुनाव लड़ने पर रोक

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा देश में 29 मई को होने वाले आम चुनाव में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। दक्षिण अफ्रीका के निर्वाचन आयोग ने जैकब जुमा को आपराधिक रिकॉर्ड के कारण उम्मीदवार के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जुमा को एक न्यायिक आयोग के सामने पेश होने के अदालती आदेश की अवहेलना करने के लिए जुलाई 2021 में 15 महीने जेल की सजा सुनाई गई थी।

तेजस एमके-1ए

तेजस के एडवांस वर्जन ने भरी पहली उड़ान

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने स्वदेश में विकसित लड़ाकू विमान तेजस के एडवांस वर्जन तेजस एमके-1ए सीरीज का पहला विमान तैयार किया है। इस विमान ने बेंगलुरु में पहली सफल उड़ान भरी। यह उड़ान लगभग 18 मिनट की थी। यह विमान अपने पिछले वर्जन से थोड़ा हल्का और अत्याधुनिक है। तेजस का पिछला वर्जन मार्क1-ए पहले ही भारतीय वायुसेना में शामिल हो चुका है। एचएएल ने बताया कि तेजस के नए वर्जन में एईएसए रडार, एडवांस्ड बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल और हमले से खुद को बचाने जैसे अत्याधुनिक फीचर्स लगाए गए हैं।

नितिन मेनन

लगातार पांचवें वर्ष एलीट अंपायर पैनल में बनाई जगह

भारत के दिग्गज अंपायर नितिन मेनन लगातार पांचवीं बार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के एलीट अंपायर पैनल में जगह बनाने में सफल रहे हैं। नितिन मेनन से पहले पूर्व स्पिनर एस. वेंकटराघवन और सुंदरम रवि आईसीसी एलीट पैनल में जगह बना चुके हैं, लेकिन नितिन मौजूदा पैनल में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय अंपायर हैं। वे वर्ष 2020 से लगातार इस पैनल में जगह बना रहे हैं। नितिन 23 टेस्ट, 58 वन-डे और 41 ट्वेंटी-20 सहित कुल 122 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में ऑन-फील्ड अंपायर रहे हैं।

ओपनएआई ने

लॉन्च की वॉइस असिस्टेंट तकनीक

अमेरिका की टेक कंपनी ओपनएआई अब वॉयस असिस्टेंट कारोबार में उतर रही है। कंपनी ने एक ऐसी तकनीक विकसित की है, जो किसी भी व्यक्ति की आवाज को क्लोन कर सकती है। कंपनी ने इस वॉयस इंजन तकनीक को लॉन्च करते हुए दावा किया है कि यह तकनीक महज 15 सेकेंड में किसी भी आवाज को पूरी तरह कॉपी कर सकती है, हालांकि कंपनी ने सुरक्षा कारणों और दुरुपयोग की आशंका को देखते हुए इस तकनीक को सार्वजनिक नहीं किया है।

भारतीय सेना ने

आकाश मिसाइल प्रणाली का किया सफल परीक्षण

भारतीय सेना की पश्चिमी कमान ने सतह से हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइल प्रणाली का सफल परीक्षण किया है। इस मिसाइल प्रणाली को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। सतह से हवा में मार करने वाली यह मिसाइल प्रणाली पूरी तरह से स्वायत्त मोड में काम करते हुए एक साथ कई हवाई लक्ष्यों को साध सकती है। इस मिसाइल प्रणाली की रेंज 25 किलोमीटर है। इसमें एक लॉन्चर, एक मिसाइल, एक नियंत्रण केंद्र, एक मल्टीफंक्शनल फायर कंट्रोल रडार, डिजिटल ऑटोपायलट और सहायक जमीनी उपकरण शामिल हैं।

एआई इंजीनियर देविका

दुनिया की पहली महिला एआई सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारत की एक स्टार्टअप कंपनी लिमिनल एंड स्टिशन एआई ने एक ओपन सोर्स प्रोजेक्ट बनाया है, जो अमेरिका के हाल ही में बनाए गए दुनिया के पहले एआई सॉफ्टवेयर इंजीनियर के जैसा ही है। नाम के हिसाब से इसे दुनिया की पहली एआई सॉफ्टवेयर महिला इंजीनियर कह सकते हैं। देविका को बनाने वाली कंपनी के संस्थापक मुफीद हमजाकुट्टी ने बताया कि डेविन का यह भारतीय संस्करण इंसानों के निर्देश को समझ सकता है, रिसर्च कर सकता है और ऑटोनॉमस कोड लिख सकता है। देविका में 12 एजेंट मॉडल हैं, जो यूजर्स की क्वेरी के अनुसार ब्राउज, रिसर्च, कोडिंग, डॉक्यूमेंटेशन और फीडबैक के लिए एक-दूसरे से बातचीत कर सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने

जारी किया 90 रुपये मूल्य का सिक्का

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने अपने कार्यकाल के 90 वर्ष पूरे होने पर एक विशेष सिक्का जारी किया है। इस सिक्के का मूल्य 90 रुपये है। इस सिक्के के एक तरफ आरबीआई का लोगो बना है, जबकि दूसरी तरफ 90 रुपये अंकित हैं। यह सिक्का 40 ग्राम शुद्ध चांदी से बना है। आरबीआई ने कहा कि लॉन्च के बाद यह विशेष सिक्का अंकित मूल्य से अधिक कीमत पर बेचा जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार इस एक सिक्के की कीमत 5200 से 5500 रुपये तक हो सकती है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने इससे पहले वर्ष 1985 में स्वर्ण जयंती और वर्ष 2010 में प्लेटिनम जयंती पर भी विशेष सिक्का जारी किया था।

आयुष्मान खुराना

चुनाव आयोग ने बनाया यूथ आइकॉन

भारत निर्वाचन आयोग ने बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना को लोकसभा चुनाव के लिए यूथ आइकॉन नियुक्त किया है। आयोग ने कहा कि आयुष्मान को युवाओं को वोट देने की अपील करने और जागरूकता के लिए यूथ आइकॉन चुना गया है। आयोग ने आयुष्मान का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया है, जिसमें आयुष्मान खुराना लोगों से वोट करने की अपील कर रहे हैं। इस वीडियो में आयुष्मान कह रहे हैं कि लोकसभा चुनाव एक पर्व है, जिसमें हम सब को अपना कीमती वोट डालकर सेलिब्रेट करना है। उल्लेखनीय है कि आयुष्मान देश के लोकप्रिय अभिनेता हैं, उन्होंने ड्रीम गर्ल, बधाई हो और बरेली की बर्फी जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया है।

शेफाली शरण

पीआईबी की प्रधान महानिदेशक बनीं

वरिष्ठ अधिकारी शेफाली शरण ने पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के प्रधान महानिदेशक का पदभार संभाल लिया है। उन्होंने मनीष देसाई की जगह ली, जो हाल ही में सेवानिवृत्त हुए हैं। शेफाली वर्ष 1990 बैच की भारतीय सूचना सेवा की अधिकारी हैं। उन्होंने अपने कॅरियर के दौरान वित्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और सूचना एवं प्रसारण जैसे मंत्रालयों के लिए पीआईबी अधिकारी के रूप में काम किया है। इसके साथ ही वे भारत निर्वाचन आयोग की प्रवक्ता और लोकसभा सचिवालय में निदेशक के रूप में दायित्व संभाल चुकी हैं।

अल जजीरा के

इज़राइल में प्रसारण पर लगा प्रतिबंध

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश में समाचार चैनल अल जजीरा के प्रसारण पर तत्काल रोक लगा दी है। इज़राइल की संसद से एक कानून पारित करने के बाद नेतन्याहू ने अल जजीरा को आंतकी चैनल बताते हुए इसके प्रसारण पर रोक लगाई है। नेतन्याहू ने कहा कि अल जजीरा ने इज़राइल की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने अल जजीरा पर हमास हमले में भाग लेने और इज़राइल में हिंसा भड़काने का भी आरोप लगाया। उल्लेखनीय है कि अल जजीरा कतर का एक मीडिया समूह है। यह समूह अरबी और अंग्रेजी भाषा में अपने कई चैनलों के माध्यम से समाचार प्रसारित करता है।

लघु फिल्म 'मैं भारत'

अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह में हुई चयनित

अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह में लेखक और निर्देशक डॉ. सुधीर आजाद की लघु फिल्म ''मैं भारत'' का चयन हुआ है। समारोह में इस फिल्म को वर्ष 2024 की बेस्ट शॉर्ट फिल्म श्रेणी में चुना गया है। इस फिल्म में भारतीय परिवेश के उस सांस्कृतिक और सामाजिक ताने-बाने को प्रस्तुत किया गया है, जिसमें एक बच्ची अपने अधिकारों के प्रति सजग है और अपने कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्ध भी। इससे पहले यह फिल्म दादा साहब फाल्के फिल्म फेस्टिवल सहित कई फिल्म समारोह में चयनित हो चुकी है।

नासा

बनायेगा चंद्रमा का कोऑर्डिनेटेड लूनर टाइम

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों के लिए समय का एक अंतर्राष्ट्रीय मानदंड स्थापित करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस के साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी ने नासा को वर्ष 2026 के अंत तक चंद्रमा के लिए कोऑर्डिनेटेड लूनर टाइम (सीएलटी) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सीएलटी एक मानक समय होगा, जो चंद्रमा पर जाने वाले उपग्रहों और यानों के लिए इंटरनेशनल स्टैंडर्ड टाइम तय करेगा। नासा ने बताया कि पृथ्वी और चंद्रमा का समय एक जैसा नहीं है। चंद्रमा पर गुरुत्वाकर्षण बल कम होने के कारण वहां समय पृथ्वी की तुलना में हर दिन 58.7 माइक्रोसेकेंड तेज चलता है, इसके अलावा चंद्रमा का एक दिन पृथ्वी के 29.5 दिनों के बराबर है। ऐसे में कोऑर्डिनेटेड लूनर टाइम बनाना बेहद जरूरी है।

अब्देल फतेह अल-सिसी

तीसरी बार मिस्र के राष्ट्रपति पद की शपथ ली

मिस्र में राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत के बाद अब्देल फतेह अल-सिसी देश के राष्ट्रपति बन गए हैं। अब्देल ने तीसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। वे वर्ष 2030 तक मिस्र के राष्ट्रपति रहेंगे। अब्देल ने दिसंबर 2023 में सम्पन्न हुए चुनाव में 89.6 प्रतिशत वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी। अब्देल पहली बार 8 जून 2014 को मिस्र के छठवें राष्ट्रपति बने थे, उन्होंने वर्ष 2018 में हुए चुनाव में भी बड़ी जीत दर्ज की थी।

स्मृति शेष

द्वितीय विश्वयुद्ध के नायक सूबेदार थानसिया का निधन

भारतीय सेना की ओर से द्वितीय विश्वयुद्ध में हिस्सा लेने वाले सूबेदार थानसिया का 102 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सूबेदार थानसिया ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान कोहिमा में कठिन परिस्थितियों में अपने पराक्रम से मित्र देशों की सेना को जीत दिलाई थी। भारतीय सेना के अनुसार सूबेदार थानसिया को कोहिमा की लड़ाई में वीरता के लिए याद किया जाता है, इसके साथ ही उन्होंने जेसामी में तैनाती के दौरान पहली असम रेजीमेंट की विरासत को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई थी।

हॉलीवुड अभिनेता चांस पेर्डोमो का सड़क दुर्घटना में निधन

हॉलीवुड के उभरते अभिनेता चांस पेर्डोमो की एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। 27 वर्षीय पेर्डोमो को वेब सीरीज चिलिंग एडवर्ड्स ऑफ सबरीना, जेन वी और द आफ्टर ट्रिलॉजी में उनके दमदार अभिनय के लिए पहचाना जाता है। इसके अलावा उन्होंने आफ्टर वी फेल जैसी सफल फिल्मों में भी काम किया है। पेर्डोमो के प्रवक्ता ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए कहा कि चांस पेर्डोमो का बाइक दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया है।

दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति जुआन का निधन

दुनिया के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति जुआन विसेंट पेरेज मोरा का 114 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वेनेजुएला में रहने वाले जुआन को फरवरी 2022 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने सबसे बुजुर्ग व्यक्ति घोषित किया था। उस समय उनकी आयु 112 वर्ष 253 दिन थी। 27 मई 1909 में जन्मे जुआन का वृहद परिवार है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सोशल मीडिया के जरिए जुआन की मृत्यु की जानकारी दी।

रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष स्वामी स्मरणानंद का निधन

रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष स्वामी स्मरणानंद का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। रामकृष्ण मिशन द्वारा जारी बयान के अनुसार स्वामी स्मरणानंद लंबे समय से बीमार थे और 29 जनवरी से अस्पताल में भर्ती थे। वर्ष 1929 में तमिलनाडु के तंजावुर में जन्मे स्वामी स्मरणानंद 17 जुलाई 2017 को स्वामी आत्मस्थानंद की मृत्यु के बाद रामकृष्ण मिशन के 16वें अध्यक्ष बने थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सैनिक स्कूल झुंझुनू (राजस्थान)

पद का नाम - टीजीटी गणित (अनुबंध), टीजीटी अंग्रेजी (अनुबंध), ड्राइवर (नियमित)
पदों की संख्या - 03
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 19 अप्रैल 2024 (इस तिथि तक आवेदन निर्धारित प्रारूप में दस्तावेजों की स्वयं सत्यापित प्रतियों के साथ विद्यालय पहुंच जाएं)
वेबसाइट - https://www.ssjhunjhunu.com/

सैनिक स्कूल झांसी

पद का नाम - टीजीटी साइंस, परामर्शदाता (एक वर्ष की अवधि तक अनुबंधात्मक आधार पर)
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 20 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://www.sainikschooljhansi.com/

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय

पद का नाम - परीक्षा नियंत्रक, वर्कशॉप सुपरिंटेंडेंट, जूनियर इंजीनियर, हॉस्टल सुपरवाइजर, स्टाफ नर्स, वर्कशॉप इंस्ट्रक्टर, जूनियर स्केल स्टेनोग्राफर (अंग्रेजी, हिन्दी), ड्राइवर, पंचकर्म असिस्टेंट, पंचकर्म तकनीशियन, अकाउंट क्लर्क, क्लर्क, लैब अटेंडेंट, सिक्योरिटी गार्ड, पंप ऑपरेटर, कंप्यूटर असिस्टेंट, टेक्निकल असिस्टेंट आदि पद।
पदों की संख्या - 106
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 अप्रैल 2024
वेबसाइट - http://www.bpsmv.ac.in/

मध्यप्रदेश बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - असिस्टेंट मैनेजर (टेक्निकल, इलेक्ट्रिकल)
पदों की संख्या - 55
योग्यता - AICTE से मान्यता प्राप्त संस्थान से बीई/बीटेक इन सिविल इंजीनियरिंग/इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग किया हो। ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट ऑफ इंजीनियरिंग (GATE 2022/2023/2024) का वैलिड स्कोर कार्ड और रजिस्ट्रेशन नंबर होना चाहिए।
अंतिम तिथि - 30 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://mpbdc.mp.gov.in/#/home

एडमिशन अलर्ट

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

पाठ्यक्रम का नाम - पीएचडी कार्यक्रम
योग्यता - एनईटी जेआरएफ/गेट या अन्य उत्तीर्ण उम्मीदवार/कार्यरत सेवी/विदेशी विद्यार्थी सीधे साक्षात्कार के माध्यम से प्रवेश ले सकते हैं। अन्य सभी को प्रवेश परीक्षा देनी होगी।
अंतिम तिथि - 23 अप्रैल 2024
वेबसाइट - http://www.new.ggu.ac.in/

स्कॉलरशिप

2024 स्पोर्ट्स फोटोग्राफी ग्रांट्स

किनके लिए - फोटोग्राफर्स के लिए
योग्यता - अगर आपको स्पोर्ट्स फोटोग्राफी में रुचि है तो आप हिस्सा ले सकते हैं। इसमें नए स्पोर्ट्स फोटोग्राफर्स हिस्सा ले सकते हैं। इसके लिए आपको 20 स्पोर्ट्स फोटो भेजनी हैं।
क्या मिलेगा - प्रतियोगिता के सात विजेताओं को पांच हजार डॉलर (4.2 लाख रुपये) ग्रांट दी जाएगी। साथ ही टॉप फोटोग्राफर्स से मेंटरशिप का मौका मिलेगा।
अंतिम तिथि - 1 मई 2024
वेबसाइट - https://dougpensingerphotographyfund.org/

गूंज सेतू फेलोशिप 2024-25

किनके लिए - ग्रेजुएशन पूरा कर चुके लोगों के लिए।
योग्यता - आयु 21 से 30 वर्ष के बीच हो। किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से ग्रेजुएशन पूरा कर लिया हो। अंग्रेजी और हिन्दी की बुनियादी समझ हो। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस और कम्प्यूटर का जरूरी ज्ञान हो।
क्या मिलेगा - चयनित उम्मीदवार को 20 हजार से 22 हजार तक मासिक स्टाईपेंड, यात्रा भत्ते, राष्ट्रीय अवकाशों के अलावा 20 दिनों की सवैतनिक छुट्टी।
अंतिम तिथि - 22 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://goonj.org/goonj-fellowship/

प्रतियोगिता

मतदाता जागरूकता के लिए राज्य स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता

किनके लिए - मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए।
योग्यता - 'प्रत्येक वोट जरूरी है' विषय पर स्लोगन लिखना होगा। स्लोगन अधिकतम 25 से 30 शब्दों में होना चाहिए।
क्या मिलेगा - प्रथम पुरस्कार 51 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार 21 हजार रुपए, तृतीय पुरस्कार 11 हजार रुपए। इसके अलावा 10 प्रतिभागियों को मिलेगा 5 हजार 100 रुपए का विशेष पुरस्कार।
अंतिम तिथि - 25 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://mp.mygov.in/

युवा मतदाता भारत भाग्य विधाता वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता

किनके लिए - युवाओं के लिए। युवाओं को मतदान क्यों करना चाहिए? विषय पर वीडियो क्लिप बनाकर अपने विचार रखने होंगे।
योग्यता - प्रतिभागी की आयु 18 से 29 वर्ष होनी चाहिए।
क्या मिलेगा - 15,000 रुपए का प्रथम पुरस्कार, 10,000 रुपए का द्वितीय पुरस्कार एवं 5000 रुपए का तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा। सोशल मीडिया पर सर्वाधिक पसंद किये गए 5 विडियो को 1000-1000 रुपए एवं सभी प्रतिभागियों को सहभागिता के लिए डिजिटल प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।
अंतिम तिथि - 20 अप्रैल 2024
वेबसाइट - https://mp.mygov.in/task/loksabha-election-2024-sveep-video-making-competition/

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

भाषा और बोलियां

संस्कृति और परंपराओं की संवाहक हैं मध्यप्रदेश की बोलियां

मध्यप्रदेश हिन्दी भाषी प्रदेश है। सामान्यत: यहां हिन्दी भाषा ही प्रचलन में है। प्रदेश विविधता भरा होने के साथ क्षेत्रवार संस्कृति, परंपरा और बोलियों से भी समृद्ध है। इसीलिए राज्य के विभिन्न क्षेत्रों, बुंदेलखंड में बुंदेली, बघेलखंड में बघेली, निमाड़ में निमाड़ी, मालवा में मालवी और चंबल में भदावरी बोलियों का प्रचलन है। राज्य के झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बैतूल, बालाघाट के साथ अन्य जनजातीय जिलों में रहने वाली जनजातियों के द्वारा गोंडी, भीली, कोरकू आदि जनजातीय बोलियों का प्रयोग किया जाता है। बुंदेली, बघेली, निमाड़ी, मालवी, भदावरी और तमाम जनजातीय बोलियां, सिर्फ बोलियां नहीं हैं, वे अपनी-अपनी संस्कृति और समाज की परंपराओं और अवधारणाओं की संवाहक भी हैं।

बुंदेली- मध्यप्रदेश के सागर संभाग के अन्तर्गत सागर, छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ़ और ग्वालियर संभाग के दतिया जिले को बुंदेलखंड के रूप में जाना जाता है। बुंदेलखंड के इस इलाके में हिन्दी भाषा के साथ बुंदेली बोली का प्रचलन है। इन सभी जिलों में क्षेत्रीयता का प्रभाव है। छतरपुर जिले में समाहित पूर्व चरखारी रियासत के गांवों में बुंदेलखंडी के साथ-साथ बनाफरी बोली जाती है। कुछ इसी तरह पन्ना के देवेन्द्र नगर और सतना से लगे इलाकों में बघेली का प्रभाव है। टीकमगढ़, दतिया और सागर जिले की बुंदेली पर भी स्थानीयता के अपने-अपने प्रभाव हैं। सागर जिले की भाषा के संबंध में रसेल ने लिखा है कि "इस जिले की भाषा बुंदेलखंडी या पश्चिमी हिन्दी की बुंदेली बोली है। "बुंदेली में संज्ञा तथा विशेषणों के अंत में प्रयुक्त 'अ' 'ओ' हो जाता है जैसे- घोड़ा का 'घोड़ों' क्रियाओं के कृदन्त रूप में भी परिवर्तन होता है। जैसे 'खाया' के लिए 'खाव'।

बघेली- राज्य के रीवा संभाग के तहत आने वाले रीवा, सतना, सिंगरौली, सीधी के साथ शहडोल संभाग उमरिया और अनूपपुर में बघेली बोली का प्रचलन है। बघेलखंड के बुंदेलखंड से लगे सतना जिले के इलाकों पर बुंदेली का प्रभाव है, तो चित्रकूट और इलाहाबाद से लगे सतना और रीवा जिले के इलाकों पर बघेली का प्रभाव है। इसी तरह अनूपपुर और उमरिया जिलों की बघेली पर छत्तीसगढ़ी का प्रभाव दिखाई देता है।

बघेली या बघेलखंडी केन नदी के पूर्वी क्षेत्र की मुख्य बोली है, जो बघेलखंड कहलाता है। बघेलखंड का नामकरण उन शासकों के नाम से हुआ है जो बघेल वंश के थे। पूर्वी हिन्दी की बोलियों का समूह अब कोसली के नाम से अच्छी तरह जाना जाता है। उस क्षेत्र का, जहां ये बोलियां अब बोली जाती हैं, प्राचीन नाम, उत्तर में कौशल के रूप में और दक्षिण में महाकौशल के नाम से जाना जाता था। इस प्रकार बघेली कोसली की तीन बोलियों में से एक है और वह उसकी सह बोली अवधि के बहुत निकट है। तीसरी बोली छत्तीसगढ़ी है। कोसली क्षेत्र में हिन्दी की ही प्रधानता है। अवधी की तरह ही बघेली लिखने में देवनागरी और कैथ लिपियों का प्रयोग किया जाता है। बघेली और अवधी एक दूसरे से बहुत निकट है। 'बघेली दो महत्वपूर्ण बातों के कारण अवधी से अलग है। यह दो अंतर हैं, बघेली क्रियाओं के भूतकाल में परसर्ग से या तै लगाकर बनती है और उसमें वर्ग 'ब' का प्रयोग लुप्त हो गया, जो अवधी में उत्तम तथा मध्यम पुरुष के साथ भविष्य काल में प्रयुक्त है और वर्ग 'अ' के स्थान पर 'ह' का प्रयोग किया जाता है।

निमाड़ी- मध्यप्रदेश के पश्चिमी भाग में बसे, खंडवा, खरगौन और बड़वानी जिलों को निमाड़ क्षेत्र के तहत माना जाता है। इन जिलों के साथ ही निमाड़ी राज्य के बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा और धार जिलों के कुछ इलाकों में भी बोली जाती है। निमाड़ी की अपनी कई उपबोलियां हैं। इनमें बैजारी, पंवारी, गुर्वी, बटगुण्डी और मेवाती प्रमुख हैं। कहीं-कहीं निमाड़ी का असर जनजातीय बोलियों, भीली और कोरकू पर भी नजर आता है।

प्रसिद्ध भाषाशास्त्री जार्ज ग्रियर्सन ने अपने अध्ययन लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया में भी निमाड़ी पर अन्य बोलियों के असर का उल्लेख किया है। उनके अनुसार निमाड़ी पश्चिमी हिन्दी की एक मात्र बोली है। निमाड़ी बोली के अनेक रूप हैं। उन पर अनेक भाषाओं का प्रभाव पड़ा है। राजपूतों द्वारा बोली जाने वाली निमाड़ी पर राजस्थानी का प्रभाव है। नागर तथा महाराष्ट्रीयन ब्राह्मणों द्वारा बोली जाने वाली बोली पर क्रमशः गुजराती तथा मराठी का प्रभाव पड़ा। कुनबी लोगों द्वारा बोली जाने वाली निमाड़ी को गुजराती से तथा बलाड़ी लोगों की निमाड़ी को मालवी, भीली तथा खानदेशी का मिश्रित स्वरूप बनाया है। "निमाड़ी में उच्चारण संबंधी प्रमुख विशेषता है। प्रत्येक 'ई' का जो राजस्थानी में प्रयुक्त होती है, 'अ' में परिवर्तित हो जाना। इस प्रकार कर्ताकारक का चिन्ह 'ना' होता है न कि 'ने' तथा अधिकरण कारक का चिन्ह 'मा' होता है न कि 'में'। 'आगे' के स्थान पर 'अगा' तथा वह 'रहता' के लिए 'रहच' का प्रयोग होता है। निमाड़ी में आनुनासिक स्वरों का प्रयोग प्रचलित नहीं है, बल्कि उन्हें छोड़ दिया जाता है। इस प्रकार 'दांत' के लिए 'दात' का प्रयोग होता है। मालवी के समान महाप्राण का बहुधा प्रयोग नहीं किया जाता जैसे 'हाथ' के स्थान पर 'हात' तथा 'भूखों' के स्थान पर 'भूको' का प्रयोग किया जाता है। 'ल' तथा 'न' को एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग में लाया जाता है।

मालवी- मालवी बोली मध्यप्रदेश के इंदौर और उज्जैन संभाग के तहत आने वाले अधिकांश जिलों (खंडवा, खरगौन, बुरहानपुर और बड़वानी के अधिकांश भागों को छोड़कर) में बोली जाती है। मालवी की लिपि देवनागरी है। मालवी बोली में 'ऐ' 'ए' और 'औ' को 'ओ' बोलने की सामान्य राजस्थानी प्रवृत्ति है।

मालवी बोली का रामाज्ञा द्विवेदी "समीर" द्वारा विस्तृत अध्ययन किया गया था। उन्होंने यह प्रतिपादित किया है कि मालवी मध्य राजस्थानी का एक रूप है जिस पर एक ओर बुंदेली का तथा दूसरी ओर गुजराती का प्रभाव है। इसके पूर्व कोई भी मालवी तथा राजस्थानी के बीच संबंध स्पष्ट नहीं कर पाया था। वास्तव में मालवा की भौगोलिक स्थिति के कारण मालवी पर राजस्थानी, गुजराती तथा मराठी का प्रभाव पड़ा है। मालवी को उज्जैन तथा उसके आसपास के क्षेत्र की मुख्य बोली माना जाता है। शुद्ध मालवी उचारण में 'ए' को 'औ' तथा ध्वनियां क्रमशः अई, ओ तथा आ में बदल जाती हैं। इसी प्रकार कभी-कभी स्वर ई अ में बदल जाता है. उदाहरणार्थ हरीन-हरन, दिन-दन तथा यहां तक कि ठाकुर, ठाकर हो जाता है। प्रत्यय होना कतिपय शब्दों जैसे बाप, नाना आदि के साथ प्रत्यय 'होन' जोड़कर बहुवचन 'बाप होन', 'नाना होन' बनाया गया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में यह आम प्रथा है। कभी-कभी प्रत्यय 'ना' जोड़कर भी बहुवचन बनाया जाता है, उदाहरणार्थ आदमीना (लोग), लोगाना (लोग) चहाईना (महिलाएं)। मालवी में समुदाय बोधक "ने, अने, अन "का प्रयोग किया जाता है, जो गुजराती के काफी निकट है।

क्षेत्रीय प्रभाव के आधार पर मालवी बोली के प्रकार-

आवंती- यह मालवा के मध्य क्षेत्र में बोली जाती है। इसे मालवी का आदर्श स्वरूप माना जाता है।

रजवाड़ी- मालवी का यह स्वरूप, पश्चिम इलाके में बोला जाता है। इस पर राजस्थान के मेवाड़ क्षेत्र का प्रभाव है।

सौंधवाड़ी- उत्तर मालवा में बोली जाने वाली मालवी को सौंधवाड़ी मालवी कहते हैं। इस पर राजस्थान के कोटा क्षेत्र की बोली का प्रभाव है।

उमठवाड़ी- यह मालवा के उत्तर पूर्व और पूर्व में बोली जाती है। इस पर भी राजस्थान की बोली का असर है।

डूंगरी- मालवा के पश्चिमी सीमावर्ती जनजातियों द्वारा बोली जाने वाली मालवी को डूंगरी मालवी कहते हैं। इसे भीली भी कहते हैं।

भदावरी- राज्य के ग्वालियर और चंबल संभाग के कुछ भागों में भदावरी बोली जाती है। भदावरी को राजस्थानी ब्रज और बुंदेली के योग से भाषा और बोलियां बनीं बोली कहा जा सकता है। वैसे ग्वालियर और संभाग के प्रमुख जिलों की बोलियों पर स्थानीयता व सामीप्य का प्रभाव साफ नजर आता है। ग्वालियर जिला गजेटियर के अनुसार जिले में व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषा पश्चिमी हिन्दी है, इसमें ब्रजभाषा तथा बुंदेलखंड का पुट रहता है। जिले के उत्तरी भागों में बोली जाने बाली भाषा पर भिण्ड की भितरवारी और मुरैना की तवरधारी का प्रभाव है। इसमें मुख्य रूप से ध्वनि-संबंधी विशेषता पायी जाती है, व्यंजनों पर अधिक जोर देकर बोला जाता है। जिले के पूर्वी और दक्षिणी भाग में जो भाषा बोली जाती है, उस पर बुंदेलखंडी का प्रभाव पाया जाता है, यद्यपि पश्चिम में उस पर तवरधारी का प्रभाव देखने को मिलता है। इसमें संदेह नहीं कि भाषा के बोलीगत विभेद राज्य में होने वाले परिवर्तनों, जैसे शिक्षा का प्रसार, समाचार-पत्रों का प्रचार, परिवहन तथा संचार-साधनों में सुधार और राजनीतिक तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा दिये जाने वाले सार्वजनिक भाषणों के कारण धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। ग्वालियर शहर में खड़ी बोली बोली जाती है।

मुरैना में बोली जाने वाली बोली को मुरेनाई कहते हैं। यह बोली बुंदेली पर राजस्थानी के प्रभाव को साफ दिखाती है। दतिया, गुना, शिवपुरी, और श्योपुर की बोली पर बुंदेली का साफ प्रभाव दिखाई देता है।

जनजातीय बोलियां- राज्य के जनजातीय जिलों के साथ ही अन्य जिलों में रहने वाली जनजातियों द्वारा अपनी-अपनी बोलियों में भीलों द्वारा भीली, गोंडों के द्वारा गोंडी, कोरकुओं द्वारा कोरकू बोली जाती है। झाबुआ, अलीराजपुर, धार, खरगौन, बड़वानी और रतलाम जिलों में रहने वाले भीलों के द्वारा भीली बोली जाती है। इसी तरह बैतूल, नर्मदापुरम और खंडवा जिलों में कोरकू जनजातियों द्वारा कोरकू बोली जाती है।

- हितेश शर्मा
(लेखक, सम-सामायिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

भारतीय संविधान से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

प्र. 1 भारत के संविधान निर्माताओं का मत निम्नलिखित में से किसमें प्रतिबिंबित है?
(अ) उद्देशिका
(ब) मूल अधिकार
(स) राज्य के नीति निदेशक तत्व
(द) मूल कर्तव्य
उत्तर- (अ)

प्र. 2 भारतीय संविधान की प्रस्तावना में जिन आदर्शों एवं उद्देश्यों की रूपरेखा दी गई है, उनकी आगे व्याख्या की गई है?
(अ) मूल अधिकारों के अध्याय में
(ब) राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों के अध्याय में
(स) मूल अधिकार, राज्य के नीति-निदेशक तत्व एवं मूल कर्तव्यों में
(द) संविधान के पाठ में कहीं नहीं
उत्तर- (स)

प्र. 3 भारतीय संविधान की प्रस्तावना की भाषा को किस देश से लिया गया है?
(अ) अमेरिका (ब) कनाडा
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) आयरलैंड
उत्तर- (स)

प्र. 4 निम्न में से किसने भारतीय संविधान की प्रस्तावना को संविधान की कुंजी कहा है?
(अ) अर्नेस्ट बार्कर
(ब) जवाहर लाल नेहरू
(स) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
(द) नेल्सन मंडेला
उत्तर- (अ)

प्र. 5 भारतीय गणतंत्र की प्रकृति किस प्रकार है?
(अ) लोकतंत्रात्मक गणतंत्र
(ब) संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य
(स) संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न, लोकतंत्रात्मक गणराज्य
(द) संपूर्ण प्रभुत्वसंपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य
उत्तर- (द)

प्र. 6 निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द भारत के संविधान की उद्देशिका में नहीं है?
(अ) समाजवादी (ब) पंथनिरपेक्ष
(स) संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न
(द) लोक कल्याण
उत्तर- (द)

प्र. 7 भारतीय संविधान में पंथनिरपेक्ष एवं समाजवादी शब्द जोड़े गये?
(अ) 39वें संशोधन द्वारा
(ब) 41वें संशोधन द्वारा
(स) 42वें संशोधन द्वारा
(द) 44वें संशोधन द्वारा
उत्तर- (स)

प्र. 8 राज्य के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथ्य क्या है?
(अ) अखण्डता
(ब) संप्रभुता
(स) स्वच्छता
(द) समाजवाद
उत्तर- (ब)

प्र. 9 के.एम. मुंशी का सम्बंध किससे है?
(अ) मौलिक अधिकारों से
(ब) प्रस्तावना समिति से
(स) संविधान की प्रारूप समिति से
(द) झण्डा समिति से
उत्तर- (स)

प्र. 10 अब तक भारत के संविधान की उद्देशिका में कितनी बार संशोधन किया जा चुका है?
(अ) एक बार (ब) दो बार
(स) तीन बार (द) कभी नहीं
उत्तर- (अ)

प्र. 11 भारत के संविधान की उद्देशिका में कितने प्रकार के न्याय की व्यवस्था की गयी है?
(अ) दो (ब) तीन
(स) एक (द) चार
उत्तर- (ब)

प्र. 12 भारत में संसदीय प्रणाली किस देश से प्रेरित है?
(अ) अमेरिका (ब) जापान
(स) जर्मनी (द) ब्रिटेन
उत्तर- (द)

प्र. 13 भारत के संविधान के उद्देश्यों में सम्मिलित आर्थिक न्याय की व्यवस्था की गयी है?
(अ) उद्देशिका और मूल अधिकार
(ब) उद्देशिका और राज्य के नीति निदेशक तत्व
(स) मूल अधिकार और राज्य के नीति निदेशक तत्व
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 14 सभी व्यक्ति पूर्णत: और समान रूप से मानव हैं, यह सिद्धांत कहलाता है?
(अ) सार्वभौमिकता (ब) समष्टिवाद
(स) समाजवाद
(द) अन्त:क्रियावाद
उत्तर- (अ)

प्र. 15 निम्न में से धर्मनिरपेक्ष का सही अर्थ क्या है?
(अ) सभी धर्म समान हैं और उन्हें सरकार का समान समर्थन प्राप्त है
(ब) राष्ट्र धर्म का विशेष महत्व
(स) सरकार द्वारा किसी एक धर्म को संरक्षण देना
(द) यह सभी
उत्तर- (अ)

प्र. 16 वर्तमान में भारतीय संविधान में कितने भाग हैं?
(अ) 25 भाग (ब) 22 भाग
(स) 23 भाग (द) 20 भाग
उत्तर- (अ)

प्र. 17 संविधान के प्रथम अनुच्छेद के अनुसार भारत है?
(अ) राज्यों का समूह
(ब) राज्यों का संकुल
(स) राज्यों का परिसंघ
(द) राज्यों का संघ
उत्तर- (द)

प्र. 18 इनमें से किस राज्य का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया गया है?
(अ) मणिपुर (ब) जम्मू एवं कश्मीर
(स) हिमाचल प्रदेश (द) सिक्किम
उत्तर- (ब)

प्र. 19 किस संविधान संशोधन के द्वारा दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दर्जा प्रदान किया गया है?
(अ) 67वां संविधान संशोधन
(ब) 69वां संविधान संशोधन
(स) 68वां संविधान संशोधन
(द) 70वां संविधान संशोधन
उत्तर- (ब)

प्र. 20 जून 1948 में गठित भाषायी प्रांत आयोग के अध्यक्ष कौन थे?
(अ) न्यायाधीश वांचू
(ब) एम.सी. महाजन
(स) न्यायमूर्ति एस.के. धर
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स)

प्र. 21 सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना?
(अ) 42वें संविधान संशोधन
(ब) 40वें संविधान संशोधन
(स) 39वें संविधान संशोधन
(द) 36वें संविधान संशोधन
उत्तर- (द)

प्र. 22 भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में केन्द्रशासित प्रदेश का उल्लेख किया गया है?
(अ) अनुच्छेद 239-243
(ब) अनुच्छेद 221-239
(स) अनुच्छेद 239-242
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स)

प्र. 23 निम्न में से कौन-सा संघ राज्यक्षेत्र नहीं है?
(अ) दादरा एवं नगर हवेली
(ब) लक्षद्वीप
(स) पुदुचेरी (द) नागालैंड
उत्तर- (द)

प्र. 24 निम्नलिखित में से कौन क्षेत्रीय परिषद का अध्यक्ष होता है?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) रक्षा मंत्री
(स) गृह मंत्री
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (स)

प्र. 25 वर्तमान में कितने केन्द्रशासित प्रदेश हैं, जहां विधानसभा स्थापित हैं?
(अ) चार (ब) तीन
(स) पांच (द) छ:
उत्तर- (ब)

प्र. 26 निम्नलिखित में से कौन एक नए राज्यों के निर्माण की विधि के लिए संवैधानिक उपबंध नहीं है?
(अ) किसी राज्य का क्षेत्र बढ़ाकर
(ब) किसी राज्य का क्षेत्र घटाकर
(स) किसी राज्य का नाम परिवर्तित कर
(द) एक राज्य, संघ राज्य क्षेत्र शामिल कर सकेगा
उत्तर- (द)

प्र. 27 जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा कब समाप्त कर दिया गया?
(अ) 5 अगस्त, 2019
(ब) 31 अक्टूबर, 2019
(स) 29 अक्टूबर, 2019
(द) 9 अगस्त, 2019
उत्तर- (द)

प्र. 28 किसी राज्य के नाम में परिवर्तन करने का अधिकार निम्नलिखित में से किसको प्राप्त है?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) विधानमंडल (द) राज्यपाल
उत्तर- (ब)

प्र. 29 किस केन्द्रशासित प्रदेश का स्वयं का उच्च न्यायालय है?
(अ) पुदुचेरी
(ब) दिल्ली
(स) चंडीगढ़
(द) अंडमान निकोबार द्वीप
उत्तर- (ब)

प्र. 30 भारतीय संविधान में उल्लेखित नागरिकता के प्रावधान किस वर्ष लागू हुए?
(अ) वर्ष 1950 में (ब) वर्ष 1949 में
(स) वर्ष 1951 में (द) वर्ष 1952 में
उत्तर- (ब)

प्र. 31 संविधान के किस अनुच्छेद में नागरिकता का वर्णन है?
(अ) अनुच्छेद 1-5
(ब) अनुच्छेद 5-11
(स) अनुच्छेद 6-11
(द) अनुच्छेद 10-17
उत्तर- (ब)

प्र. 32 भारत की नागरिकता प्राप्त करने के लिए शर्तें निर्धारित करने वाला सक्षम निकाय कौन-सा है?
(अ) चुनाव आयोग (ब) राष्ट्रपति
(स) संसद
(द) संसद और विधानसभा
उत्तर- (स)

प्र. 33 निम्नलिखित में से संविधान के किस भाग में ग्राम पंचायतों के संगठन सम्बंधी प्रावधान का उल्लेख किया गया है?
(अ) मौलिक अधिकार
(ब) मौलिक कर्तव्य
(स) राज्य के नीति निदेशक तत्व
(द) चुनाव आयोग अधिनियम
उत्तर- (स)

प्र. 34 नागरिकता संशोधन बिल 2019 किस प्रकार का विधेयक है?
(अ) संवैधानिक (ब) असंवैधानिक
(स) परिवर्तनीय (द) अपरिवर्तनीय
उत्तर- (अ)

प्र. 35 संविधान के किस भाग को भारत का मैग्नाकार्टा कहा जाता है?
(अ) भाग 1 (ब) भाग 2
(स) भाग 3 (द) भाग 4
उत्तर- (स)

प्र. 36 संविधान के अंतर्गत मूल अधिकारों का संरक्षणकर्ता कौन है?
(अ) संसद (ब) राष्ट्रपति
(स) सर्वोच्च न्यायालय
(द) मंत्रिमंडल
उत्तर- (स)

प्र. 37 भारतीय संविधान में किस अनुच्छेद के अंतर्गत नागरिकों को मौलिक अधिकार प्रदान किए गए हैं?
(अ) अनु. 112 से 115
(ब) अनु. 12 से 35
(स) अनु. 222 से 235
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (ब)

प्र. 38 मौलिक अधिकार की प्रकृति कैसी है?
(अ) वाद योग्य (ब) अवाद योग्य
(स) असंशोधनीय
(द) इनमें से कोई नही
उत्तर- (अ)

प्र. 39 भारतीय संविधान में समता का अधिकार पांच अनुच्छेदों द्वारा प्रदान किया गया है। ये हैं?
(अ) अनु. 16 से 20
(ब) अनु. 15 से 19
(स) अनु. 14 से 18
(द) अनु. 13 से 17
उत्तर- (स)

प्र. 40 निम्नलिखित में से कौन-सा अधिकार मौलिक अधिकार से हटाकर एक सामान्य कानूनी अधिकार बना दिया है?
(अ) जीवन की रक्षा तथा दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) सम्पत्ति का अधिकार
(स) शिक्षा का अधिकार
(द) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
उत्तर- (ब)

प्र. 41 भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शिक्षण संस्थाओं को स्थापित एवं संचालित करने के अधिकार को संरक्षण प्रदान करता है?
(अ) अनु. 19 (ब) अनु. 26
(स) अनु. 29 (द) अनु. 30
उत्तर- (द)

प्र. 42 भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रावधान है?
(अ) अनु. 14 (ब) अनु. 19
(स) अनु. 21 (द) अनु. 22
उत्तर- (ब)

प्र. 43 संविधान के किस प्रावधान द्वारा अस्पृश्यता का उन्मूलन किया गया है?
(अ) अनु .14 (ब) अनु 15
(स) अनु .17 (द) अनु. 21
उत्तर- (स)

प्र. 44 सम्पत्ति के मौलिक अधिकार को कब समाप्त किया गया?
(अ) 44वें सविधान संशोधन, 1978 द्वारा
(ब) 46वें संविधान संशोधन, 1982 द्वारा
(स) 31वें संविधान संशोधन 1973 द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर- (अ)

प्र. 45 भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में राज्य के नीति निदेशक तत्वों का उल्लेख है?
(अ) अनु. 33 से 36
(ब) अनु. 34 से 48
(स) अनु. 36 से 51
(द) अनु. 34 से 52
उत्तर- (स)

प्र. 46 किसने कहा था, राज्य के नीति निदेशक तत्व ऐसा चेक है जिसे सुविधानुसार अदा किया जा सकता है?
(अ) के.एम. मुंशी
(ब) बी.आर. अम्बेडकर
(स) के.टी. शाह
(द) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
उत्तर- (स)

प्र. 47 नीति निदेशक सिद्धांत हैं?
(अ) अवाद योग्य
(ब) वाद योग्य
(स) मौलिक अधिकार
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (अ)

प्र. 48 संविधान का कौन-सा अंग भारत के नागरिकों को आर्थिक न्याय प्रदान करने का संकेत देता है?
(अ) राज्य के नीति निदेशक तत्व
(ब) मौलिक अधिकार
(स) मौलिक कर्तव्य
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (अ)

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण समसामयिक प्रश्न-उत्तर

1. TRAI (भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण) के नए अध्यक्ष कौन नियुक्त किए गए हैं -
(a) अनिल कुमार लाहोटी
(b) अरविंद पनगरिया
(c) सुशील सिंह
(d) मदन कुमार
उत्तर- (a)

2. 75वें गणतंत्र दिवस 2024 में सर्वश्रेष्ठ झांकी का पुरस्कार किस राज्य को मिला -
(a) मध्यप्रदेश (b) उत्तरप्रदेश
(c) ओडिशा (d) झारखंड
उत्तर- (c)

3. वर्ष 2024 में कितने लोगों को 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया -
(a) 3 (b) 4
(c) 5 (d) 6
उत्तर- (c) 5 पूर्व प्रधानमंत्री - चौधरी चरण सिंह (मरणोपरांत), पी.वी. नरसिंहाराव (मरणोपरांत), वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन (मरणोपरांत), कर्पूरी ठाकुर (बिहार के मुख्यमंत्री) (मरणोपरांत) और लालकृष्ण आडवाणी।

4. हाल ही में जारी 'भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2023' में भारत की रैंक क्या है -
(a) 90 (b) 91
(c) 92 (d) 93
उत्तर- (d)

5. समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा देने के लिए 'पहला राष्ट्रीय सम्मेलन' कहां आयोजित किया गया है -
(a) कच्छ (गुजरात)
(b) मुंबई (महाराष्ट्र)
(c) कोच्चि (केरल)
(d) पणजी (गोवा)
उत्तर- (a)

6. भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर पदोन्नत होने वाली पहली महिला कौन बनी हैं -
(a) नीना सिंह
(b) प्रीति रजक
(c) करिश्मा सिंह
(d) रेखा शर्मा
उत्तर- (b)

7. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की पहली महिला प्रमुख कौन बनी हैं -
(a) नीना सिंह
(b) प्रीति रजक
(c) ज्योति मालवीय
(d) सुचि चतुर्वेदी
उत्तर- (a)

8. वर्ष 2024 में कुल कितने लोगों को 'पद्म पुरस्कार' दिया गया है -
(a) 112 (b) 122
(c) 132 (d) 142
उत्तर- (c) 132 (पद्मविभूषण - 5, पद्मभूषण - 17, पद्मश्री - 110)

9. इज़रायल-फिलिस्तीन युद्ध के बीच फंसे भारतीयों को वापस लाने हेतु भारत सरकार द्वारा कौन-सा ऑपरेशन प्रारंभ किया गया था -
(a) ऑपरेशन अजय
(b) ऑपरेशन विजय
(c) ऑपरेशन शक्ति
(d) ऑपरेशन सेतु
उत्तर- (a)

10. राष्ट्रपति भवन के मुगल उद्यान का नया नाम क्या है -
(a) लाल बाग उद्यान
(b) अमृत उद्यान
(c) लोटस उद्यान
(d) रोज़ उद्यान
उत्तर- (b)

11. जनवरी 2024 में चाड के नए प्रधानमंत्री कौन बने हैं -
(a) सुल्सेस मसरा
(b) फेलिक्स कोहरा
(c) फेंथम जोस
(d) कोकू नमरा
उत्तर- (a) सुल्सेस मसरा

12. वर्ष 2024 में BRICS (ब्रिक्स) की अध्यक्षता कौन करेगा -
(a) भारत (b) रूस
(c) चीन (d) ब्राजील
उत्तर- (b)

13. 16वें वित्त आयोग का अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया है -
(a) एन.के. सिंह
(b) रघुराम राजन
(c) विमल जालान
(d) डॉ. अरविंद पनगढ़िया
उत्तर- (d)

14. वर्ष 2024 में सुप्रीम कोर्ट की पहली जज फातिमा बीबी को मरणोपरांत किस पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है -
(a) पद्मश्री
(b) पद्मभूषण
(c) पद्मविभूषण
(d) कोई नहीं
उत्तर- (b)

15. वर्ष 2024 में ओलिंपिक खेलों का आयोजन कहां किया जाएगा -
(a) पेरिस
(b) लंदन
(c) लॉस एंजिल्स
(d) ब्राजिलिया
उत्तर- (a) पेरिस - 2024 ओलिंपिक खेलों का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक होगा।

16. झारखंड के नए मुख्यमंत्री कौन बन गए हैं -
(a) एकनाथ शिंदे
(b) चंपई सोरेन
(c) योगी आदित्यनाथ
(d) मोहन यादव
उत्तर- (b)

17. लोकसभा चुनाव-2024 कितने चरणों में संपन्न होगा -
(a) 5 (b) 6
(c) 7 (d) 8
उत्तर- (c)

18. वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में किस वर्ष तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा गया है -
(a) 2030 (b) 2047
(c) 2050 (d) 2070
उत्तर- (b)

19. हाल ही में कौन सा 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2024' मनाया गया -
(a) 11वां (b) 12वां
(c) 13वां (d) 14वां
उत्तर- (d) 14वां वर्ष 2011 से प्रतिवर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है।

20. किस देश में पहली बार 'दोषी को मृत्युदंड' देने के लिए नाइट्रोजन गैस का उपयोग किया गया है -
(a) अमेरिका (b) रूस
(c) चीन (d) भारत
उत्तर- (a)

21. अयोध्या में निर्मित 'राम मंदिर' को किस शैली में बनाया गया है -
(a) नागर शैली
(b) द्रविड़ शैली
(c) बेसर शैली
(d) अमरावती शैली
उत्तर- (a)

22. हाल ही में ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज कौन बने हैं -
(a) विराट कोहली
(b) शुभमन गिल
(c) रोहित शर्मा
(d) रविन्द्र जडेजा
उत्तर- (c)

23. हाल ही में अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन करने वाले पहले विदेशी नेता कौन बन गए हैं -
(a) विमान प्रसाद
(b) इमैनुएल मैक्रो
(c) जोस बोनस
(d) एंजेला मर्केल
उत्तर- (a) विमान प्रसाद फिजी के उप प्रधानमंत्री हैं।

24. प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च देश की पहली क्षेत्रीय रैपिड रेल का नाम क्या है -
(a) वंदे भारत
(b) वंदे मेट्रो
(c) नमो भारत
(d) विकसित भारत
उत्तर- (c) यह रेल सेवा दिल्ली-मेरठ-गाजियाबाद के मध्य संचालित है।

25. भूटान के नए प्रधानमंत्री कौन बन गए हैं -
(a) शेख हसीना
(b) शेरिंग टोबगे
(c) इमरान खान
(d) रानिल विक्रमसिंघे
उत्तर- (b)

26. 132वें 'डूरंड कप 2023' की विजेता टीम कौन सी है -
(a) मोहन बागान
(b) मुंबई सिटी
(c) ईस्ट बंगाल
(d) लखनऊ सिटी
उत्तर- (a)

27. 'सिल्कयारा सुरंग' का संबंध किस राज्य से है -
(a) जम्मू-कश्मीर
(b) असम
(c) हिमाचल प्रदेश
(d) उत्तराखंड
उत्तर- (d)

28. हाल ही में किस देश ने ओपेक की सदस्यता त्याग दी -
(a) युगांडा (b) अंगोला
(c) नाइजीरिया (d) कुवैत
उत्तर- (b)

29. हाल ही में 'अल्वारो' चक्रवात ने कहां तबाही मचाई है -
(a) बांग्लादेश (b) मेडागास्कर
(c) अमेरिका (d) चिली
उत्तर- (b)

30. ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप-2023 का खिताब किस देश ने जीता -
(a) भारत
(b) ऑस्ट्रेलिया
(c) न्यूजीलैंड
(d) पाकिस्तान
उत्तर- (b) ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर वर्ल्ड कप 2023 जीता।

31. IPL-2024 नीलामी में खरीदे गए सबसे महंगे खिलाड़ी कौन हैं -
(a) मिचेल स्टार्क
(b) पैट कमिंस
(c) रोहित शर्मा
(d) विराट कोहली
उत्तर- (a) मिचेल स्टार्क, ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी हैं तथा KKR (कोलकाता नाइट राइडर) ने इन्हें खरीदा है।

32. NGT के नए अध्यक्ष कौन बन गए हैं -
(a) आदर्श कुमार गोयल
(b) प्रकाश श्रीवास्तव
(c) लोकेश्वर सिंह
(d) प्रकाश रंजन
उत्तर- (b)

33. हाल ही में भारत के मुख्य सूचना आयुक्त कौन बन गए हैं -
(a) हीरालाल सामरिया
(b) प्रकाश गोयल
(c) राजीव कुमार
(d) सुशील चंद्रा
उत्तर- (a)

34. घुड़सवारी में अर्जुन पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट कौन हैं -
(a) पारूल चौधरी
(b) रेखा शर्मा
(c) दिव्याकृति सिंह
(d) हिमा दास
उत्तर- (c)

35. भारत की पहली क्षेत्रीय AI न्यूज एंकर का नाम क्या है -
(a) रश्मि
(b) कुमकुम
(c) लक्ष्मी
(d) लिसा
उत्तर- (d) हाल ही में ओडिशा राज्य में लिसा को लॉन्च किया गया।

36. BCCI द्वारा सेवानिवृत्त जर्सी नंबर 07 का संबंध किस खिलाड़ी से है -
(a) महेन्द्र सिंह धोनी
(b) सचिन तेंदुलकर
(c) वीरेंद्र सहवाग
(d) सौरभ गांगुली
उत्तर- (a)

37. रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना' किस राज्य में प्रारंभ की गई है -
(a) उत्तरप्रदेश (b) महाराष्ट्र
(c) गोवा (d) मध्यप्रदेश
उत्तर- (d)

38. किस राज्य में भारत की पहली अंडर वॉटर मेट्रो सेवा की शुरुआत की गई -
(a) हरियाणा
(b) ओडिशा
(c) गुजरात
(d) पश्चिम बंगाल
उत्तर- (d) कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में प्रधानमंत्री ने भारत की पहली अंडर वॉटर मेट्रो सेवा की शुरुआत की।

39. वर्ष 2023 में मिस वर्ल्ड का खिताब किसने जीता है -
(a) मानुषी छिल्लर
(b) क्रिस्टीना पिजकोवा
(c) सिनी शेट्टी
(d) कालमी चोहड़
उत्तर- (b) क्रिस्टीना पिजकोवा का संबंध चेक गणराज्य से है।

40. किस राज्य में भारत के पहले राष्ट्रीय डॉल्फिन अनुसंधान केन्द्र का उद्घाटन किया गया है -
(a) बिहार
(b) पश्चिम बंगाल
(c) मध्यप्रदेश
(d) उत्तरप्रदेश
उत्तर- (a) बिहार के पटना शहर में इसका उद्घाटन हुआ।

41. इंटरनेशनल सोलर अलायंस (ISA) का 119वां सदस्य देश कौन बना है -
(a) माल्टा (b) इटली
(c) जापान (d) जर्मनी
उत्तर- (a)

42. हाल ही में 'समान नागरिक संहिता' लागू करने वाला राज्य कौन सा है -
(a) मध्यप्रदेश
(b) उत्तरप्रदेश
(c) राजस्थान
(d) उत्तराखंड
उत्तर- (d)

43. हाल ही में गठित 'वन नेशन वन इलेक्शन' समिति के अध्यक्ष कौन थे -
(a) अमिताभ कांत
(b) वैंकेया नायडू
(c) रामनाथ कोविंद
(d) डॉ. मनमोहन सिंह
उत्तर- (c) पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में वन नेशन वन इलेक्शन हेतु समिति का गठन किया गया।

44. 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' का संबंध है -
(a) ग्रामीण आवास से
(b) बाल स्वास्थ्य से
(c) शिक्षा से
(d) रूफटॉप सोलर पैनल से
उत्तर- (d)

45. किस टीम ने विजय हजारे ट्रॉफी 2023 जीती -
(a) मध्यप्रदेश
(b) तमिलनाडु
(c) हरियाणा
(d) उत्तरप्रदेश
उत्तर- (c) हरियाणा ने राजस्थान को हराकर विजय हजारे ट्रॉफी जीती।

46. इस वर्ष कितने खिलाड़ियों को अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया -
(a) 20 (b) 22
(c) 24 (d) 26
उत्तर- (d)

47. COP-28 समिट का आयोजन कहां किया गया -
(a) दुबई (b) रियाद
(c) पेरिस (d) जर्मनी
उत्तर- (a)

48. यूनेस्को ने भारत के किस शहर को 'संगीत का शहर' घोषित किया है -
(a) ग्वालियर
(b) जयपुर
(c) लखनऊ
(d) रांची
उत्तर- (a)

49. हाल ही में चुनाव आयोग ने किसे अपना राष्ट्रीय आइकन नियुक्त किया है -
(a) अमिताभ बच्चन
(b) राजकुमार राव
(c) रणवीर सिंह
(d) अक्षय कुमार
उत्तर- (b)

50. भारत की पहली सोलर सिटी कौन बन गई है -
(a) सांची (b) नागपुर
(c) लखनऊ (d) कोलकाता
उत्तर- (a)

- स्वाती जैन
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों का लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

हिन्दी

1. अपभ्रंश भाषा का विकास कैसे हुआ?
अ. ब्राम्ही से
ब. लोकभाषा से
स. प्राकृत से
द. संस्कृत से
उत्तर- स. प्राकृत से

2. कितने भारतीय राज्यों की राजभाषा हिन्दी है?
अ. 10 ब. 8
स. 12 द. 15
उत्तर- 10 राज्यों की

3. हिन्दी को राजभाषा के रूप में कब स्वीकार किया गया?
अ. 14 अगस्त, 1950
ब. 14 सितम्बर, 1948
स. 14 मार्च, 1949
द. 14 सितम्बर, 1949
उत्तर- द. 14 सितम्बर, 1949

4. संघ की भाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी। ऐसा संविधान के कौन से अनुच्छेद में कहा गया है?
अ. 372 अनुच्छेद
ब. 343 अनुच्छेद
स. 243 अनुच्छेद
द. 350 अनुच्छेद
उत्तर- ब. 343 अनुच्छेद

5. व्याकरण और वर्णक्रम की दृष्टि से शुद्ध भाषा क्या कहलाती है?
अ. वैज्ञानिक भाषा
ब. प्रांजल भाषा
स. व्यावहारिक भाषा
द. मानक भाषा
उत्तर- द. मानक भाषा

6. संविधान के किस भाग में हिन्दी को भारत की राजभाषा कहा गया है?
अ. भाग 15 ब. भाग 17
स. भाग 5 द. भाग 34
उत्तर- ब. भाग 17

7. खड़ी बोली किस हिन्दी की बोली है?
अ. पूर्वी हिन्दी ब. बिहारी हिन्दी
स. पश्चिमी हिन्दी द. पहाड़ी बोली
उत्तर- स. पश्चिमी हिन्दी

8. 'क्ष, त्र, ज्ञ,' इनमें से किस वर्ग में हैं?
अ. संयुक्त व्यंजन
ब. दीर्घ व्यंजन
स. स्वर
द. व्यंजन
उत्तर- अ. संयुक्त व्यंजन

9. 'जो मांस खाता है' के लिए उपयुक्त शब्द है?
अ. निरामिष
ब. सामिष
स. सर्वभक्षी
द. हिंसाचारी
उत्तर- ब. सामिष

10. जहां धरती-आकाश मिलते दिखायी पड़ते हैं, वाक्यांश के लिए एक शब्द है?
अ. पर्वत प्रदेश
ब. पढ़ार
स. क्षितिज
द. अन्नाज
उत्तर- स. क्षितिज

11. 'दांत गिनना' मुहावरे का क्या अर्थ है?
अ. बोलने से रोकना
ब. गहरी दोस्ती
स. चंकित करना
द. उम्र पता लगाना
उत्तर- द. उम्र पता लगाना

12. धोखे भरे आधुनिक समाज में ..... की प्रवृत्ति दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है?
अ. प्रत्यावर्तन
ब. प्रवंचन
स. प्रवचन
द. प्रर्वतन
उत्तर- ब. प्रवंचन

13. इनमें से कौनसी मध्यप्रदेश की बोली नहीं है?
अ. भोजपुरी
ब. बघेली
स. मालवी
द. निमाड़ी
उत्तर- अ. भोजपुरी

14. 'संत सिंगा' की भाषा क्या थी?
अ. पंजाबी
ब. अवधी
स. राजस्थानी
द. निमाड़ी
उत्तर- द. निमाड़ी

15. ब्रजभाषा का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है?
अ. शौर सेनी
ब. अर्ध मागधी
स. मागधी
द. पैशाची
उत्तर- अ. शौर सेनी

16. 'बनाफरी' इनमें से किस बोली की उपबोली है?
अ. कौरवी
ब. बघेली
स. ब्रज
द. बुन्देली
उत्तर- द. बुन्देली

17. पूर्वी हिन्दी की दो बोलियों का सही-सही युग्म इनमें से कौनसा है?
अ. अवधी - ब्रजभाषा
ब. मगधी - बघेली
स. छत्तीसगढ़ी - गढ़वाली
द. अवधी - छत्तीसगढ़ी
उत्तर- द. अवधी - छत्तीसगढ़ी

18. भारत में 'हिन्दी' किस वर्ग के अन्तर्गत शामिल है?
अ. राज भाषा
ब. राष्ट्र भाषा
स. काव्य भाषा
द. तकनीकी भाषा
उत्तर- अ. राज भाषा

19. संविधान की आठवीं अनुसूची में निम्न में से कितनी भाषाओं का उल्लेख है?
अ. 21 ब. 23
स. 22 द. 24
उत्तर- स. 22

20. 'जुगुप्सा' किस रस का स्थायी भाव है?
अ. अद्भुत
ब. भयानक
स. रौंद्र
द. वीभत्स
उत्तर- द. वीभत्स

21. मन रे तन कागद का पुलता।
लागै बूंद बिनसि जाय छिन में, गरब करे क्या इतना।।
इन पंक्तियों में कौनसा रस है?
अ. भक्ति रस
ब. श्रृंगार रस
स. करुण रस
द. शांत रस
उत्तर- शांत रस

22. किस छंद में 26 मात्राएं होती हैं तथा 14 एवं 12 पर यति होती है?
अ. सोरठा
ब. गीतिका
स. छप्पय द. वीर
उत्तर- ब. गीतिका

23. छंद पढ़ते समय आने वाले विराम को क्या कहते हैं?
अ. गति
ब. यति
स. तुक
द. गण
उत्तर- ब. यति

24. गणों की संख्या कितनी होती है। (छंद के संदर्भ में)?
अ. आठ ब. सात
स. छह द. नौ
उत्तर- अ. आठ (यगण, मगण, तगण, रगण, जगण, भगण, नगण, सगण)

25. पानी बिच मीन प्यासी, मोहि, सुनि सुनि आवै दासी उपरोक्त पंक्ति में कौनसा अलंकार है?
अ. विभावना
ब. अतिश्योक्ति
स. विशेषोक्ति
द. उपमा
उत्तर- स. विशेषोक्ति

26. औपचारिक पत्र में इनमें से कौनसा विकल्प नहीं होगा?
अ. विषय
ब. पता
स. अभिवादन
द. दिनांक
उत्तर- स. अभिवादन

27. व्यवसाय संबंधी पत्र में संबोधन क्या होगा?
अ. आदरणीय ब. महोदय
स. परम पूज्य द. प्रिय
उत्तर- ब. महोदय

28. कार्यालय आदेश किसके लिए निकाले गए आदेशों की सूचना है?
अ. मंत्रालय
ब. संबद्ध विभाग-प्रभाग
स. अनुभव
द. सभी विकल्प सही हैं
उत्तर- ब. संबद्ध विभाग-प्रभाग

29. छोटे संबंधियों को पत्र लिखते समय क्या संबोधन लिखेंगे?
अ. चिरंजीव ब. पूजनीय
स. परम पूज्य द. हितैषी
उत्तर- अ. चिरंजीव

30. कुण्डलिया छंद किन दो छंदों से मिलकर बनता है?
अ. सोरठा और रोला
ब. रोला और दोहा
स. दोहा और चौपाई
द. दोहा और सोरठा
उत्तर- ब. रोला और दोहा

31. हिन्दी भाषा के उद्भव का सही अनुक्रम क्या है?
अ. अपभ्रंश, प्राकृत, पालि, हिन्दी
ब. हिन्दी, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
स. प्राकृत, हिन्दी, अपभ्रंश, पालि
द. पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी
उत्तर- द. पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी

32. मैथली किस राज्य में ज्यादा बोली जाती है?
अ. पंजाब
ब. बिहार
स. छत्तीसगढ़
द. राजस्थान
उत्तर- ब. बिहार

33. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश हैं?
अ. 343 ब. 344
स. 351 द. 348
उत्तर- स. 351

34. सूरीनाम, मॉरीशस, गुयाना में बोली जाने वाली बोली कौनसी है?
अ. मेवाती ब. ब्रज
स. भोजपुरी द. गढ़वाली
उत्तर- स. भोजपुरी

35. मुझे बाहर जाना है। (बोल्ड चिन्ह को पहचानिए)
अ. पूर्ण विराम
ब. प्रश्न वाचक चिह्न
स. अल्प विराम
द. लाघव चिह्न
उत्तर- अ. पूर्ण विराम

36. किसी पद उपवाक्य आदि की विशेषता दिखाने के लिए शब्द के नीचे एक रेखा खींचते हैं। उसे कहते है?
अ. प्रश्न वाचक चिह्न
ब. अधोरेखा चिह्न
स. कोष्ठक चिह्न
द. तिर्यक चिह्न
उत्तर- ब. अधोरेखा चिह्न

37. संज्ञा की द्विरुक्ति हो तो उनके बीच कौनसा चिह्न रहता है?
अ. अवतरण चिह्न
ब. योजक चिह्न
स. कोष्ठक चिह्न
द. निर्देशक
उत्तर- ब. योजक चिह्न

38. अल्पविराम का प्रयोग इनमें से कहां किया जाता है?
अ. वाक्य के अंत में
ब. कहीं भी
स. वाक्य के रूप में
द. वाक्य के मध्य में, जहां बहुत कम ठहराव हो
उत्तर- द. वाक्य के मध्य में, जहां बहुत कम ठहराव हो

39. विराम चिह्न के प्रयोग की दृष्टि से निम्नलिखित में से कौनसा वाक्य सही नहीं है?
अ. वह दूर से, बहुत दूर से, आ रहा है।
ब. सुनो, सुनो, वह गा रही है।
स. नहीं, नहीं, ऐसा कभी नहीं हो सकता।
द. क्रोध चाहे जैसा भी हो मनुष्य को दुर्बल बनाता है।
उत्तर- अ. वह दूर से, बहुत दूर से, आ रहा है।

40. लेन देन, विरह मिलन, जड़ चेतन, आदि शब्द युग्मों के बीच किस चिह्न का प्रयोग किया जाएगा?
अ. । ब. -
स. : द. !
उत्तर- ब. -

41. 'पानी न बरसता तो धान सूख जाती है।' किस प्रकार का वाक्य है?
अ. आज्ञा वाचक
ब. संकेत वाचक
स. संदेह वाचक
द. इच्छा वाचक
उत्तर- ब. संकेत वाचक

42. 'जितने मुंह उतनी बातें' इस लोकोक्ति का अर्थ क्या है?
अ. मुंह ज्यादा होना
ब. मुंह के अनुसार बातें
स. एक ही बात पर भिन्न-भिन्न कथन
द. ज्यादा बातें करना
उत्तर- स. एक ही बात पर भिन्न-भिन्न कथन

43. 'धब्बा लगाना' मुहावरे का अर्थ क्या है?
अ. कलंकित करना
ब. डाकिया का काम करना
स. मूर्खता दिखाना
द. मुहर लगाना
उत्तर- अ. कलंकित करना

44. 'उंगली पकड़ के पौंचा पकड़ना' मुहावरे का वाक्य अर्थ है?
अ. प्यार करने के लिए हाथ पकड़ना
ब. धीरे-धीरे साहस को बढ़ने देना
स. ताकत का अनुमान लगाना
द. मन बढ़ना
उत्तर- ब. धीरे-धीरे साहस को बढ़ने देना

45. 'आई तो रोजी, नहीं तो रोजा' इस लोकोक्ति का अर्थ है?
अ. धोखा देना
ब. किसी से कोई वास्ता न रखना
स. कमाया तो खाया, नहीं तो भूखे
द. अन्याय न करना
उत्तर- स. कमाया तो खाया, नहीं तो भूखे

46. 'आदमी पानी का बुल-बुला है। इस लोकोक्ति का अर्थ क्या है?
अ. तमाशा करना
ब. मनुष्य जीवन नश्वर है
स. अनुभवहीन होना
द. मनुष्य पानी पसंद करता है
उत्तर- ब. मनुष्य जीवन नश्वर है

47. 'नाक दबाने से मुंह खुलता है' इस लोकोक्ति का अर्थ है?
अ. ज्यादा बातें करना
ब. मुंह के अनुसार बातें
स. एक ही बात पर भिन्न-भिन्न कथन
द. कठोरता से कार्य सिद्ध होता है
उत्तर- द. कठोरता से कार्य सिद्ध होता है

48. 'ताक पर रहना' मुहावरे का अर्थ क्या है?
अ. पाबंदी लगाना
ब. मौका देखते रहना
स. उपेक्षा करना
द. खुश हो जाना
उत्तर- ब. मौका देखते रहना

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय
(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं।)

खेल चर्चा

बिंदिया रानी ने भारोत्तोलन में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली, भारत की महिला भारोत्तोलक बिंदियारानी देवी ने आईडब्ल्यूएफ भारोत्तोलन विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 55 किलोग्राम भार वर्ग स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया है। बिंदियारानी ने गैर ओलंपिक भार वर्ग स्पर्धा में स्नैच में 83 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 113 किलोग्राम सहित कुल 196 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में उत्तर कोरिया की कांग ह्योन ग्योंग ने 234 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि रोमानिया की कैम्बेई मिहाइला वेलेंटिना ने 201 किलोग्राम वजन के साथ रजत पदक अपने नाम किया। उल्लेखनीय है कि बिंदियारानी देवी वर्ष 2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीत चुकी हैं।

शिलांग लाजोंग एफसी को हराकर जीता आई लीग खिताब

मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब बना चैम्पियन

नई दिल्ली, कोलकाता के लोकप्रिय फुटबॉल क्लब मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने इस वर्ष आई लीग का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने पहली बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है। क्लब ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी श्रीनिधि डेक्कन को पछाड़कर एक मैच शेष रहते आई लीग का खिताब जीत लिया है।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने शिलांग लाजोंग एफसी को 2-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस मैच में मोहम्मडन क्लब के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया। मोहम्मडन क्लब के एलेक्सिस नहुएल गोमेज ने मैच के पहले ही मिनट में शानदार गोल दाग कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। मैच में पिछड़ने के बाद शिलांग लाजोंग के खिलाड़ियों ने आक्रामक पलटवार किया, जिसके कारण टीम को 15वें मिनट में गोल करने का मौका मिला। शिलांग एफसी के डगलस रोजा टार्डिन ने इसे गोल में तब्दील कर अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया।

पहले हाफ में स्कोर बराबर रहने के बाद मोहम्मडन क्लब ने दूसरे हाफ में आक्रामक रणनीति अपनाई। एवगेनी कोजलोव ने मैच में 62वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को एक बार फिर बढ़त दिलाई। इसके बाद दोनों टीमों की ओर से गोल करने के कई प्रयास किए गए,लेकिन गोल नहीं हो सका। मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने 2-1 के स्कोर से यह मैच जीत लिया। इस जीत के साथ आई लीग के इस सत्र में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के 23 मैचों में 52 अंक हो गए हैं। टीम ने 15 मैच जीतकर अंक तालिका में पहला स्थान सुनिश्चित करते हुए खिताब जीता है। अंक तालिका में हैदराबाद का क्लब श्रीनिधि डेक्कन दूसरे स्थान पर है। श्रीनिधि डेक्कन के 22 मैचों में 44 अंक हैं। श्रीनिधि डेक्कन अपने अगले दोनों मैच जीत भी लेता है, तब भी वह मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब से आगे नहीं निकल पाएगा।

- मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने पहली बार देश में टॉप टियर फुटबॉल टूर्नामेंट जीता है।
- यह क्लब इससे पहले डूरंड कप, फेडरेशन कप और आईएफए शील्ड खिताब भी जीत चुका है।
- मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के लिए क्वालिफाई कर लिया है।
- आईएसएल में अब कोलकाता के तीन क्लब हो गए हैं।
- आईएसएल में कोलकाता की मोहन बागान और ईस्ट बंगाल एफसी टीमें पहले से ही शामिल हैं।

एशियन चैंपियनशिप से अंतिम पंघल ने नाम लिया वापस

नई दिल्ली, भारत की युवा पहलवान अंतिम पंघल ने किर्गिस्तान में आयोजित होने वाली एशियन कुश्ती चैंपियनशिप से अपना नाम वापस ले लिया है। पंघल ने पेरिस ओलंपिक पर अपना ध्यान केंद्रित करने की वजह से इस प्रतियोगिता में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। पंघल ओलंपिक में महिलाओं की 57 किलोग्राम भार वर्ग स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने पिछले वर्ष विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया था। एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में अंतिम पंघल की जगह अंजू 53 किलोग्राम भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

ट्वेंटी-20 विश्वकप में नहीं खेलेंगे बेन स्टोक्स

लंदन, इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप में नहीं खेलेंगे। स्टोक्स ने इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड को इस फैसले की सूचना दी है कि टीम के चयन के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि मैं हर प्रारूप में खुद को ऑराउंडर के तौर पर तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। आईपीएल और ट्वेंटी-20 विश्वकप से बाहर होना इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मददगार होगा।

अमेरिका की डेनियल कोलिंस ने जीता चार्ल्सटन ओपन का खिताब

साउथ कैरोलिना, अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी डेनियल कोलिंस ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए चार्ल्सटन ओपन का खिताब अपने नाम किया है। कोलिंस ने टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग के फाइनल में रूस की डारिया कसात्किना को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराया।

इससे पहले कोलिंस ने सेमीफाइनल में ग्रीस की मारिया सकारी को हराया, जबकि कसात्किना ने शीर्ष वरीय खिलाड़ी जेसिका पेगुला को मात देकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। फाइनल में कसात्किना अपनी लय में नजर नहीं आयी। कोलिंस के जबरदस्त और आक्रामक खेल के सामने कसात्किना ज्यादा देर टिक नहीं सकीं। कोलिंस ने पहला सेट 6-2 से जीता, वहीं दूसरे सेट में भी कोलिंस ने 6-1 से आसान जीत दर्ज की।

- डेनियल कोलिंस के टेनिस कॅरियर का यह चौथा डब्ल्यूटीए खिताब है।
- कोलिंस ने कुछ दिन पहले मियामी ओपन में महिला एकल खिताब जीता था।

विदेश में ओलंपिक की तैयारी करेंगे मुक्केबाज

नई दिल्ली, पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के दावेदार भारतीय मुक्केबाज अब विदेश में ट्रेनिंग करेंगे। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके मुक्केबाजों के प्रशिक्षण की मंजूरी प्रदान की है। एमओसी के अनुसार ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के तहत चार महिला मुक्केबाज निखत जरीन, प्रीति पवार, परवीन हुडा और लवलीना बोरबोहेन तुर्किए में प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लेंगी।

फिर आयोजित हो सकती है चैंपियंस लीग ट्वेंटी-20

दुबई, चैंपियंस लीग ट्वेंटी-20 क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट एक बार फिर आयोजित हो सकता है। भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के क्रिकेट बोर्डस ने इस टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने में दिलचस्पी दिखाई है। ये तीनों बोर्ड चैंपियंस लीग टूर्नामेंट को शुरू करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। चैंपियन लीग आखिरी बार वर्ष 2014 में आयोजित किया गया था, तब चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता को हराकर खिताब जीता था।

एथलेटिक बिलबाओ ने जीता कोपा डेल रे खिताब

सेविले, स्पेन के फुटबॉल क्लब एथलेटिक बिलबाओ ने 24वीं बार कोपा डेल रे कप का खिताब अपने नाम किया है। बिलबाओ ने वर्ष 1984 के बाद पहली बार यह टूर्नामेंट जीता है। बिलबाओ ने टूर्नामेंट के फाइनल में मलोर्का क्लब को पेनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया। मैच में पहला हाफ मलोर्का के नाम रहा। मलोर्का के लिए डानी रोड्रिग्ज ने 21वें मिनट में गोल किया। इसके बाद दूसरे हाफ में एथलेटिक बिलबाओ ने जबरदस्त वापसी की। मैच के 50वें मिनट में ओइहान सेंसेट ने गोल कर बिलबाओ को बराबरी पर ला दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहने के बाद मैच पेनाल्टी शूटआउट में गया।

अर्जुन एरिगेसी बने भारत के नंबर वन शतरंज खिलाड़ी

नई दिल्ली, भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी ने शतरंज में नया मुकाम हासिल किया है। अर्जुन भारत के नंबर वन शतरंज खिलाड़ी बन गए हैं। अर्जुन विश्व शतरंज संघ (फिडे) द्वारा जारी ताजा रैंकिंग में भारत के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी बने हैं।

अर्जुन ने फिडे रैंकिंग में 2756 रेटिंग अंकों के साथ विश्व में नौवां और भारतीय खिलाड़ियों की सूची में पहला स्थान हासिल किया है। अर्जुन ने इस सूची में पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को पीछे छोड़ दिया है। अर्जुन से पहले डी. गुकेश भी फिडे रैंकिंग में आनंद से आगे निकल चुके हैं।

फिडे विश्व रैंकिंग में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन 2830 रेटिंग अंकों के साथ पहले पायदान पर काबिज हैं, जबकि अमेरिका के फेबियानो करूआना 2803 अंकों के साथ दूसरे तथा 2789 अंकों के साथ अमेरिका के हिकारू नाकामुरा तीसरे स्थान पर हैं। विश्व रैंकिंग में टॉप-10 में जगह बनाने वाले अर्जुन एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। सूची में विश्वनाथन आनंद (2751) 11वें, आर. प्रगाननंदा (2747) 14वें, डी. गुकेश (2743) 16वें, विदित गुजराती ((2727) 25वें और पेंटाला हरीकृष्णा 2701 अंकों के साथ 37वें स्थान पर हैं।

महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग में कोनेरू हंपी शीर्ष भारतीय खिलाड़ी हैं। सूची में कोनेरू हंपी 2546 अंकों के साथ पांचवे स्थान पर हैं। इस सूची में हरिका द्रोणवल्ली 11वें और आर. वैशाली 15वें स्थान पर काबिज हैं।

पी.वी. सिंधु ने

ओलंपिक के लिए उबेर कप से वापस लिया नाम

नई दिल्ली, भारत की स्टार शटलर पी.वी. सिंधु उबेर कप में नहीं खेलेंगी। सिंधु ने पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के कारण उबेर कप से हटने का फैसला किया है। सिंधु के इस फैसले के बाद भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने उबेर कप और थॉमस कप के लिए भारतीय बैडमिंटन टीमों की घोषणा कर दी है। सिंधु ने कहा कि पेरिस ओलंपिक से पहले उन्हें लगातार कई टूर्नामेंट खेलना है, ऐसे में उनका उबेर कप में खेलना संभव नहीं है।

भारतीय बैडमिंटन संघ ने कहा कि उबेर कप के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है, जबकि थॉमस कप के लिए मजबूत भारतीय टीम चुनी गई है। उबेर कप में भारतीय महिला टीम तथा थॉमस कप में भारतीय पुरुष टीम चुनौती पेश करेगी। इस टूर्नामेंट में टीम के तौर पर एकल और युगल मुकाबले खेले जायेंगे। इन प्रतियोगिताओं में भारत के साथ चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, डेनमार्क और इंडोनेशिया जैसी दिग्गज टीमें अपनी चुनौती पेश करती हैं।

उबेर कप के लिए टीम

एकल- अनमोल खरब, तन्वी शर्मा, अश्मिता चाहिला और इसरसी बरूहा।
युगल- श्रुति मिश्रा, प्रिया, सिमरन सिंघी और रितिका ठाकुर।

थॉमस कप के लिए टीम

एकल - एच.एस. प्रणय, लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, प्रियांशु राजावत और किरण जॉर्ज। **युगल-** सात्विक साईराज, रैंकी रेड्डी, चिराग शेट्टी, एम.आर. अर्जुन, ध्रुव कपिला और साई प्रतीका।

- थॉमस कप और उबेर कप का आयोजन 27 अप्रैल से 5 मई तक चीन के चेंगदू शहर में किया जाएगा।
- यह टूर्नामेंट पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिहाज से अहम साबित होगा।
- भारतीय पुरुष टीम ने वर्ष 2023 में थॉमस कप का खिताब जीतकर रचा था इतिहास।
- पी.वी. सिंधु ओलंपिक खेलों में दो बार पदक जीत चुकी हैं।

जापान ग्रां प्री

वर्स्टापेन ने जीती तीसरी रेस

सुजुका, नीदरलैंड्स के कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने फॉर्मूला-वन सर्किट पर अपनी बादशाहत बरकरार रखी है। टीम रेडबुल के लिए रेसिंग करने वाले वर्स्टापेन ने जापान ग्रां प्री का खिताब अपने नाम किया है। वर्स्टापेन की इस सत्र में यह तीसरी जीत है।

सुजुका इंटरनेशनल रेसिंग कोर्स में आयोजित रेस को वर्स्टापेन ने एक घंटा 54 मिनट 23.566 सेकेंड में पूरी कर पहला स्थान किया। रेस में वर्स्टापेन की टीम साथी सर्जियो पेरेज दूसरे, कार्लोस सेंज तीसरे, चार्ल्स लेकलर्क चौथे तथा लेंडो नॉरिस पांचवें स्थान पर रहे। ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री में कार दुर्घटना के कारण रेस पूरी नहीं कर सके वर्स्टापेन ने जापान ग्रां प्री में शानदार प्रदर्शन किया और पोल पोजिशन हासिल की। रेस के दौरान भी वर्स्टापेन अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहे।

- मैक्स वर्स्टापेन ने लगातार तीन बार जीती है फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप।
- वर्स्टापेन ने इस सत्र में बहरीन ग्रां-प्री, सऊदी अरब ग्रां प्री और जापान ग्रां प्री रेस जीती हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

थलसेना प्रमुख ने किया छात्र अधिकारियों को संबोधित

थलसेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने वेलिंग्टन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज का दौरा किया। थलसेना प्रमुख ने इस दौरान 79वां स्टाफ कोर्स कर रहे भारतीय सशस्त्र बलों और मित्रवत् विदेशी देशों के छात्र अधिकारियों और डीएसएससी के स्थायी कर्मचारियों को संबोधित किया। थलसेना प्रमुख ने भारतीय सेना की विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों और परिवर्तन सुधारों पर चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से मानव संसाधन संबंधी सुधारों के साथ चल रहे पुनर्संतुलन और पुनर्गठन पर चर्चा की। इसके साथ ही थलसेना प्रमुख ने सभी अधिकारियों को नवीनतम तकनीकी विकास और युद्ध के बदलते चरित्र के साथ अपडेट रहने की आवश्यकता के बारे में बताया।

पुणे में योग महोत्सव संपन्न

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की 75-दिवसीय उलटी गिनती के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र के पुणे स्थित वाडिया कॉलेज स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित 'योग महोत्सव' में लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इसे मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान और आयुष मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान ने संयुक्त रूप से आयोजित किया। इस कार्यक्रम में हजारों प्रतिभागी एकत्रित हुए और सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) के अभ्यास में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान उत्साह और भागीदारी का यह उल्लेखनीय प्रदर्शन व्यक्तिगत एवं सामाजिक सुधार को बढ़ावा देने में योग के बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है। श्री सत्यजीत पॉल ने कहा कि यह प्रसन्नता और गर्व की बात है कि इस प्राचीन वातावरण में पुणे अद्भुत 'योग महोत्सव' की मेजबानी कर रहा है।

भारत-पेरू व्यापार समझौता वार्ता हुई संपन्न

भारत-पेरू व्यापार समझौते के लिए सातवें दौर की वार्ता 8 अप्रैल से 11 अप्रैल, 2024 तक नई दिल्ली, भारत में आयोजित हुई। चर्चा में एक-दूसरे की प्राथमिकताओं और चिंताओं को समझना और सुनिश्चित करना शामिल था कि बातचीत आपसी सम्मान और लाभ पर आधारित हो। वार्ता में वाणिज्य सचिव श्री सुनील बर्थवाल ने कहा कि भारत-पेरू राजनयिक संबंधों की शुरुआत 1960 के दशक में हुई थी।

'टर्निंग 18' अभियान से युवाओं को लोकतंत्र के उत्सव में भाग लेने के लिए किया प्रेरित

जैसे ही देश 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए तैयार हो रहा है, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर 'टर्निंग 18' और 'आप एक हैं' जैसे अनूठे अभियानों के माध्यम से नागरिकों को शामिल करने के लिए 'चुनाव का पर्व, देश का गर्व' की व्यापक थीम के तहत एक अनुरूप संदेश रणनीति के रूप में एक अभिनव यात्रा शुरू की है। वर्तमान में ईसीआई की फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब सहित प्रमुख प्लेटफार्मों पर सोशल मीडिया के क्षेत्र में उपस्थिति है।

आयोग ने विभिन्न अवसरों पर मतदाताओं के मतदान में सुधार की अपनी खोज में चिंता के कारण के रूप में शहरी उदासीनता और युवा उदासीनता की पहचान की है। 18वें लोकसभा चुनाव से पहले ईसीआई का अभियान 'टर्निंग 18' विशेष रूप से युवा और पहली बार मतदाताओं को लक्षित करता है। प्राथमिक उद्देश्य युवाओं को आगामी चुनावों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना और पिछले चुनावों में देखे गए शहरी और युवा उदासीनता के महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करना है।

उपराष्ट्रपति ने भारतीय प्रबंधन संस्थान, बोधगया के छठवें दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

शिक्षा सामाजिक परिवर्तनकारी व्यवस्था है जो समानता के साथ असमानताओं को दूर करती है

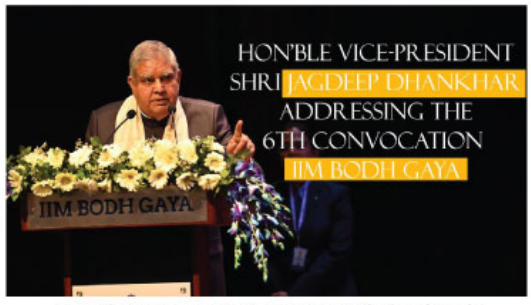

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम)-बोधगया के छठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए

पिछले कुछ सप्ताह में मुझे महिलाओं के नेतृत्व वाले संस्थानों का दौरा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। गुजरात विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और अब यह संस्थान। मेरी यह धारणा है कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक शक्तिशाली हैं और वे निरंतर मजबूत होती जा रही हैं। यह बात उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम)-बोधगया के छठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने कहा कि महिला निर्देशक पुरुष निर्देशकों की तुलना में अधिक सख्त होती हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन की सबसे प्रभावशाली, परिवर्तनकारी व्यवस्था है, जो समानता का एहसास कराती है और असमानताओं को दूर करती है।

आशा और संभावनाओं को दर्शाता है विकास

एक दशक पहले मेरी जगह कोई वक्ता होता तो चिंतित होता कि मैं क्या कहूं? संभावनाएं क्या हैं? क्योंकि उस समय हमारे पास आर्थिक रूप से चिंताजनक माहौल था। चारों ओर निराशा का माहौल था, लेकिन अब जो स्थिति है, वह सुखद है। एक तरह से अब चौतरफा विकास का माहौल है और यह आशा और संभावना को दर्शाता है।

गुरुओं के लिए भी गर्व और उपलब्धि का क्षण

उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह संस्थान बिलकुल सही स्थिति में है। बोधगया आध्यात्मिक महत्व का स्थल है और वह भूमि है जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। मानवता की सामूहिक चेतना में बोधगया का विशेष स्थान है। आज जब हम यहां एकत्रित हुए हैं, तो हमें भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरणा लेना चाहिए और प्रेम तथा करुणा के उनके संदेश को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह न केवल स्नातकों के लिए बल्कि उनके परिवारों, शिक्षकों और गुरुओं के लिए भी गर्व और उपलब्धि का क्षण है। जिन्होंने उनकी पूरी यात्रा में उनका समर्थन और मार्गदर्शन किया है।

ऊर्जा को प्रदर्शित करने का मंच

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज केवल संभावनाओं वाला या सोया हुआ विशाल राष्ट्र नहीं रह गया है। यह पहले से कहीं अधिक बढ़ रहा है। भारत का उत्थान अजेय है।

फिलीपींस और जापान के राष्ट्राध्यक्षों से मिले बाइडेन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने व्हाइट हाउस में फिलीपींस के राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात की। यह इन देशों के बीच पहली त्रिपक्षीय औपचारिक मुलाकात है। तीनों नेताओं की एकसाथ बैठक को चीन की बढ़ती चुनौती से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल जापान और फिलीपींस दोनों ही देशों का चीन के साथ सीमा विवाद चल रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के साथ बैठक की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका, जापान और फिलीपींस की सुरक्षा के लिए समर्पित है। बाइडेन ने कहा कि जब हम एकजुट होते हैं तो हम सभी के लिए सुनहरा भविष्य बनाने में सक्षम होते हैं। उन्होंने कहा कि हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए अमेरिका लगातार साझेदारियां बना रहा है। भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर अमेरिका ने क्वाड का गठन किया है। वहीं ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर ऑक्स का गठन किया है। अब फिलीपींस, जापान के साथ मिलकर अमेरिका ने एक नया त्रिपक्षीय गठबंधन तैयार किया है। तीनों नेताओं की बैठक में चीन के ताइवान और दक्षिण चीन सागर में आक्रामक रुख, उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु युद्ध की चुनौती और इसके रूस के साथ बढ़ते संबंधों पर चर्चा हुई।

एनटीपीसी के बालिका सशक्तिकरण के नए संस्करण का शुभारंभ

भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड अपनी प्रमुख कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पहल, बालिका सशक्तिकरण मिशन (जीईएम) का नया संस्करण लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। यह कार्यक्रम भारत सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पहल के अनुरूप है और इसका उद्देश्य लड़कियों की कल्पनाओं को पोषित करके और अवसरों का पता लगाने की उनकी क्षमता को बढ़ावा देकर लैंगिक असमानता को मिटाना है। बालिका सशक्तिकरण मिशन गर्मी की छुट्टियों के दौरान युवा लड़कियों के लिए एक महीने की कार्यशाला के माध्यम से उन्हें उनके सर्वांगीण उत्थान और विकास के लिए एक मंच प्रदान करता है।

7 हजार से अधिक लड़कियां हुईं लाभान्वित

अप्रैल 2024 से शुरू जीईएम का यह नया संस्करण बिजली क्षेत्र की पीएसयू के 42 चिन्हित स्थानों पर समाज के वंचित वर्गों के लगभग 3,000 मेधावी बच्चों को जोड़ेगा।

आईएनएस शारदा ऑन द स्पॉट यूनिट प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

नौसेना अध्यक्ष एडमिरल आर. हरि कुमार ने समुद्री डकैती विरोधी अभियान सफलतापूर्वक चलाने के लिए दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि की यात्रा के दौरान, आईएनएस शारदा को 'ऑन द स्पॉट यूनिट प्रशस्ति पत्र' से सम्मानित किया। यह जहाज ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज ओमारी के सभी 19 चालक दल के सदस्यों (11 ईरानी और 08 पाकिस्तानी) की सुरक्षित रिहाई में शामिल था, जिसे सोमालिया के पूर्वी तट पर समुद्री डाकुओं ने बंधक बना लिया था। जहाज को ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज ओमारी की जांच करने का काम सौंपा गया था जिसका संभवतः समुद्री लुटेरों ने अपहरण कर लिया था। नौसेना आरपीए की निगरानी जानकारी के आधार पर नौसेना के जहाज ने ओमारी जहाज को रोक लिया और रातभर गोपनीय खोज जारी रखी। समुद्री डकैती रोधी अभियानों के लिए तैनात जहाज और मिशन के अथक प्रयास ने हिंद महासागर क्षेत्र में नाविकों की सुरक्षा बढ़ाने के भारतीय नौसेना के संकल्प को बरकरार रखते हुए समुद्र में बहुमूल्य जिंदगियां बचाईं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो गूगल से साभार)

सुविधा पोर्टल पर 73 हजार से अधिक आवेदन हुए प्राप्त, 44,600 से अधिक स्वीकृत

चुनावों की घोषणा और आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने के बाद से केवल 20 दिनों की अवधि में, सुविधा प्लेटफ़ॉर्म पर राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की ओर से अनुमति संबंधी 73,379 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से 44,626 अनुरोध (60 प्रतिशत) स्वीकार कर लिए गए। लगभग 11,200 अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया गया, जो प्राप्त कुल अनुरोधों का 15 प्रतिशत है और 10,819 आवेदन अमान्य या डुप्लीकेट होने के कारण रद्द कर दिए गए। 7 अप्रैल, 2024 तक उपलब्ध विवरण के अनुसार शेष आवेदन प्रक्रियाधीन हैं। अधिकतम अनुरोध तमिलनाडु (23,239) से प्राप्त हुए, उसके बाद पश्चिम बंगाल (11,976) और मध्य प्रदेश (10,636) का स्थान रहा। न्यूनतम अनुरोध चंडीगढ़ (17), लक्षद्वीप (18) और मणिपुर (20) से प्राप्त हुए।

एक तकनीकी समाधान है

सुविधा पोर्टल ईसीआई द्वारा विकसित एक तकनीकी समाधान है, जिसका उद्देश्य स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से चुनाव कराने संबंधी लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कायम रखने के लिए समान अवसर सुनिश्चित कराना है। सुविधा पोर्टल ने प्रभावशाली ट्रैक रिकॉर्ड का प्रदर्शन करते हुए चुनाव की अवधि के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की ओर से प्राप्त अनुमति और सुविधाओं के अनुरोधों और उन पर कार्रवाई करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक - संदीप यादव, मुद्रक - संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।